● वर्ष : 17 ● अंक : 180 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दिल्ली से प्रकाशित

सोमवार 20 अप्रैल 2026

बीजेपी ने की महिला अधिकारों को मजबूत करने की बात, टीएमसी ने नहीं दिया साथ : पीएम मोदी

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल के बिष्णुपुर में पीएम मोदी ने टीएमसी पर कई मुद्दों को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि संसद में महिला आरक्षण बिल पास कराने के समय टीएमसी ने कांग्रेस के साथ मिलकर इसका विरोध किया, जिससे बंगाल की बहनों और बेटियों की उम्मीदों को झटका लगा। उन्होंने महिला सशक्तिकरण और महिला सुरक्षा को बीजेपी की पहचान बताया और कहा कि उनकी पार्टी महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर लगातार काम कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि विकसित भारत के निर्माण में बेटियों की भूमिका बढ़ाना जरूरी है और राजनीति में उनकी भागीदारी भी मजबूत होनी चाहिए। इसके साथ पीएम मोदी ने कहा एक तरफ बीजेपी महिलाओं के अधिकारों को मजबूत करने की बात करती है, वहीं दूसरी ओर टीएमसी ने इस दिशा में सहयोग नहीं किया। रैली के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि देश और दुनिया में उनका सम्मान होता है, लेकिन टीएमसी उनके सम्मान को लेकर सवाल उठते हैं। उन्होंने कहा कि जब राष्ट्रपति बंगाल आई थीं, तब जो

घटनाक्रम हुआ, उसे पूरे देश ने देखा। इसके साथ ही पीएम ने टीएमसी पर घुसपैठियों को लाभ पहुंचाने और कानून-नियमों का पालन न करने का आरोप लगाया साथ ही धर्म के आधार पर आरक्षण देने की कोशिश को संविधान की भावना के खिलाफ बताया। सभा में कई जनकल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने भरोसा दिलाया कि मातृ शक्ति भरोसा कार्ड के जरिए बंगाल की हर बहन को साल में 36,000 रुपए दिए जाएंगे। महिला सशक्तिकरण के रोडमैप को सामने रखते हुए बताया कि राज्य में बीजेपी सरकार बनने पर गर्भवती महिलाओं को 21,000 रुपए की सीधी आर्थिक मदद मिलेगी, वहीं संतान होने पर केंद्र सरकार की ओर से भी 5,000 रुपए की सहायता दी जाएगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बेटियों के भविष्य और उनकी शिक्षा पर जोर देते हुए पीएम मोदी ने 50,000 रुपए की मदद देने का वादा किया। गरीबों के हक की बात करते हुए मंच से साफ किया गया कि बंगाल की जनता को अब अपने राशन की चिंता करने की जरूरत नहीं, क्योंकि बीजेपी की सरकार आते ही सबको मुफ्त राशन मिलेगा और कोई उसे छीन नहीं पाएगा। इसके साथ ही, सिर पर पक्की छत का सपना पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत महिलाओं को 1.5 लाख रुपए तक की सहायता देने की बात कही गई। स्वास्थ्य सेवाओं का जिक्र करते हुए स्पष्ट किया कि आयुष्मान भारत योजना लागू होते ही हर महिला को 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज मिलना शुरू हो जाएगा, जिसे वर्तमान सरकार ने रोक रखा है। उन्होंने कहा कि बीजेपी महिलाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों के लिए काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

चुनाव के दौरान पीएम का राष्ट्र के नाम संबोधन पर विवाद शुरू, चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया राष्ट्र के नाम संबोधन को लेकर राजनीतिक विवाद गहराता जा रहा है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के राज्यसभा सांसद पी. संदोष कुमार ने इस संबोधन के खिलाफ चुनाव आयोग में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। सांसद का आरोप है कि प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन राजनीतिक प्रकृति का था और यह आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करता है। सीपीआई सांसद ने मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर मामले की जांच और उचित कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन का उपयोग राजनीतिक विरोधियों पर

निशाना साधने के लिए किया गया, जो एक सरकारी मंच का दुरुपयोग माना जा सकता है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राष्ट्र के नाम संबोधन में 'महिला आरक्षण संशोधन बिल' को पारित न होने के लिए विपक्षी दलों को जिम्मेदार ठहराते हुए उनकी जमकर आलोचना की। उन्होंने कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी और समाजवादी पार्टी सहित कई दलों पर आरोप लगाते हुए कहा था कि उनकी "स्वार्थी राजनीति" के कारण देश की नारी शक्ति को नुकसान उठाना पड़ा। पीएम मोदी के इस संबोधन के बाद विपक्षी दलों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने राष्ट्र के नाम संबोधन को राजनीतिक भाषण में बदल दिया। खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कांग्रेस का बार-बार उल्लेख किया, जबकि महिलाओं के मुद्दों पर अपेक्षाकृत कम ध्यान दिया गया। उन्होंने इसे लोकतंत्र और संविधान की भावना के खिलाफ बताया।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

चार राज्यों के चुनाव में भाजपा की जीत तय?

केंद्र सरकार और भाजपा ने मिलकर विपक्ष को अपने जाल में बुरी तरह से फंसा लिया है। जिस तरह की स्थिति परिसीमन बिल के संसद में गिरने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के चुनाव में महिलाओं के आरक्षण का जो मुद्दा तैयार किया है। इंडिया गठबंधन और कांग्रेस के ऊपर जिस तरह का हमला चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा द्वारा किया जा रहा है। उसको देखते हुए यह कहा जा सकता है, भाजपा चार राज्यों के विधानसभा चुनाव को स्पष्ट बहुमत के साथ जीतने का जो नॉरेटिव बनाना चाहती थी। वह भाजपा ने बना लिया है। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यों की विधानसभा में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को मतदान होगा। तमिलनाडु में 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होना है। असम, केरल और पांडिचेरी में पहले ही 9 अप्रैल को मतदान हो चुका है।

भाजपा ने एक सुनियोजित रणनीति के तहत तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए संसद का तीन दिन का विशेष सत्र बुलाया इसमें परिसीमन बिल को संशोधन के लिए लाया गया। सरकार ने परिसीमन बिल के स्थान पर इसे महिला आरक्षण बिल के नाम पर प्रचारित किया है। उसमें उन्हें पता था, विपक्ष परिसीमन के इस बिल को स्वीकार नहीं करेगा, लोकसभा में यह बिल पास नहीं होगा। उसके बाद तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में महिला आरक्षण के मुद्दे पर महिला मतदाता के समर्थन से चुनाव जीतने का सुनयोजित रूप से नेरेटिव बनाया जाएगा। उसी रणनीति के तहत भाजपा काम कर रही है। इसके पहले तीन तलाक के मुद्दे पर जो नेरेटिव भाजपा ने महिला मतदाताओं के नाम से तैयार किया था। उसके आधार पर मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में उत्तर प्रदेश एवं अन्य राज्यों में भाजपा को बड़ी संख्यि में मुस्लिम महिलाओं के वोट मिले।

भाजपा ने मुस्लिम महिलाओं द्वारा भाजपा के पक्ष में मतदान करने का दावा किया था। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, महाराष्ट्र, हरियाणा, बिहार इत्यादि के विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने इसी तरह से पहले नॉरेटिव तैयार किया। जमीनी स्तर पर भाजपा का भारी विरोध होने के बाद भी इन सभी राज्यों में भाजपा को अप्रत्याशित जीत हासिल हुई। भाजपा ने हर राज्य में नेरेटिव से जोड़कर जीत हासिल की। इसमें चुनाव आयोग की भी बड़ी भूमिका थी। इस बार पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के चुनाव को लेकर पिछले 1 वर्ष से भाजपा लगातार प्रयासरत थी। केंद्रीय चुनाव आयोग ने विधानसभा चुनाव के कुछ माह पहले एसआईआर का खेल शुरू कर दिया है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

मतदान के कुछ दिन पहले ही पश्चिम बंगाल में टीएमसी नेताओं समेत पुलिस अफसर के घर छापा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की आहट के बीच केंद्रीय जांच एजेंसियों ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। कोयला घोटाला और कथित

वित्तीय अनियमितताओं के मामलों को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आयकर विभाग की टीमें राज्य के विभिन्न हिस्सों में लगातार छापेमारी कर रही हैं। ताजा घटनाक्रम में ईडी की टीम ने कोयला तस्करी मामले की जांच के सिलसिले में कोलकाता पुलिस के डीसीपी शांतनु सिन्हा विश्वास और व्यवसायी जय कामदार के ठिकानों पर दबिश दी है। वहीं आयकर विभाग ने भी टीएमसी के नेताओं के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। हाल ही में रासबिहारी निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार और विधायक देबाशीष कुमार के दक्षिण कोलकाता स्थित आवास और चुनावी कार्यालयों पर छापेमारी की गई। जानकारी के अनुसार, ईडी की टीम शांतनु विश्वास के बेहाला स्थित आवास और बलयुगुंगे ऐंड सन एंटरप्राइजेज के मैनेजिंग डायरेक्टर जय कामदार के ठिकानों पर तलाशी लेने पहुंची। रिपोर्टों के मुताबिक, जब टीम डीसीपी के आवास पर पहुंची, तो वहां ताला लगा हुआ था, जिसके कारण अधिकारियों को बाहर ही इंतजार करना पड़ा। कोयला तस्करी मामले में अब तक कई वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों से पूछताछ की जा चुकी है और शांतनु विश्वास का नाम भी इस जांच के दायरे में आया है।

रक्षा मंत्री 21 अप्रैल को जर्मनी के दौरे पर जाएंगे, रक्षा औद्योगिक सहयोग पर होगी वार्ता

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 21 अप्रैल को जर्मनी के दौरे पर जाएंगे। वह अपने जर्मन समकक्ष

बोरिस पिस्टोरियस और सरकार के दूसरे वरिष्ठ नेताओं के साथ द्विपक्षीय बातचीत करेंगे। दोनों रक्षा मंत्रियों की मौजूदगी में रक्षा औद्योगिक सहयोग रोडमैप और संयुक्त राष्ट्र शांति अभियान प्रशिक्षण में सहयोग के लिए कार्यान्वयन व्यवस्था पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। रक्षा मंत्री का यह तीन दिवसीय दौरा रक्षा औद्योगिक सहयोग बढ़ाने, सैन्य-से-सैन्य जुड़ाव को मजबूत करने और साइबर सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ड्रोन जैसे उभरते हुए डोमेन में मौके तलाशने पर फोकस होगा। यह दौरा दोनों देशों के बीच चल रहे रक्षा सहयोग की समीक्षा करने और दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच तालमेल के नए रास्ते पहचानने का मौका देगा। इस दौरान मेक-इन-इंडिया पहल के तहत संयुक्त विकास और सह उत्पादन को बढ़ावा देने के मकसद से जर्मन के उद्योग प्रतिनिधियों से भी बातचीत होने की उम्मीद है। रक्षा मंत्री का यह जर्मन दौरा सात साल के बाद हो रहा है। इससे पहले भारतीय रक्षा मंत्री का जर्मनी का पिछला दौरा फरवरी, 2019 में निर्मला सीतारमण ने किया था। मिस्टर बोरिस पिस्टोरियस जून, 2023 में भारत आए थे और उन्होंने राजनाथ सिंह के साथ लंबी बातचीत की थी। भारत और जर्मनी के बीच एक मजबूत और कई रणनीतिक साझेदारी है, जो लोकतांत्रिक मूल्य, कानून के राज और नियम-आधारित इंटरनेशनल ऑर्डर के लिए एक जैसी प्रतिबद्धता पर आधारित है।

मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने के लिए विपक्ष संसद में लाएगा नया नोटिस!

एजेंसी। नई दिल्ली

महिला आरक्षण बिल के मुद्दे पर संसदीय घटनाक्रमों के बाद अब विपक्षी दल मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ मोर्चा खोलने की तैयारी में हैं। विपक्षी गठबंधन के प्रमुख दल एक बार फिर उन्हें पद से हटाने के लिए संसद में नया नोटिस लाने पर विचार कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, विपक्षी खेमे में इस मुद्दे को लेकर गहन चर्चा चल रही है और एक नए ड्राफ्ट पर काम भी शुरू हो चुका है। यह कदम ऐसे समय में उठाया जा रहा है जब इससे पहले विपक्ष द्वारा दिए गए नोटिस को लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति ने खारिज कर दिया था। जानकारी के मुताबिक, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने पिछले नोटिस को खारिज करते समय कुछ विस्तृत कारण बताए थे, जिनमें मुख्य रूप से कदाचार के ठोस उदाहरणों की कमी का उल्लेख किया गया था। अब विपक्ष उन तकनीकी कमियों को दूर कर नए सिरे से पुख्ता तथ्यों के साथ नोटिस दाखिल करने की योजना बना रहा है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि इस अभियान को आगे बढ़ाने में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सबसे सक्रिय भूमिका निभा रही है। माना जा रहा है कि मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ यह कदम पश्चिम बंगाल सहित अन्य राज्यों में चुनाव के दौरान सामने आए विवादों और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर उठते सवालों के संदर्भ में देखा जा रहा है।

सोशल मीडिया पर भ्रामक सामग्री के खिलाफ चुनाव आयोग सख्त, कार्रवाई के निर्देश

एजेंसी। नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव और 8 सीटों पर हो रहे उपचुनाव के दौरान सोशल मीडिया पर प्रसारित भ्रामक के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। आयोग ने कहा है कि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000, आईटी नियम, 2021 तथा आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों के तहत सभी संबंधित पक्षों को डिजिटल मंचों का जिम्मेदार और नैतिक उपयोग सुनिश्चित करना होगा। चुनाव आयोग के अनुसार, किसी भी भ्रामक या कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा तैयार अथवा छेड़छाड़ की गई सामग्री पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को तीन घंटे के भीतर कार्रवाई करनी होगी। साथ ही, राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों और प्रचार से जुड़े प्रतिनिधियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि कृत्रिम रूप से तैयार या परिवर्तित सामग्री को स्पष्ट रूप से 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता जनित' या 'डिजिटल रूप से परिवर्तित' के रूप में चिह्नित किया जाए और उसके स्रोत की जानकारी भी दी जाए। आयोग ने बताया कि असम, केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल में जारी विधानसभा चुनावों के दौरान सोशल मीडिया सामग्री की निगरानी की जा रही है। आचार संहिता का उल्लंघन करने वाली, कानून-व्यवस्था को प्रभावित

करने वाली या मतदान प्रक्रिया को लेकर भ्रामक जानकारी फैलाने वाली सामग्री पर संबंधित प्राधिकारियों द्वारा कार्रवाई की जा रही है। चुनाव आयोग की तरफ से बताया गया है कि 15 मार्च को चुनाव की घोषणा के बाद से अब तक 11 हजार से अधिक आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट और यूआरएल की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है। इनमें सामग्री हटाना, प्राथमिकी दर्ज करना, स्पष्टीकरण मांगना और खंडन शामिल हैं। इसके अलावा, आयोग ने जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126 के प्रावधानों को दोहराते हुए कहा कि मतदान समाप्त होने से 48 घंटे पहले के मौन अवधि के दौरान किसी भी प्रकार के चुनाव प्रचार पर रोक रहेगी और सभी माध्यमों को इसका सख्ती से पालन करना होगा। आयोग ने बताया कि नागरिक, राजनीतिक दल और उम्मीदवार सी-विजिल माध्यम के जरिए आचार संहिता उल्लंघन की शिकायत दर्ज कर सकते हैं। 15 मार्च से 19 अप्रैल के बीच इस माध्यम से 3 लाख 23 हजार 99 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 96 प्रतिशत शिकायतों का निपटारा 100 मिनट की निर्धारित समय सीमा के भीतर किया गया।

कर्ज से बढ़ी मालदीव की मुश्किलें, मुइज्जू ने भारत से की करेंसी स्वैपिंग सुविधा बढ़ाने की मांग

माले। मालदीव इस समय अपने सबसे कठिन आर्थिक दौर से गुजर रहा है। भारी अंतरराष्ट्रीय कर्ज और तेजी से घटते विदेशी मुद्रा भंडार के कारण देश की अर्थव्यवस्था चरमराने की कगार पर है। इस बीच, मालदीव सरकार ने भारत से एक बार फिर करेंसी स्वैप सुविधा की अवधि बढ़ाने की गुहार लगाई है। हालांकि, भारत के लिए इस अनुरोध को स्वीकार करना कूटनीतिक और तकनीकी रूप से एक बड़ी चुनौती बन गया है। मालदीव की वित्तीय स्थिति वर्तमान में बेहद चिंताजनक है। अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसियों, जैसे फिच ने इसकी सॉवरेन रेटिंग को सीसी पर रखा है, जो कर्ज चूक (डिफ़ॉल्ट) की उच्च संभावना की ओर इशारा करता है। देश पर अप्रैल 2026 में लगभग 1 अरब डॉलर के कर्ज भुगतान का दबाव था। हालांकि मालदीव ने अपने सॉवरेन डेवलपमेंट फंड का उपयोग कर 500 मिलियन डॉलर के सुकुक बॉन्ड का भुगतान तो कर दिया है, लेकिन इस कदम ने उसके विदेशी मुद्रा भंडार को लगभग खाली कर दिया है। भारत ने हमेशा मालदीव की मुश्किल समय में मदद की है।

लोकसभा ने 12 बिलों में से 9 पास करके 75 फीसदी सक्सेस रेट हासिल किया: ओम बिड़ला

नई दिल्ली। संसद का बजट सत्र 28 जनवरी को शुरू हुआ था। ये सत्र काफी हंगामेदार रहा, लेकिन इसके बावजूद इसमें खूब काम हुआ। बजट सत्र के बाद महिला आरक्षण पर विचार करने के लिए तीन दिन के विशेष सत्र के आखिरी दिन कोई काम नहीं हुआ और शनिवार सुबह लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदन अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिए गए। सत्र में 2026-27 के लिए यूनियन बजट और अलग-अलग मंत्रालयों के लिए ग्रांट और सप्लीमेंट्री ग्रांट की मांगें पास की गईं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बजट सत्र में कुछ खास कानून भी पास हुए, जिनमें जन विश्वास बिल-2026, ट्रांसजेंडर पर्सन्स अमेंडमेंट बिल-2026, सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेज़ बिल 2026 और आंध्र प्रदेश रीऑर्गेनाइज़ेशन बिल-2026 शामिल हैं। विपक्ष के कड़े विरोध के बाद सरकार ने सत्र के दौरान फॉरेन कंट्रीब्यूशन अमेंडमेंट बिल-2026 पर चर्चा नहीं की। बजट सत्र में लोकसभा में 93 फीसदी काम हुआ, जबकि राज्यसभा में 110फीसदी काम हुआ। इस सत्र में केंद्र सरकार में कई काम पहली बार हुए। विपक्ष ने पहली बार चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने का नोटिस दिया, जिसे स्पीकर और राज्यसभा के चेयरमैन ने खारिज कर दिया।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने श्रीलंका के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से की मुलाकात

एजेंसी। कोलंबो/नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को श्रीलंका की अपनी पहली द्विपक्षीय आधिकारिक यात्रा के दौरान कोलंबो स्थित राष्ट्रपति सचिवालय में राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके और प्रधानमंत्री डॉ. हरिणी अमरसूर्या से मुलाकात की। श्रीलंका की प्रधानमंत्री ने उपराष्ट्रपति के सम्मान में प्रधानमंत्री आवास 'टेंपल ट्रीज़' में लंच का आयोजन किया। विदेश मंत्रालय के अनुसार इस दौरान दोनों नेताओं ने साझा इतिहास और मजबूत सभ्यतागत संबंधों पर आधारित बहुआयामी रिश्तों को और अधिक प्रगाढ़ बनाने पर सार्थक चर्चा की। दोनों नेताओं ने सदियों पुराने सांस्कृतिक संबंधों को याद किया। साथ ही द्विपक्षीय सहयोग को और अधिक गहरा बनाने की दिशा में तकनीकी और सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर चर्चा की। चर्चा का एक बड़ा हिस्सा भारतीय आवास परियोजना और चक्रवात 'दितवाह' से प्रभावित क्षेत्रों के लिए आवंटित 45 करोड़ अमेरिकी डॉलर के सहायता पैकेज पर केंद्रित रहा। इसके तहत भारतीय मूल के तमिल समुदाय के प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्निर्माण और पुनर्वास प्रयासों की समीक्षा की गई। दोनों पक्षों ने मछुआरा समुदायों की आजीविका को ध्यान में रखते हुए मानवीय दृष्टिकोण से उनकी समस्याओं के स्थायी समाधान पर जोर दिया।

कांग्रेस ने प्रदर्शन करते हुए महिला आरक्षण बिल को तुरंत 543 सीटों पर लागू करने की मांग की

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस ने रविवार को सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए महिला आरक्षण को तुरंत 543 सीटों पर लागू करने की मांग की है। दिल्ली कांग्रेस के नेतृत्व में प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर सरकार और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के के खिलाफ विरोध दर्ज कराया गया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने यहां महिलाओं से संवाद किया। इस दौरान राज्यसभा सांसद जयराम रमेश, प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव, सांसद दीपेंद्र हुड्डा, अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा, दिल्ली महिला कांग्रेस अध्यक्ष पुष्पा सिंह, कुंवर करण सिंह, सुरेंद्र कुमार, हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली और छत्तीसगढ़ महिला कांग्रेस की महिलाएं उपस्थित रहीं। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि भाजपा की महिला विरोधी नीयत उजागर हो गई है। भाजपा ने देश की महिलाओं की आंखों में धूल झोंकने का काम किया है। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण की आड़ में इनका असली लक्ष्य सिर्फ राजनीतिक परिसीमन करना था। ये पूरी तरह से भाजपा का एक चुनावी प्रोपेगेंडा था, जो अब जनता को समझ आ गया है। दीपेंद्र हुड्डा ने महिला आरक्षण बिल को तुरंत 543 सीटों में लागू कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि हम सरकार को तब तक चैन की नींद सोने नहीं देंगे जब तक महिला आरक्षण देश में लागू नहीं हो जाता। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने प्रदर्शन के दौरान कहा कि हम भाजपा सरकार को महिला आरक्षण के कार्यान्वयन में देरी नहीं करने देंगे।

मणिपुर में उग्रवादियों का हमला, रिटायर्ड जवान समेत दो की मौत, कई घायल

इम्फाल। मणिपुर में बढ़ते तनाव के बीच फिर हिंसा की बड़ी घटना हुई। उखरुल जिले में नेशनल हाईवे-202 पर उग्रवादियों द्वारा किए गए घात लगाकर हमले में दो लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक सेवानिवृत्ति सेना का जवान भी शामिल है। इस मामले में तीन अन्य लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने बताया कि यह हमला लेइंगांगचिंग और टीएम कासोम के बीच हुआ, जब हथियारबंद हमलावरों ने इंफाल से उखरुल जा रहे एक काफिले पर गोलियां बरसाईं। बताया जा रहा है कि हमलावरों ने दूर से स्नाइपर जैसे हथियार से निशाना साधा, जिससे यात्रियों को संभलने का मौका नहीं मिला। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हमले में जिन दो लोगों की मौत हुई है, उनमें एक रिटायर्ड आर्मी जवान शामिल है। एक अन्य घायल व्यक्ति ने अस्पताल में दम तोड़ा। वहीं, अन्य घायलों का इलाज जारी है और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतकों की पहचान ताशर गांव के नागा रेजिमेंट के रिटायर्ड जवान चाइना ओशांग शोकवुंगनाओ और खारासोम गांव के यारिंगम वाशुम के रूप में हुई है। बता दें यह हमला मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह के उखरुल दौरे के एक दिन बाद हुआ। अपने दौरे के दौरान सीएम ने तांगखुल नागा और कुकी गांव वालों से मुलाकात की थी और फरवरी से दोनों समुदायों के बीच जारी हिंसा के बीच शांति बनाए रखने की अपील की थी।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

ख़ास ख़बर

बलबीर पुंज के निधन पर आरएसएस ने जताया शोक, सरकार्यवाह ने दी श्रद्धांजलि

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। प्रख्यात चिंतक, लेखक एवं पूर्व सांसद बलबीर पुंज के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। संघ ने कहा कि उनके निधन से देश के सार्वजनिक जीवन को अपूरणीय क्षति पहुंची है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि बलबीर पुंज ने अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में गंभीर अध्ययन, स्पष्ट विचार और जिम्मेदारीपूर्ण अभिव्यक्ति के माध्यम से समाज को दिशा देने का कार्य किया। समसामयिक विषयों पर उनके लेखन को सदैव गंभीरता और प्रामाणिकता के साथ देखा जाता रहा। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिजनों, मित्रों और शुभचिंतकों को इस कठिन समय में धैर्य और शक्ति प्रदान करने की कामना की। उल्लेखनीय है कि बलबीर पुंज भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, प्रख्यात पत्रकार और स्तंभकार थे। भाजपा के दिग्गज नेताओं में शामिल रहे बलबीर पुंज पार्टी के उपाध्यक्ष भी रहे। युवावस्था में वह आरएसएस से जुड़ गए थे। उन्होंने साल 1971 में अपने पत्रकारिता कैरियर की शुरुआत की थी और पत्रकारिता में उनका करियर बेहद प्रभावशाली रहा। पुंज दो बार राज्यसभा के सदस्य रहे। पहली बार (2000 से 2006) उत्तर प्रदेश और दूसरी बार (2008 से 2014) तक ओडिशा से राज्यसभा के सदस्य रहे। इसके अलावा उन्होंने नेशनल यूथ कमिशन फॉर यूथ के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया, जिसे केंद्र सरकार में राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त होता है।

भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर 20 अप्रैल से वाशिंगटन में होगी वार्ता

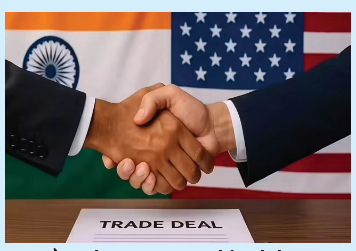

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण पर तीन दिन की वार्ता के लिए भारत के लगभग एक दर्जन अधिकारी 20 अप्रैल को वाशिंगटन पहुंचेंगे। दोनों पक्ष उस समझौते पर फिर से विचार कर सकते हैं, जिसका मसौदा 7 फरवरी को जारी किया गया था। सूत्रों ने बताया कि यह बैठक 20-22 अप्रैल तक वाशिंगटन डीसी में होगी। भारत के मुख्य वार्ताकार और वाणिज्य विभाग में अतिरिक्त सचिव दर्पण जैन इस टीम का नेतृत्व कर रहे हैं। साथ ही सीमा शुल्क और विदेश मंत्रालय के अधिकारी भी भारतीय दल का हिस्सा होंगे। इसके अलावा अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) की जांच पर विचार-विमर्श हो सकता है। भारत ने व्यापार कानून की धारा 301 के तहत इन जांच में लगाए गए आरोपों को कड़ाई से खारिज करके जांच को खत्म करने का अनुरोध किया है। अमेरिका पुराने शुल्क ढांचे के अनुसार भारत पर शुल्क 50 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी करने पर सहमत हुआ था। उसने रूसी तेल खरीदने के लिए भारतीय वस्तुओं पर लगाए 25 फीसदी अतिरिक्त शुल्क को हटा दिया था और बाकी 25 फीसदी को समझौते के तहत घटाकर 18 फीसदी करना था। हालांकि, इसके बाद 20 फरवरी को अमेरिकी शीर्ष अदालत ने ट्रंप के जवाबी शुल्क के खिलाफ फैसला सुनाया था। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने 24 फरवरी से सभी देशों पर 10 फीसदी शुल्क का ऐलान किया। इन बदलावों के कारण फरवरी में होने वाली मुख्य वार्ताकारों की बैठक स्थगित कर दी गई थी, जिसके बाद अब वे 20 अप्रैल को वाशिंगटन में मिल रहे हैं।

उपराष्ट्रपति ने वर्चुअल माध्यम से लाभार्थियों को सौंपे 4000 आवास

लोकतंत्र की शान : कोलंबो/ नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन कोलंबो में आयोजित एक सामुदायिक स्वागत समारोह में उपराष्ट्रपति ने भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए एक ऐतिहासिक निर्णय की घोषणा की। विदेश मंत्रालय के अनुसार इस दौरान, उपराष्ट्रपति ने उत्तरी रेलवे लाइन पर रेल सेवाओं की बहाली और तीन नए बेली पुलों के निर्माण की घोषणा की, जो आपदा प्रभावित क्षेत्रों में संपर्क बहाल करने में मील का पत्थर साबित होंगे। इसके अलावा, भारतीय आवास परियोजना (चरण-3) के तहत निर्मित 4000 आवास इकाइयों के अंतिम समूह को वर्चुअल माध्यम से लाभार्थियों को सौंपा। भारत सरकार ने अब तक श्रीलंका में तमिल समुदाय को 50 हजार घर उपलब्ध कराए हैं और भारतीय आवास परियोजना के चौथे चरण के तहत अतिरिक्त 10 हजार घर वितरित किए जाएंगे। भारत सरकार ने ओसीआई कार्ड के लिए पात्रता मानदंडों का विस्तार किया है। अब श्रीलंका में रह रहे पांचवीं और छठी पीढ़ी के भारतीय मूल के तमिल भी ओसीआई कार्ड प्राप्त करने के पात्र होंगे। उपराष्ट्रपति ने कोलंबो में श्रीलंका के विपक्ष के नेता साजित प्रेमदासा ने उपराष्ट्रपति से मुलाकात की। इस उच्च स्तरीय बैठक में दोनों नेताओं ने व्यापारिक रिश्तों में विस्तार और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने पर गहन चर्चा की। दोनों पक्षों ने भारत और श्रीलंका के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। उपराष्ट्रपति ने श्रीलंकाई तमिल दलों और भारतीय मूल के तमिल दलों के नेताओं के साथ महत्वपूर्ण बैठक के दौरान श्रीलंकाई नेताओं ने चक्रवात 'दित्वाह' के बाद भारत द्वारा दिए गए 45 करोड़ डॉलर के पुनर्वास और राहत पैकेज के लिए आभार व्यक्त किया।

भारत की सभ्यतागत शक्ति का आधार नारी : विजेंद्र गुप्ता

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। "नारी शक्ति, जिसे हमारी परंपरा में सरस्वती, लक्ष्मी और दुर्गा के रूप में देखा जाता है, भारत की सभ्यतागत शक्ति का आधार है" यह बात दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने आज किंग्सवे कैंप स्थित ब्रह्मा कुमारी, शांति भवन में आयोजित "रन फॉर मदर अर्थ" के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि विकसित भारत@2047 का लक्ष्य महिलाओं की समान भागीदारी और नेतृत्व के बिना संभव नहीं है। कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों से संवाद करते हुए उन्होंने इस पहल को पर्यावरण जागरूकता, नागरिक उत्तरदायित्व और सामाजिक चेतना का एक सशक्त संगम बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के मंच युवाओं को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप जागरूक, उत्तरदायी और उद्देश्यपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा महिलाओं की भागीदारी को उन्होंने सार्वजनिक जीवन में बढ़ती भागीदारी और नेतृत्व की दिशा में एक सकारात्मक संकेत बताया। महिला सशक्तिकरण के संदर्भ में गुप्ता ने संसद में हाल ही में प्रस्तुत संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026, जिसे "नारी शक्ति वंदन अधिनियम" के रूप में जाना जाता है, का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस विधेयक की प्रस्तुति महिलाओं के प्रतिनिधित्व को शासन व्यवस्था के केंद्र में लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। हालांकि, लोकसभा में इस विधेयक के पारित न हो पाने को उन्होंने दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए इसे महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व की दिशा में "लोकतांत्रिक प्रगति का एक काला दिन" करार दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को विधायी और निर्णय लेने वाली संस्थाओं में पर्याप्त प्रतिनिधित्व न मिलना संस्थागत सुधार की गति पर गंभीर प्रश्न खड़ा करता है। गुप्ता ने जोर देते हुए कहा कि जब तक महिलाओं को समान प्रतिनिधित्व और प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित नहीं की जाएगी, तब तक विकसित भारत @2047 का लक्ष्य अधूरा रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि महिला नेतृत्व केवल समानता का विषय नहीं, बल्कि संतुलित और प्रभावी शासन के लिए अनिवार्य आवश्यकता है। युवा सशक्तिकरण पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि "रन फॉर मदर अर्थ" जैसे आयोजन एक जागरूक और जिम्मेदार पीढ़ी के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। विशेष रूप से युवा महिलाओं को अवसर, पहचान और नेतृत्व प्रदान करना एक सशक्त और भविष्य के लिए तैयार भारत के निर्माण की कुंजी है। उन्होंने कहा कि ऐसे मंच युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को पुरस्कार भी वितरित किए गए। गुप्ता ने आयोजकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण और युवा सहभागिता जैसे महत्वपूर्ण विषयों को एक मंच पर लाना अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार की पहलें समाज में सकारात्मक सहभागिता को बढ़ावा देंगी और एक समावेशी एवं प्रगतिशील राष्ट्र के निर्माण को सुदृढ़ करेंगी।

भाजपा तमिलनाडु जैसे प्रगतिशील राज्यों को सजा देना चाहती थी, लेकिन विपक्ष ने परिसीमन के खतरनाक प्रयास को हराया: खरगे

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि भाजपा जनसंख्या नियंत्रण, शिक्षा और मानव विकास में बेहतर प्रदर्शन करने वाले तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक जैसे राज्यों की लोकसभा में आवाज दबाना चाहती थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस-डीएमके गठबंधन समेत अन्य विपक्षी दलों ने एकजुट होकर संसद में भाजपा के परिसीमन संबंधी खतरनाक प्रयास को हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। तमिलनाडु के होसूर में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के साथ एक विशाल चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा कि यह लड़ाई केवल सीटों की नहीं, बल्कि संघीय व्यवस्था, निष्पक्षता और नागरिकों के सम्मान की थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह केवल राजनीतिक जीत नहीं, बल्कि अन्याय पर न्याय की नैतिक जीत है। विशाल जनसमूह से सीधा संवाद करते हुए खरगे ने केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग और चुनी हुई सरकारों को गिराने को लेकर भी भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने महंगाई, बेरोजगारी, लोकतांत्रिक संस्थानों पर हमले, नफरत फैलाने और राज्यों को कमजोर करने के अलावा कुछ नहीं किया है। उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी और स्टालिन पर हमले इसलिए होते हैं क्योंकि वे भाजपा के एजेंडे के रास्ते में खड़े हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा दिल्ली से तमिलनाडु की सत्ता चलाना चाहती है। उन्होंने आगे कहा कि विधानसभा चुनाव तमिलनाडु की आत्मा और भारत के विचार की रक्षा का चुनाव है।

नजफगढ़ एनडीपीएस मामले में भगोड़ा अपराधी गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। फरार घोषित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने नजफगढ़ थाना क्षेत्र के एनडीपीएस एक्ट मामले में वांछित घोषित अपराधी धर्मेंद्र (37) को मुंडका टोल के पास से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित लंबे समय से फरार चल रहा था और अदालत ने उसे हाल ही में भगोड़ा घोषित किया था। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने रविवार को बताया कि धर्मेंद्र के खिलाफ नजफगढ़ थाने में वर्ष 2025 में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मामला दर्ज हुआ था। इस मामले में पहले गिरफ्तार आरोपित कुंदन के पास से 2 किलो गांजा बरामद हुआ था। पूछताछ में कुंदन ने खुलासा किया था कि बरामद गांजा का सप्लायर धर्मेंद्र ही है। इसके बाद से वह लगातार फरार चल रहा था। मामले में द्वारका कोर्ट की विशेष एनडीपीएस अदालत ने 17 अप्रैल 2026 को धर्मेंद्र को भगोड़ा घोषित कर दिया था। इसके बाद उसकी गिरफ्तारी के लिए क्राइम ब्रांच की टीम ने तकनीकी निगरानी और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया।पुलिस उपायुक्त के अनुसार इंस्पेक्टर गौतम मलिक के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने 17 अप्रैल को एसआई कुलदीप को सूचना मिली कि धर्मेंद्र मुंडका टोल के पास आने वाला है। इसके बाद टीम ने मौके पर जाल बिछाया और तकनीकी सर्विलांस की मदद से आरोपित की लोकेशन ट्रैक कर उसे दबोच लिया। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपित धर्मेंद्र का आपराधिक इतिहास काफी लंबा रहा है। वर्ष 2012 में उसने अपने भाई के साथ मिलकर एक व्यक्ति की हत्या की थी, जिसमें उसे सजा भी हो चुकी है। इसके अलावा वर्ष 2023 में अवैध हथियार रखने के मामले में भी वह गिरफ्तार हो चुका है। वर्ष 2016 में चोरी की बाइक के साथ भी पकड़ा गया था। जेल से बाहर आने के बाद धर्मेंद्र ने जल्दी पैसे कमाने के लिए नशे के कारोबार में कदम रखा और गांजा तस्करी करने लगा। वह अपने साथी कुंदन के साथ मिलकर दिल्ली में नशे की सप्लाई करता था।

दिल्ली के दिलशाद गार्डेन में 'संघ गंगा के तीन भगीरथ' नाटक का मंचन 21 अप्रैल को

लोकतंत्र की शान

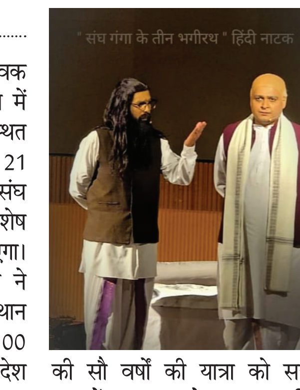

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में दिल्ली के दिलशाद गार्डेन स्थित अर्वाचीन इंटरनेशनल स्कूल में 21 अप्रैल को शाम 6 बजे से 'संघ गंगा के तीन भगीरथ' नामक विशेष हिंदी नाटक का मंचन किया जाएगा। नाटक के निर्देशक संजय पेंडसे ने यह जानकारी दी। पेंडसे ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि संघ के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर पूरे देश में इस नाटक का मंचन किया जा रहा है। 'संघ गंगा के तीन भगीरथ' नाटक संघ के प्रथम तीन सरसंघचालकों- डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार, माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) और बालासाहेब देवरस के जीवन एवं उनके योगदान पर आधारित है। उन्होंने बताया कि नाटक के माध्यम से संघ की सौ वर्षों की यात्रा को सजीव रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। पेंडसे ने बताया कि दिल्ली में इसके पहले 15 एवं 18 अप्रैल को अलग-अलग स्थानों पर नाटक का मंचन किया गया। उन्होंने बताया कि आज शाम 6 बजे श्यामाप्रसाद मुखर्जी कॉलेज में नाटक का मंचन किया जाएगा। दिल्ली में इसके बाद 21 अप्रैल के अलावा 22, 24, 25, 26 एवं 28 अप्रैल को भिन्न-भिन्न स्थानों पर नाटक के मंचन की योजना है।

दिल्ली में कब और कहां होगा मंचन-

- 21 अप्रैल: शाम 6 बजे, अर्वाचीन इंटरनेशनल स्कूल, दिलशाद गार्डेन।
- 22 अप्रैल: शाम 4 बजे, एलटीडी ऑडिटोरियम, मंडी हाउस।
- 24 अप्रैल: शाम 6 बजे, द्वारका सेक्टर तीन।
- 25 अप्रैल: शाम 6 बजे, एआईसीटीई, नेल्सन मंडेला मार्ग, वसंतकुंज।
- 26 अप्रैल: सुबह 9 बजे, सत्यवती कालेज, अशोक विहार।
- 26 अप्रैल: शाम 5:30 बजे, कमला नेहरू कालेज।
- 28 अप्रैल: शाम 6 बजे, शहीद सुखदेव कालेज, सेक्टर-11, रोहिणी।

बेटियों की हार में लोकतंत्र की जीत कैसे हो सकती है : रेखा गुप्ता

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को महिला आरक्षण विधेयक और संविधान संशोधन विधेयक को लेकर लोकसभा में हुए घटनाक्रम पर कड़ा असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पिछले तीन दिनों में संसद में जो देखने को मिला, वह बेहद अफसोसजनक है और यह देश की महिलाओं के अधिकारों के साथ अन्याय है। आजादी के 78 वर्षों बाद भी देश की बेटियां अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने उन दलों पर निशाना साधा जो 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं' का नारा देते रहे, लेकिन अब महिलाओं की इस लड़ाई से पीछे हट गए और इसे लोकतंत्र की जीत बता रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि बेटियों की हार में लोकतंत्र की जीत कैसे हो सकती है? दीन दयाल उपाध्याय मार्ग स्थित दिल्ली भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक पिछले 30 वर्षों से बार-बार संसद में आता रहा है, लेकिन हर बार किसी न किसी बहाने से उसे रोका गया। कभी फाड़ा गया, कभी दबाया गया, कभी जलाया गया। इस बार भी विपक्ष ने जानबूझकर विभिन्न तर्क गढ़कर इसे पास नहीं होने दिया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि 2023 में पारित विधेयक में साफ तौर पर लिखा है कि महिलाओं के लिए आरक्षण डिलिमिटेशन (परिसीमन) के बाद लागू होगा। ऐसे में आज उसी प्रावधान को लेकर विरोध करना विरोधाभासी है। जब 2023 में यही शर्त स्वीकार की गई थी तो आज विरोध किस बात का है? विपक्ष द्वारा 543 सीटों के भीतर 33 प्रतिशत आरक्षण देने के तर्क पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि ऐसा किया जाए तो पहले यह स्पष्ट किया जाए कि कौन से पुरुष जनप्रतिनिधि अपनी सीट छोड़ने को तैयार हैं। केंद्र सरकार का प्रस्ताव एक 'विन-विन' समाधान था, जिसमें सीटों की संख्या बढ़ाकर महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जाता। साथ ही, किसी भी मौजूदा प्रतिनिधि का नुकसान नहीं होता, राज्यों और क्षेत्रीय दलों का प्रतिनिधित्व भी सुरक्षित रहता। उन्होंने कहा कि 1971 से लोकसभा की सीटें 543 पर स्थिर हैं, जबकि उस समय देश की जनसंख्या लगभग 50 करोड़ थी और आज यह 150 करोड़ के करीब पहुंच चुकी है। ऐसे में सीटों का पुनर्वितरण और वृद्धि समय की मांग है। यह सही अवसर है जब सीटें बढ़ाई जा सकती हैं और महिलाओं को उनका अधिकार दिया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने 'कोटे में कोटा' की मांग पर विपक्ष की आलोचना करते हुए कहा कि यह केवल बहानेबाजी है। उन्होंने तीखा तंज करते हुए कहा कि विपक्ष को केवल साधारण अधिकार नहीं, बल्कि हर चीज एक साथ चाहिए, जबकि बुनियादी अधिकार, यानी महिलाओं को संसद और विधानसभा तक पहुंचने का अवसर देने पर भी वे सहमत नहीं हैं। उन्होंने मुस्लिम महिलाओं के मुद्दे पर विपक्ष को घेरते हुए कहा कि जब ट्रिपल तलाक कानून लाया गया या शाहबानो मामले में न्यायालय का निर्णय आया, तब इन्हीं दलों ने उसका विरोध किया था। आज उनका यह रुख केवल दिखावा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने विपक्ष से यहां तक कहा कि इसका श्रेय आप ले लीजिए, लेकिन महिलाओं के हित में इस विधेयक को पारित कर दीजिए, फिर भी विपक्ष तैयार नहीं हुआ। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि यह पार्टी 'ऑल इंडिया एंटी रिफॉर्म कांग्रेस' बन चुकी है, जिसने हर बड़े सुधार जैसे सर्जिकल स्ट्राइक, डिजिटल पेमेंट, जीएसटी, आर्टिकल 370, ट्रिपल तलाक, यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी), सीएए और वन नेशन-वन इलेक्शन जैसे मुद्दों का विरोध किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए व्यापक कार्य हुए हैं। इनमें 10 करोड़ शौचालयों का निर्माण, उज्ज्वला गैस कनेक्शन, प्रधानमंत्री आवास योजना, पोषण और स्वास्थ्य योजनाएं, मातृत्व लाभ, सेना और वायुसेना में महिलाओं की भागीदारी जैसे कई कदम शामिल हैं। इसी कारण देश की महिलाओं का भरोसा लगातार उनके साथ बढ़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष के नेताओं को डर है कि सामान्य पृष्ठभूमि से आने वाली महिलाएं राजनीति में प्रवेश कर स्थापित नेताओं और परिवारों को चुनौती देंगी। उन्होंने विपक्षी पार्टियों पर परिवारवाद पर हमला करते हुए कहा कि कुछ दलों में एक ही परिवार की महिलाओं को आगे बढ़ाया जाता है, जिससे आम महिलाओं के लिए अवसर सीमित हो जाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों यानी जनगणना और डिलिमिटेशन की प्रक्रिया को देखते हुए 2029 तक इस विधेयक का पूर्ण क्रियान्वयन कठिन प्रतीत होता है। उन्होंने सवाल उठाया कि महिलाओं को उनके अधिकार के लिए और 5-10 वर्षों तक क्यों इंतजार करना पड़े? उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि देश की स्थानीय निकायों में लगभग 15 लाख महिला जनप्रतिनिधि हैं, लेकिन विधानसभा में उनकी संख्या लगभग 400 और लोकसभा में मात्र 78 है। अगर सब कुछ 'ऑटो मोड' पर होता तो महिलाएं स्वतः उच्च स्तर की राजनीति में पहुंच जातीं, लेकिन ऐसा नहीं हुआ और इसलिए नीतिगत हस्तक्षेप आवश्यक है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि लोहा जितना तपता है, उतना ही मजबूत होता है और सोना जितना आग में तपता है, उतना ही चमकता है। देश की बेटियां भी उसी तरह संघर्ष कर अपना स्थान बनाएंगी। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री देश की बेटियों के साथ हैं और उन्हें उनका अधिकार दिलाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दिल्ली भाजपा प्रवक्ता एवं विधायक शिखा रॉय द्वारा संयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में विधायक पूनम भारद्वाज, दिल्ली भाजपा उपाध्यक्ष योगिता सिंह, लता गुप्ता एवं सुनीता कांगड़ा, मंत्री सारिका जैन एवं सोना कुमारी, महिला मोर्चा अध्यक्ष ऋचा पांडेय, प्रभारी श्याम बाला और महामंत्री सरिता तोमर उपस्थित रही। सभी ने मुख्यमंत्री के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस के अंत में हाथ उठा कर नारी शक्ति वंदन अधिनियम एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समर्थन में नारे लगाए। प्रेस कॉन्फ्रेस में विधायक शिखा राय ने कहा कि भाजपा ने इस नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर अपनी सोच और नीयत उसी वक्त स्पष्ट कर दी थी जब रेखा को मुख्यमंत्री बनाया था। उन्होंने कहा कि ये सीढ़ी थी बाकी महिलाओं के लिए जो राजनीति में आना चाहती थी।

संगम विहार में गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी का भंडाफोड़, 68 भारत गैस सिलेंडर बरामद

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। राजधानी में एलपीजी सिलेंडरों की जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई करते हुए संगम विहार इलाके में अवैध गैस भंडारण और रिफिलिंग रैकेट का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने छापेमारी के दौरान 68 भारत गैस सिलेंडर बरामद किए हैं और इस मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त संजीव यादव ने रविवार को बताया कि क्राइम ब्रांच (मध्य रेंज) को संगम विहार इलाके में गैस सिलेंडरों की अवैध जमाखोरी और रिफिलिंग की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर एसीपी सतेंद्र मोहन की निगरानी में इंस्पेक्टर महिपाल सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। टीम ने जी-2 ब्लॉक, संगम विहार स्थित एक मकान पर छापा मारकर दीपक (37) और श्याम (45) को रंगे हाथों पकड़ लिया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने कुल 68 एलपीजी सिलेंडर बरामद किए, जिनमें 36 भरे हुए, 29 खाली और 3 टूटे सील वाले सिलेंडर शामिल हैं। इसके अलावा गैस रिफिलिंग में इस्तेमाल होने वाला मोटर, दो नोजल वाली पाइप और इलेक्ट्रॉनिक तराजू भी जब्त किए गए। जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपित अधिकृत भारत गैस एजेंसी के डिलीवरी मैन हैं और संगम विहार इलाके में गैस सप्लाई की जिम्मेदारी निभाते थे। आरोप है कि ये लोग एजेंसी से सिलेंडर लेने के बाद उन्हें ग्राहकों तक पहुंचाने के बजाय अपने घर के पास जमा कर लेते थे। पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपित भरे हुए सिलेंडरों से 1-2 किलो गैस निकालकर खाली सिलेंडरों में भरते थे और फिर इन्हें बाजार में अधिक कीमत पर बेचते थे। इस तरह वे कृत्रिम रूप से गैस की कमी पैदा कर मोटा मुनाफा कमा रहे थे। पुलिस ने दोनों आरोपितों के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की गतिविधियां न केवल कानून का उल्लंघन हैं, बल्कि आम लोगों की सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा हैं।

सीमा पार सब्सिडी पर डब्ल्यूटीओ निर्णय को लेकर नियमों में स्पष्टता जरूरी : विशेषज्ञ

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। इंडोनेशिया से आयातित स्टेनलेस स्टील उत्पादों पर यूरोपीय संघ द्वारा लगाए गए प्रतिकार शुल्क से जुड़े विवाद में विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के पैनल निर्णय के कानूनी और नीतिगत प्रभावों पर विचार के लिए आयोजित पैनल चर्चा में विशेषज्ञों ने कहा कि सीमा पार सब्सिडी के मामलों में मौजूदा अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों में स्पष्टता की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वित्तीय योगदान की सीमित परिभाषा और सार्वजनिक निकाय की स्थिति तय करने की जटिलताओं के कारण ऐसे मामलों में व्यावहारिक कठिनाइयां सामने आ रही हैं, जिससे भविष्य के व्यापार विवादों पर भी असर पड़ सकता है। ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट लॉ केंद्र, भारतीय विदेश व्यापार संस्थान ने साउथ एशियन इंटरनेशनल इकोनॉमिक लॉ नेटवर्क और इंडियन सोसायटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ के सहयोग से रविवार को यहां इंडियन सोसायटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ में इस पैनल चर्चा का आयोजन किया। कार्यक्रम में इंडियन सोसायटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) मनोज कुमार सिन्हा, ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट लॉ केंद्र के प्रमुख डॉ. जेम्स जे. नेडुम्पारा, प्रबंध साझेदार शरद भंसाली, अतिथि प्रोफेसर मुकेश भटनागर, पार्थसारथी झा, शोध फेलो आशुतोष कश्यप तथा डॉ. उत्कर्ष के. मिश्रा सहित कई विशेषज्ञ शामिल हुए। इंडियन सोसायटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) मनोज कुमार सिन्हा ने उद्घाटन वक्तव्य में कहा कि वैश्विक आर्थिक सहयोग और बदलती औद्योगिक नीतियों के कारण अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमन लगातार जटिल होता जा रहा है। पैनल चर्चा की अध्यक्षता करते हुए ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट लॉ केंद्र के प्रमुख डॉ. जेम्स जे नेडुम्पारा ने कहा कि सब्सिडी और प्रतिकार उपाय समझौते के तहत "वित्तीय योगदान" की परिभाषा सीमित है, जिससे सीमा पार सब्सिडी के मामलों में व्याख्या से जुड़ी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। प्रबंध साझेदार शरद भंसाली ने कहा कि विदेशी संस्थाओं, विशेषकर राज्य से जुड़े निकायों द्वारा दी गई वित्तीय सहायता को संबंधित सरकार से जोड़कर देखना कई कानूनी प्रश्न खड़े करता है। प्रोफेसर मुकेश भटनागर ने कहा कि सार्वजनिक निकाय की स्थिति निर्धारित करने के लिए संबंधित संस्था की प्रकृति और सरकार से उसके संबंधों का गहन मूल्यांकन आवश्यक है। पार्थसारथी झा ने कहा कि सीमा पार सब्सिडी के मामलों में अंतरराष्ट्रीय व्यापार कानून और औद्योगिक नीतियों के बीच संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। शोध फेलो आशुतोष कश्यप ने कहा कि सीमा पार सरकारी सहायता के बढ़ते स्वरूप से विश्व व्यापार संगठन के मौजूदा ढांचे पर दबाव बढ़ रहा है। डॉ. उत्कर्ष के. मिश्रा ने समापन टिप्पणी करते हुए कहा कि इस निर्णय के प्रभाव भविष्य के व्यापार विवादों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों के साथ संवादात्मक सत्र भी आयोजित किया गया।

संक्षिप्त समाचार

बीजेपी जन कल्याण मंच अमरोहा के जिला अध्यक्ष भीष्म सिंह खड़कवंशी ने महिला आरक्षण पर रखी अपनी राय

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, अमरोहा /हसनपुरः रविवार को बीजेपी जन कल्याण मंच अमरोहा के जिला अध्यक्ष भीष्म खड़कवंशी ने महिला आरक्षण बिल तथा उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के कार्य को लेकर एक पत्रकार वार्ता में अपनी वेबाक राय रखते हुए कहा की विपक्ष द्वारा महिला आरक्षण बिल को समर्थन न देना यह विपक्ष के लिए भारी पड़ेगा उन्होंने कहा कि देश की आधी आबादी हमारी महिलाएं हैं और विपक्ष ने इनका मान घटाकर अच्छा नहीं किया हमारी माता बहने इन्हें विपक्षियों को सबक सिखाएंगे, वहीं उत्तर प्रदेश सरकार के कार्य को लेकर भी उन्होंने योगी सरकार की जमकर प्रशंसा की साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व का जो फैसला होगा वह मान्य होगा तथा उसी को चुनाव लड़ाया जाएगा ।

बीजेपी जन कल्याण मंच द्वारा मनाई गई भगवान परशुराम जयंती

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुरः रविवार को नगर में भगवान परशुराम जयंती के अवसर पर बीजेपी जन कल्याण मंच अमरोहा के जिला अध्यक्ष भीष्म सिंह खड़कवंशी ने अपने कैंप कार्यालय पर भगवान परशुराम जी का जन्म उत्सव मनाते हुए उनके चित्र के सम्मुख पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया, वही उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम भगवान विष्णु की छठे अवतार थे तथा उन्होंने ब्राह्मण कुल में जन्म लिया था, वह ब्राह्मण होते हुए भी क्षत्रिय स्वभाव के थे अतः हमें भगवान परशुराम जी के जीवन चरित्र को अपने जीवन में उतरना चाहिए, वही इस मौके पर उपस्थित बीजेपी जन कल्याण मंच के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने भी भगवान परशुराम के चित्र के सम्मुख पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया, वहीं कार्यकर्ताओं ने मिठाई भी बाटी, इस मौके पर भारी संख्या में बीजेपी जन कल्याण मंच के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे ।

द्रौपदी के चीरहरण जैसे दृश्य की याद दिलाता है विपक्ष का आचरणः सीएम योगी

लोकतंत्र की शान : लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम संशोधन विधेयक पारित नहीं होने देने पर विपक्ष पर कड़ा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन द्वारा किया गया यह कृत्य न केवल नारी सम्मान के खिलाफ है, बल्कि "अक्षम्य पाप" है, जिसके लिए देश की नारी शक्ति उन्हें कभी माफ नहीं करेगी। विधेयक गिरने के बाद विपक्षी दलों द्वारा जिस प्रकार जश्न मनाया गया और गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणियां की गईं, उसने भारतीय इतिहास के उस पीड़ादायक प्रसंग की याद दिला दी, जब भरी सभा में द्रौपदी का चीरहरण हुआ था। सीएम ने इसे लोकतंत्र और महिला सम्मान, दोनों के लिए दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि यह आचरण विपक्ष की नारी-विरोधी मानसिकता को उजागर करता है। लखनऊ स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में रविवार को आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने 2014 में सत्ता संभालने पर एक बात बहुत स्पष्ट रूप से कही थी कि देश के अंदर चार ही जातियां हैं- गरीब, युवा, किसान व नारी। भारत को कमजोर करने की नीयत से जिन लोगों ने जातिवाद के नाम पर अपने परिवार का भरण-पोषण किया और देश को लूटा, स्वाभाविक रूप से उनके लिए यह एक बड़ी चुनौती थी और चेतावनी भी। इसीलिए जब भी प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में कोई प्रगतिशील कदम उठाया गया, कांग्रेस व उसके सहयोगी दलों ने हमेशा उस प्रगतिशील सोच और देशहित में उठाए जाने वाले कदमों का विरोध किया है।

अग्रवाल सभा की मासिक बैठक में विभिन्न बिंदुओं पर हुआ विचार विमर्श

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुर : शनिवार की देर रात नगर की समाजसेवी संस्था अग्रवाल सभा हसनपुर संबद्ध अग्रोहा विकास ट्रस्ट हरियाणा, की एक मासिक बैठक नगर के प्रतिष्ठित रेस्टोरेंट रेस्टो रामायण में आयोजित की गई, बैठक की अध्यक्षता अग्रवाल सभा के अध्यक्ष उमेश अग्रवाल द्वारा की गई तथा संचालन महामंत्री मुकेश गोयल ने किया, बैठक में अग्रवाल सभा के रजिस्ट्रेशन संबंधी विचार विमर्श हुआ वही सभा में अग्रोहा धाम को बस कैंसिल होने के बाद दोबारा से बस ले जाने की बात सामने आई, वही बैठक में आगामी कार्यक्रमों को लेकर चर्चा हुई, इस मौके पर मुख्य रूप से डॉक्टर शिवचरण दास अग्रवाल, पराग अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, मयंक अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, सागर अग्रवाल, मधुर अग्रवाल, शिखर अग्रवाल, पोरूस अग्रवाल, अनुपम अग्रवाल, अमित अग्रवाल, प्रशांत अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, प्रिंस अग्रवाल आदि सहित दर्जनों कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी गण मौजूद रहे ।

मकान से आभूषण चोरी करने वाली अभियुक्ता गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : बांदा। थाना कोतवाली नगर पुलिस द्वारा मकान से आभूषण आदि चोरी करने वाली अभियुक्ता को पुलिस ने किया गया गिरफ्तार, साथ ही घटना में शामिल बाल अपचारी को भी संरक्षण में लिया गया । उनके कब्जे से चोरी के आभूषण आदि बरामद किए गए। थाना कोतवाली नगर पुलिस द्वारा मकान से आभूषण आदि चोरी करने वाली अभियुक्ता को गिरफ्तार कर लिया गया है साथ ही घटना में शामिल बाल अपचारी को भी नियमानुसार संरक्षण में लिया गया । गौरतलब हो कि थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के काशीराम कालोनी की रहने वाली सुनिता ने थाना कोतवाली नगर में सूचना दी कि दिनांक 17.04.2026 को जब वह अपने मकान की कुंडी लगाकर पास की दुकान में सामान लेने गई थी जब वापस आई तो उनके कमरे से बैग व उसमें रखे आभूषण आदि चोरी हो गए है ।

सर्वसमाज की एक ही आवाज है सबके सहयोगी हैं अंजनी कुमार पांडे

लोकतंत्र की शान, स्टेट ब्यूरो अवनीत कुमार शर्मा

लखनऊ : लखनऊ राजधानी संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल, लखनऊ राजाजीपुरम द्वारा सर्व समाज के व्यापारियों की श्रद्धा के साथ भगवान परशुराम जयंती एवं अक्षय तृतीया का कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में सभी धार्मिक ग्रंथों के अनुसार जब-जब पृथ्वी पर अधर्म बढ़ता है, तब- तब भगवान विष्णु विभिन्न अवतारों में अवतरित होकर धर्म की स्थापना और अधर्म का विनाश करते हैं। भगवान परशुराम इसी परंपरा के महान प्रतीक हैं। इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंजनी कुमार पांडे ने अपने संबोधन में बधाई देते हुए कहा कि "मानवता और सर्व समाज ही सबसे बड़ा धर्म है। जब तक समाज के सभी वर्ग एकजुट नहीं होंगे, तब तक किसी भी व्यक्ति का जीवन पूर्ण नहीं हो सकता।" प्रदेश प्रभारी श्री प्रवीण मणि त्रिपाठी ने भगवान परशुराम जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि "जहां सर्व समाज एक साथ खड़ा होता है, वहीं सच्चे अर्थों में मानवता का धर्म स्थापित होता है।" कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष गौरव द्विवेदी, लखनऊ जिला मीडिया प्रभारी अनुपम सिंह भदौरिया, जिला महासचिव अनुपम सिंह, जिला सचिव अवधेश गुप्ता, सरोजिनी नगर विधानसभा अध्यक्ष प्रदीप शुक्ला राजाजीपुरम संरक्षक वीरेंद्र शुक्ला, अध्यक्ष रवि दुबे, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कर्मवीर सिंह, सुनील गुप्ता, महासचिव सनत कुमार शुक्ला, कोषाध्यक्ष, अयोध्या रोड अध्यक्ष रतन दास, ट्रांसपोर्ट नगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, आशियाना अध्यक्ष रामशंकर दूबे, शत्रुघ्न प्रसाद, सैयद जाहिर चिश्ती, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष नमन बाजपेई विवेक त्रिपाठी, बैजनाथ दुबे, विपिन सिंह, दिलीप मिश्रा, हरिओम अवस्थी, योगेश शुक्ला, गुलाब यादव, अर्पित गोयल, शहाबुद्दीन,आकाश सिंगारी, अनिल मोतियानी बाल बिहारी मिश्रा अंगद सिंह मोइन कुरैशी एवं व्यापारी एवं पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन आपसी सद्भाव, एकता एवं समाज सेवा के संकल्प के साथ हुआ।

ब्राह्मण समाज द्वारा धूमधाम से मनाई गई भगवान परशुराम जी की जयंती

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः रविवार को नगर के झारखंड महादेव शिवाला मंदिर के निकट स्थित पंडित बृजलाल पुरोहित ब्राह्मण धर्मशाला के सत्संग भवन में भगवान परशुराम जी का जन्म उत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया, अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के तत्वाधान में सभी कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसकी अध्यक्षता पंडित विनय कुमार शर्मा ने की कार्यक्रम का शुभारंभ धार्मिक रीति रिवाज और मंत्र उच्चारण के साथ हुआ पंडित श्री कृष्ण शास्त्री एवं पंडित महेश चंद्र शास्त्री द्वारा विधि विधान से हवन पूजन करा के संपूर्ण कराया गया, वहीं यजमानों और उपस्थित लोगों ने हवन कुंड में आहुतियां देकर विश्व कल्याण और समाज में सुख समृद्धि की कामना की, इस दौरान भगवान परशुराम के आदर्शों पर चलने और उनके बताएं मार्ग का अनुसरण करने का संकल्प लिया गया, कार्यक्रम में वक्ताओं ने भगवान परशुराम के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जीवन अन्याय के खिलाफ, धर्म की स्थापना का प्रतीक है इस मौके पर मुख्य रूप से विशाल शर्मा, विवेक शर्मा, सुंदरलाल शर्मा, सुनील कुमार शर्मा एडवोकेट, अश्वनी शर्मा, देवेंद्र शर्मा, महेश चंद्र शर्मा, सुरेश चंद्र शर्मा, प्रवेश शर्मा, मंगल सेन शर्मा, ललित शर्मा, कपिल शर्मा, मोहित शर्मा, रोहित शर्मा, हर्षित शर्मा आदि सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे ।

रामपुर में भगवान परशुराम जयंती पर ब्राह्मण परिवार ने निकाली बाइक रैली, पुष्प वर्षा कर किया स्वागत

लोक तंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर। भगवान परशुराम जयंती के अवसर पर रामपुर में ब्राह्मण परिवार की ओर से भव्य बाइक रैली का आयोजन किया गया। इस मौके पर शहर में धार्मिक उत्साह और श्रद्धा का माहौल देखने को मिला। रैली के दौरान भगवान परशुराम की प्रतिमा को माला पहनाकर विधिवत पूजन किया गया और आशीर्वाद लिया गया। कार्यक्रम में ड्रीम गर्ल्स ब्यूटी पार्लर एवं चिराग इंटरनेशनल की संस्थापक सरिता बिश्नोई, निशु शर्मा, कनक, खुशी, रंजीनी एवं प्रियांशी की ओर से बाइक रैली में शामिल सभी लोगों का सम्मान किया गया। आयोजकों ने रैली में शामिल श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा कर उनका उत्साहवर्धन किया। बाइक रैली शहर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी, जहां लोगों ने जगह-जगह स्वागत कर जयकारे लगाए। आयोजन में बड़ी संख्या में युवाओं और समाज के लोगों ने भाग लिया। आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन समाज में एकता, संस्कृति और परंपरा को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम शांतिपूर्ण और अनुशासित ढंग से संपन्न हुआ।

अक्षय तृतीया पर भगवान परशुराम जयंती मनाई गई

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः रविवार को अक्षय तृतीया में श्रीहरि विष्णु के छठे अवतार भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव गांव कूबी व जलालपुर घना में हवन पूजन व पुष्प अर्पित कर जन्मोत्सव मनाया गया,महान ब्राह्मण योद्धा और तपस्वी ऋषि थे उन्होंने अधर्म और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष किया। उनका जीवन धर्म, पराक्रम और न्याय की प्रेरणा देता है। उनकी जयंती का दिन केवल उत्सव मनाने का नहीं, बल्कि उनके आदर्शों और जीवन से प्रेरणा लेने का अवसर भी है।भगवान परशुराम जी ने हमें सिखाया कि जीवन में धर्म, साहस और न्याय का मार्ग सबसे श्रेष्ठ है। उन्होंने अन्याय और अधर्म के विरुद्ध संघर्ष करते हुए समाज को यह संदेश दिया कि जब भी सत्य पर संकट आए, तब निडर होकर उसका सामना करना चाहिए। उनका जीवन हमें यह भी सिखाता है कि ज्ञान और शक्ति का संतुलन अत्यंत आवश्यक है। केवल बल ही नहीं, बल्कि संयम, विनम्रता और सेवा भाव भी उतना ही महत्वपूर्ण है। आज के समय में हमें उनके आदर्शों को अपनाते हुए अपने जीवन में सत्यनिष्ठा, कर्तव्यपरायणता और समाज सेवा को स्थान देना चाहिए। यदि हम अपने छोटे-छोटे कार्यों में भी ईमानदारी और समर्पण लाएं, तो समाज और राष्ट्र दोनों मजबूत बनेंगे। आइए, इस पावन अवसर पर हम सभी संकल्प लें कि हम भगवान परशुराम जी के बताए मार्ग पर चलकर एक सशक्त, संस्कारित और समृद्ध समाज के निर्माण में अपना योगदान देंगे, इस अवसर पर जिला अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश शर्मा पूर्व जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार शर्मा, अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा राष्ट्रीय अध्यक्ष माधव मिश्रा,महा सचिव महेश चन्द्र शर्मा, धनंजय शर्मा, गिरिराज शर्मा, विजय कुमार शर्मा, रमेश चंद्र शर्मा,राकेश शर्मा, अतुल शर्मा, विजय कुमार कौशिक,संजय शर्मा, दिनेश शर्मा, जगमोहन शर्मा, वेदप्रकाश शर्मा आदि ब्राह्मण बन्धु मौजूद रहे ।

रामपुर में ब्राह्मण समाज ने निकाली भव्य बाइक रैली, शहरभर में दिखा उत्साह

लोक तंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर। अक्षय तृतीया एवं भगवान श्री परशुराम जयंती के पावन अवसर पर ब्राह्मण समाज द्वारा रविवार को एक भव्य बाइक रैली का आयोजन किया गया। यह बाइक रैली ब्राह्मण समाज के महामंत्री राजीव शर्मा के नेतृत्व एवं निर्देशन में निकाली गई, सर्वप्रथम भगवान परशुराम जी के फोटो पर माला पुष्प वर्षा की गई मित्रों के साथ भगवान परशुराम जी का पूजा अर्चना की और भगवान परशुराम की आरती का गुणगान किया गया।जिसमें बड़ी संख्या में समाज के युवाओं एवं वरिष्ठजनों ने भाग लिया। बाइक रैली का शुभारंभ आदर्श रामलीला ग्राउंड से किया गया। इसके बाद रैली रामपुर शहर के मुख्य मार्गों से गुजरते हुए लोगों को भगवान श्री परशुराम जयंती का संदेश देती रही। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने "जय श्री परशुराम" के जयकारे लगाए और समाज में एकता व जागरूकता का संदेश दिया। रैली शहर के विभिन्न इलाकों से होते हुए पुरानी आवाज विकास पर जाकर संपन्न हुई। आयोजन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था भी बनी रही और रैली शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। इस मौके पर आयोजकों ने कहा कि भगवान श्री परशुराम का जीवन समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत है और उनके आदर्शों पर चलकर समाज को मजबूत बनाया जा सकता है। रैली में शामिल लोगों ने एक-दूसरे को परशुराम जयंती एवं अक्षय तृतीया की शुभकामनाएं भी दीं। इस रैली को युवा ब्राह्मणों द्वारा आयोजित किया गया रैली का स्वागत पुष्प बरसाय गए चिराग इंटरनेशनल की संस्थापक सरिता बिश्नोई रिशु शर्मा कनक प्रियांशी खुशी रजनी ने इन सभी ने हर फोर्स माला से प्रेम भाव के साथ ब्राह्मण परिवार बाइक रैली का स्वागत किया। जिसमें अनुभव वशिष्ठ, पराग मणि वशिष्ठ , दीपक शर्मा, अमन वशिष्ठ, प्रतीक शर्मा ,अभिषेक शर्मा, अरविंद शर्मा, राहुल शर्मा का विशेष योगदान रहा। जिले के ब्राह्मण समाज में प्रतिष्ठित पंडित संजय शर्मा, दिनेश शर्मा, पंडित रामलखन शास्त्री, पंडित रमेश पाठक, डॉक्टर वी वी शर्मा, पंडित राम बाबू शर्मा, गोविंद शर्मा, अभिषेक शर्मा, सौरभ पाठक, वीना भारद्वाज, उपेन्द्र पांडे, सुरेंद्र शर्मा आदि उपस्थित रहकर रैली को सफल बनाने में सहयोग किया।

थाना शहजादनगरः- धार्मिक स्थल पर तोड़ फोड़ करने के अभियोग में वांछित अभियुक्त एवं अभियुक्ता गिरफ्तार

लोक तंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर। वादी की लिखित तहरीर के आधार पर अभियुक्तों द्वारा ग्राम दबका मे धार्मिक स्थल पर तोड़ फोड़ करना एवं मस्जिद के मौलवी से मारपीट व अभद्र भाषा का प्रयोग करने के सम्बन्ध में थाना शहजादनगर पर मु0अ0सं0-68/26, धारा-298/115(2)/351(3)/ 352/ 324(4) बी.एन.एस बनाम 1.अजीम पुत्र इकराम निवासी बजरिया कद्दू, ऊची चौपाल थान गंज जनपद रामपुर एवं एक नफर अभियुक्ता पंजीकृत किया गया था । विवेचना के क्रम में आज दिनांक 19.04.2026 को थाना शहजादनगर पुलिस द्वारा मुकदमा उपरोक्त में वांछित अभियुक्त अजीम एवं अभियुक्ता को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी ।

गिरफ्तार करने वाली टीमः- . म0उ0नि0 ज्योति उ0नि0 हेमराज सिंहहे0का0 सचिन तोमर का0 अनुज कुमार . म0हे0का0 अंजलीम0हे0का0 विनिता पोरस

सदियों के आक्रमणों के बावजूद आज भी अडिग है सनातन आस्थाः सीएम योगी

लोक तंत्र की शान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत लखनऊ में आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा उत्तर प्रदेश का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपनी गौरवशाली सनातन विरासत और आधुनिक विकास के नए युग में एक साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सदियों के आक्रमणों के बावजूद सनातन आस्था अडिग रही और आज "यतो धर्मस्ततो जयः" के भाव के साथ पुनः अपने स्वाभिमान के शिखर पर स्थापित हो रही है। मुख्यमंत्री ने सोमनाथ मंदिर के ऐतिहासिक पुनरुत्थान का उल्लेख करते हुए सरदार वल्लभभाई पटेल और राजेंद्र प्रसाद के योगदान को याद किया और कहा कि आज वही सांस्कृतिक पुनर्जागरण का अभियान नई ऊंचाइयों पर पहुंच चुका है। इस अवसर पर उन्होंने सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा को रवाना करते हुए इसे भारत की आस्था, एकता और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक बताया।

इंडियन गैस एजेंसी को एक और स्थान देने की मांग की खुर्शीद मंसूरी

» **नजीबाबाद क्षेत्र में इंडेन गैस वितरण व्यवस्था पर सवाल, 38 हजार कनेक्शन पर एक ही एजेंसी से बढ़ी परेशानी**

लोक तंत्र की शान, खिज़्र अहमद

नजीबाबाद (बिजनौर): नजीबाबाद क्षेत्र में इंडेन गैस उपभोक्ताओं को लंबे समय से हो रही समस्याओं को लेकर अब आवाज तेज हो गई है। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के पदाधिकारियों द्वारा उपजिलाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपकर गैस वितरण व्यवस्था में सुधार और नई एजेंसी खोलने की मांग की गई। ज्ञापन में बताया गया कि वर्तमान में एक ही गैस एजेंसी पर करीब 38,000 से अधिक उपभोक्ता जुड़े हुए हैं, जिसके कारण समय पर सिलेंडर उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। उपभोक्ताओं को कई दिनों तक एजेंसी और गोदाम के चक्कर काटने पड़ते हैं, जिससे आम जनता में भारी रोष व्याप्त है। समय पर होम डिलीवरी नहीं हो रही उपभोक्ताओं को लंबी लाइनों में लगना पड़ रहा बैठने, पीने के पानी और छांव की व्यवस्था नहीं महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगों को अधिक परेशानी ब्लैक मार्केटिंग और फर्जी वितरण की शिकायतें क्षेत्र में गैस की सप्लाई बढ़ाई जाए 100% होम डिलीवरी सुनिश्चित की जाए नई गैस एजेंसी खोली जाए एक एजेंसी पर अधिकतम 10,000 कनेक्शन का कोटा तय किया जाए टोकन सिस्टम लागू किया जाए एक व्यक्ति को एक ही सिलेंडर दिया जाए वितरण में OTP सिस्टम लागू हो CCTV कैमरे और शिकायत रजिस्टर की व्यवस्था हो ब्लैक मार्केटिंग पर सख्त कार्रवाई की जाए ज्ञापन में कहा गया कि गैस जैसी मूलभूत आवश्यकता की समय पर उपलब्धता न होने से गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की गई है, ताकि उपभोक्ताओं को राहत मिल सके।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली में सदर अस्पताल के पीछे जुआ अड्डे पर छापा

लोकतंत्र की शान, हाजीपुर। वैशाली जिले के नगर थाना क्षेत्र स्थित सदर अस्पताल के पीछे एक बड़े जुआ अड्डे पर पुलिस ने छापा मारा है। इस कार्रवाई में 19 लोगों को मौके से गिरफ्तार किया गया। यह अड्डा थाने से कुछ ही दूरी पर संचालित हो रहा था, जिसकी स्थानीय पुलिस को भनक तक नहीं लगी थी। वैशाली एसपी विक्रमशिला के निर्देश पर एक टीम गठित की गई, जिसने छापेमारी की। बताया गया है कि लगभग एक दर्जन से अधिक जुआरी मौके से फरार होने में सफल रहे। पुलिस फरार आरोपियों की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है। पुलिस के अनुसार, यह जुआ ऑनलाइन ऐप के माध्यम से संचालित किया जा रहा था। मौके से 40 हजार रुपये से अधिक नकद, कैलकुलेटर, वाउचर, मोबाइल फोन, मोटरसाइकिलें और ताश के पैकेट बरामद किए गए हैं। पुलिस ने जुआ अड्डे के मुख्य संचालक (मास्टरमाइंड) को भी गिरफ्तार कर लिया है। इसके अतिरिक्त, पुलिस जमीन मालिक के बारे में भी जांच-पड़ताल कर रही है और पूरे जुआ संचालक गिरोह को पकड़ने का प्रयास कर रही है। सदर वन डीएसपी सुबोध कुमार ने मीडिया को बताया कि यह जुआ अड्डा अवैध तरीके से चलाया जा रहा था। गिरफ्तार किए गए 19 लोगों में दीनानाथ चौधरी, श्याम बाबू सिंह, गौतम कुमार, सौरभ कुमार, मिलन कुमार, गणेश साह, सुनील कुमार, गौरी शंकर, राजेंद्र राम, अनिल कुमार वर्मा, विजय राम, मोहम्मद मंसूर, पप्पू साह, सुभाष कुमार, गणेश महतो, राजेश कुमार, बिरजू कुमार, लाल बाबू पासवान और बिट्टू कुमार शामिल हैं। गहन पूछताछ के बाद सभी को जेल भेज दिया गया है।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत

लोकतंत्र की शान, हाजीपुर। वैशाली में ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत हो गई। इस हादसे में महिला का भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना सराय थाना क्षेत्र में स्कूल रोड पर हुई। पुलिस ने घायलों को सदर अस्पताल हाजीपुर पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। मृतक महिला की पहचान सराय थाना क्षेत्र के नरेंद्र प्रबोधी गांव निवासी बिलटन रजक की पत्नी बेबी देवी के रूप में हुई है। घायल युवक की पहचान भिखारी रजक का बेटा नीतीश के रूप में हुई है। बेबी देवी अपने भतीजे के साथ बाइक से सराय बाजार की ओर जा रही थीं। तभी पीछे से आ रहे एक ट्रैक्टर ने ओवरटेक करने के प्रयास में उनकी बाइक को टक्कर मार दी। सूचना मिलते ही सराय थानाध्यक्ष दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने गंभीर रूप से घायल महिला और उसके भतीजे को तुरंत सदर अस्पताल हाजीपुर पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने बेबी देवी को मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि स्कूल रोड पर अक्सर यातायात जाम रहता है, जिसके कारण इस मार्ग पर अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं।

असम की गर्लफ्रेंड को वैशाली में छोड़कर भागा प्रेमी

लोकतंत्र की शान, हाजीपुर। वैशाली में शनिवार को प्रेमी की शादी रुकवाने के लिए असम की एक लड़की बिहार पहुंची। उसने आरोप लगाया कि उसका बॉयफ्रेंड शादी का झांसा देकर एक साल तक उसके साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रहा। जब उसने शादी की बात की, तो वह उसे अपने साथ बिहार लेकर आया, लेकिन घर पहुंचने से पहले ही उसने उसका सारा सामान छीन लिया और उसे छोड़कर फरार हो गया। पीड़िता ने किश्त पर फोन खरीदा और प्रेमी को कॉल किया, तो उसने कहा कि वह दूसरी लड़की से शादी कर रहा है, आज तिलक है और फोन काट दिया। वहीं, जब युवती ने उसके भाई से संपर्क किया, तो उसने जान से मारने की धमकी दी। तीन दिन तक भटकने के बाद शनिवार को स्थानीय थाने ने युवती की मदद की। युवक को थाने में बुलाकर दोनों के बीच समझौता कराया गया। इसके बाद युवक ने अपने परिजनों के सामने युवती की मांग में सिंदूर भरकर उससे शादी कर ली। असम के डिब्रूगढ़ की रहने वाली मीरा तांती ने बताया, 'मैं कोयंबटूर में एक निजी कंपनी में काम करती थी। इसी कंपनी में वैशाली के चांदपुरा ओपी निवासी धीरज कुमार भी काम करता था। यहीं हमदोनों की मुलाकात हुई और एक दूसरे से प्यार हो गया।" मीरा के अनुसार, धीरज ने उससे शादी का वादा किया और कई बार शारीरिक संबंध बनाए। युवती ने बताया, जब मैंने धीरज से शादी की बात कही, तो उसने मुझे बिहार चलने के लिए कहा। शादी की उम्मीद में मैं भी उसके साथ बिहार आने के लिए तैयार हो गई। हम दोनों गुरुवार को ट्रेन से पटना स्टेशन पहुंचे। इसके बाद जदुआ पुल के पास धीरज ने मेरा पर्स और मोबाइल फोन छीन लिया। पर्स में 15,000 रुपए कैश, एक सोने की चेन और एक अंगूठी थी, जिनकी कुल कीमत लगभग 1.60 लाख रुपए थी। धीरज मुझे ऑटो में छोड़कर फरार हो गया। गुरुवार को मैं पूरे दिन भटकती रही और मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या करूं। एक दिन बाद शुक्रवार को मैंने किश्त पर मोबाइल और सिम कार्ड खरीदा और धीरज से संपर्क किया। इस दौरान धीरज ने बताया कि वह किसी दूसरी लड़की से शादी कर रहा है और फोन काट दिया।"

'यादवों के मोहल्ले में चिराग पासवान का गाना नहीं बजेगा'

लोकतंत्र की शान, हाजीपुर। वैशाली में तेजस्वी यादव और चिराग पासवान का गाना बजाने को लेकर दो गुटो में जमकर मारपीट हुई। नौबत यहां तक आ गई कि एक पक्ष की तरफ से पत्थरबाजी की गई। पथराव में दूसरे पक्ष के कई लोग घायल हो गए। घायलों का कहना है कि, हमलोग पासवान हैं। हमारे समाज में एक लड़के की शादी थी। हमलोग डीजे पर 'तोर मजनुआ हकौ चिराग भईया के फैन गे पगली' गाना बजा रहे थे। जैसे ही बारात यादवों के मोहल्ले में पहुंची। वहां के लोगों ने गाना बंद करने को कहा। बात बढ़ी तो मारपीट शुरू हो गई। पूरा मामला बिदुपुर थाना क्षेत्र के कथौलिया बांध का है। पासवान मोहल्ले की रहने वाली बुधनी देवी ने बताया कि, मेरे बेटे पिंटू कुमार की बारात समस्तीपुर निकलने के लिए तैयार थी। परिजन 'बिलौकी' की रस्म' कर रहे थे। इस दौरान DJ ने 'तोर मजनुआ हकौ चिराग भईया के फैन गे पगली' गाना बजाया, जिस पर यादव समुदाय के लोगों ने आपत्ति व्यक्त की। बुधन देवी के मुताबिक, उनलोगों का कहना था कि यादव टोला में पासवान का गाना नहीं बजेगा। उनलोगों ने बारात को आगे बढ़ने से रोक दिया गया। इसके बाद यादव और पासवान समुदाय के बीच बहस शुरू हो गई, जो थोड़ी ही देर में हिंसक झड़प में बदल गया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर पथराव करना शुरू कर दिया। जिस पर महौल और बिगड़ता चला गया। दूल्हे की मां बुधनी देवी ने बताया कि 'मारपीट के दौरान मेरे बाल को पकड़कर जमीन पर पटक दिया गया। मेरे गहने छीन लिए गए। गहना छीन लिया। उन्होंने बताया कि मेरे बेटे का बारात यादव लोगों ने रोक दिया था। पुलिस के आने के बाद सभी गाड़ियों को वहां से निकाला गया। स्थानीय नरेश पासवान ने बताया कि गांव से बारात निकल रही थी, तभी बारात में चिराग पासवान के गाना बजाने पर यादव लोग ईंट पत्थर चलाने लगे। उन्होंने बताया कि जब लालू यादव का गाना बजता है, तो उसे छोड़ देते हैं। वहीं जब चिराग पासवान का गाना हमलोग बजाते हैं तो वह लोग लाठी-डंडे, ईंट -पत्थर फेंकना शुरू कर देते है। इस संबंध में सदर एसडीपीओ1 सुबोध कुमार ने बताया कि दो पक्षों में पत्थरबाजी होने की सूचना प्राप्त हुई थी। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने मामला शांत करवाया। घटना के बाद दहशत के कारण बरात नहीं निकल रही थी। पुलिस की मदद से बारातियों की गाड़ी को समस्तीपुर के लिए निकलवाया गया। अभी तक किसी पक्ष के द्वारा आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, दोनों पक्षों की तरफ से 5 लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

पटना-गन पॉइंट पर अलंकार ज्वेलर्स में 20 लाख की लूट

लोकतंत्र की शान, पटना

♦ **बाइक से पहुंचे 5 अपराधी, हथियार दिखाकर दुकानदार-ग्राहक को बनाया बंधक, फायरिंग कर भागे**

पटना के फुलवारी शरीफ स्थित अलंकार ज्वेलर्स में रविवार दोपहर करीब 20 लाख रुपए की लूट हो गई। बताया जा रहा है कि बाइक सवार 5 बदमाश श्रीलक्ष्मी अलंकार ज्वेलर्स की दुकान पर पहुंचे थे। सभी अपराधी हेलमेट पहने हुए थे। अपराधियों ने हथियार के बल पर दुकान मालिक और ग्राहकों को बंधक बना लिया। विरोध करने पर दुकान मालिक के साथ मारपीट भी की। इसके बाद बदमाश 5 से 6 मिनट के भीतर लूटपाट कर फरार हो गए।

चश्मदीदों के मुताबिक, भागने से पहले अपराधियों ने 2-3 राउंड फायरिंग भी की। घटना की सूचना मिलने के बाद रामकृष्ण नगर थाने की पुलिस और सदर पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी रंजन कुमार मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घायल दुकानदार का बयान दर्ज किया है और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। एसटीएफ की टीम भी मौके पर पहुंच गई है। यह घटना रामकृष्ण नगर थाना क्षेत्र के धनजी कॉलोनी की है।

बदमाशों ने 3 किलो चांदी के गहनें ले गए: पीड़ित दुकानदार धनजय कुमार बताया कि मैं दुकान में था और 3 ग्राहक खरीदारी करने पहुंचे थे। इसी दौरान 2 बाइक से 5 बदमाश आए। 2 बाहर ही खड़े थे। तीन अंदर आए। दुकान में घुसते ही हथियार निकाल लिया और हमलोगों को बंधकर बनाकर एक कोने में बैठा दिया। विरोध करने पर पिस्टल के बट से मेरे सिर पर वार भी किया है। मेरे सिर से खून निकलने लगा। अपराधियों ने कीमती ज्वेलरी लूटे हैं। इसमें 100 ग्राम सोने की ज्वेलरी और 3 किलो चांदी के गहनें शामिल हैं। इसकी कीमत करीब 20 लाख रुपए से अधिक है। वारदात के बाद सभी अपराधी हथियार लहराते हुए मौके से फरार हो गए।

फायरिंग करके भागे बदमाश: ज्वेलरी शॉप के बगल वाली दुकान के मालिक राजीव ने कहा कि मैंने देखा अपराधी बाइक से आए। 3 अपराधी दुकान के अंदर गए। दुकानदार धनजय के साथ मारपीट की। करीब 3 मिनट में वारदात को अंजाम दिया है। भागने के समय एक राउंड फायरिंग भी की है।

24 घंटे में मामले का खुलासा होगा: नगर पुलिस अधीक्षक पूर्वी परिचय कुमार ने कहा कि पांच अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया है। सीसीटीवी में दिख रहा है कि 2 अपराधी बाहर थे और 3 दुकान के अंदर गए थे। पीड़ित दुकानदार बता रहे हैं 15 से 20 लाख के गहनें लूटे गए हैं। हमारी टीम जांच में जुट गई है, 24 घंटे के अंदर खुलासा कर दिया जाएगा।

सहरसा में सघन वाहन जांच अभियान: 2.40 लाख रुपये का शमन वसूल नियमों के पालन पर जोर

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता: जिला पदाधिकारी के निर्देश पर सहरसा जिले में विशेष वाहन जांच अभियान सफलतापूर्वक चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व जिला परिवहन कार्यालय द्वारा किया गया, जिसमें जिला परिवहन पदाधिकारी, अपर जिला परिवहन पदाधिकारी, मोटर यान निरीक्षक सहित सभी प्रवर्तन पदाधिकारी सक्रिय रूप से शामिल रहे। अभियान के दौरान मोटरसाइकिल, ई-रिक्शा, कार और पिकअप वाहनों की सघन जांच की गई। जांच के क्रम में वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस (अनुज्ञापत्र), बीमा, प्रदूषण प्रमाणपत्र (PUC) तथा फिटनेस प्रमाणपत्र की बारीकी से जांच की गई। कार्रवाई के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों से कुल 2 लाख 40 हजार रुपये का शमन शुल्क वसूल किया गया। यह विशेष अभियान यातायात नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने और सड़क सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से चलाया गया। जिला परिवहन कार्यालय ने सभी वाहन मालिकों से अपील की है कि वे अपने वाहनों के आवश्यक दस्तावेज अद्यतन रखें और यातायात नियमों का पालन करें। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि आगे भी इस प्रकार के जांच अभियान नियमित रूप से जारी रहेंगे, ताकि सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाया जा सके।

सहरसा पुलिस को बड़ी सफलता: 25,000 के इनामी कुख्यात अपराधी गिरफ्तार, अवैध हथियार बरामद

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मोहम्मद ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता: सहरसा पुलिस को अपराध नियंत्रण अभियान के तहत बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में 25,000 के इनामी कुख्यात अपराधी संजय सादा को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके पास से एक लोडेड देशी कट्टा और जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, कनीय्या थाना क्षेत्र के कई मामलों में वांछित संजय सादा लंबे समय से फरार चल रहा था और लगातार अपना ठिकाना बदल रहा था। 19 अप्रैल की सुबह करीब 6 बजे चिड़ैया थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि वह बेलाड़ी क्षेत्र स्थित एक दुकान के पास मौजूद है। सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए चिड़ैया थाना और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद तलाशी के दौरान उसके पास से एक देशी कट्टा और 6 जिंदा कारतूस बरामद किए गए, जिन्हें विधिवत जब्त कर लिया गया। इस संबंध में चिड़ैया थाना कांड संख्या 16/2026 के तहत आर्म्स एक्ट की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपी का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ हत्या, लूट, चोरी, आर्म्स एक्ट सहित कुल 9 मामले विभिन्न थानों में दर्ज हैं। पुलिस की लगातार दबिश के कारण उसके कुछ सहयोगियों ने पूर्व में न्यायालय में आत्मसमर्पण भी किया था। गिरफ्तारी अभियान में चिड़ैया थाना के पुलिस पदाधिकारी, एसटीएफ टीम और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस अधीक्षक ने इस कार्रवाई को बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि जिले में अपराधियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। सहरसा पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

डीजल आपूर्ति में कमी पर डीएम सख्त, ऑयल कंपनियों से मांगी रिपोर्ट; गैस एजेंसी को सुधार की चेतावनी

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता: जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार की अध्यक्षता में आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी ऑयल कंपनियों के क्षेत्रीय प्रबंधकों के साथ समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिलांतर्गत महिषी एवं अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में IOCL को छोड़कर अन्य ऑयल कंपनियों के पेट्रोल पंपों पर डीजल की कमी की शिकायतों पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। इस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताते हुए संबंधित ऑयल कंपनियों—HPCL एवं BPCL—को आज शाम तक तथ्यात्मक प्रतिवेदन अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इसके साथ ही डीजल एवं पेट्रोल की जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। एलपीजी गैस सिलेंडर वितरण व्यवस्था की समीक्षा के दौरान जिले में संचालित वीर बजरंग गैस एजेंसी को वितरण कार्य में सुधार लाने के लिए सख्त निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि यदि स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो संबंधित ऑयल कंपनी को एजेंसी का लाइसेंस रद्द करने की अनुशंसा की जाएगी। उल्लेखनीय है कि इस एजेंसी के विरुद्ध पूर्व में भी शिकायतें प्राप्त हुई थीं, जिनकी पुष्टि के बाद प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है। वहीं, सिटी गैस सर्विस के प्रबंधक द्वारा जानकारी दी गई कि सहरसा शहर में सिटी गैस सेवा के तहत पहला चूल्हा 25 अप्रैल 2026 को प्रज्वलित किया जाएगा। यह कार्य ऑयल कंपनी IOCL के सहयोग से पूरा किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कंपनियों को निर्देशित किया कि आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू एवं पारदर्शी बनाए रखें।

पटना एम्स में मॉर्डन थेरानॉस्टिक न्यूक्लियर मेडिसिन की मिलेगी सुविधा, दिल्ली-मुंबई नहीं जाना होगा

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना एम्स ने थायरॉयड कैंसर के इलाज के लिए मॉर्डन थेरानॉस्टिक न्यूक्लियर मेडिसिन सेवाओं की शुरुआत की है। इसके तहत, रेडियो-आयोडीन थेरेपी और PET-CT स्कैन जैसी उन्नत सुविधाएं अब एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी। यह कदम मरीजों को इलाज के लिए दूसरे राज्यों में जाने की आवश्यकता को समाप्त करेगा। अब तक थायरॉयड कैंसर के मरीजों को इस तरह के इलाज के लिए दिल्ली, मुंबई या अन्य बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था। इससे उन्हें समय, पैसा और मानसिक तनाव का सामना करना पड़ता था। पटना में यह सुविधा उपलब्ध होने से हजारों मरीजों और उनके परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी। इस सुविधा का उद्घाटन संस्थान के कार्यकारी निदेशक और सीईओ प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल ने किया।

जांच और इलाज आपस में एकीकृत होंगे: डॉ. अग्रवाल ने कहा कि यह पहल मरीजों के जीवन में राहत, विश्वास और समय पर सही इलाज की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। संस्थान का लक्ष्य हर मरीज को बिना देरी के सटीक और सुलभ उपचार देना है। इस अवसर पर संस्थान के कई वरिष्ठ डॉक्टर भी मौजूद थे। सभी विशेषज्ञों ने इस नई सुविधा को क्षेत्रीय स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक मील का पत्थर बताया। न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. पंकज कुमार, जो इस पहल का नेतृत्व कर रहे हैं, उन्होंने थेरानॉस्टिक्स के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह एक ऐसी तकनीक है जिसमें जांच और इलाज आपस में एकीकृत होते हैं। डॉ. कुमार के अनुसार, अब हर स्कैन केवल एक रिपोर्ट नहीं होगा, बल्कि यह इलाज की दिशा भी तय करेगा। इससे मरीजों को व्यक्तिगत और लक्षित थेरेपी प्रदान करने में मदद मिलेगी, जिससे उपचार अधिक प्रभावी और सटीक होगा।

एक ही छत के नीचे संपूर्ण इलाज नई सुविधा की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें PET-CT, SPECT-CT (गामा कैमरा) और रेडियो-आयोडीन थेरेपी का एकीकृत उपयोग किया जाएगा। इसका मतलब है कि थायरॉयड कैंसर के मरीजों को शुरुआती जांच से लेकर इलाज और उसके बाद की मॉनिटरिंग तक की पूरी सुविधा एक ही जगह मिलेगी। यह व्यवस्था न केवल बीमारी का जल्दी और सटीक पता लगाने में मदद करेगी, बल्कि इलाज के बाद उसकी प्रभावशीलता का आकलन भी बेहतर तरीके से किया जा सकेगा।

किफायती इलाज से बढ़ेगी पहुंच एम्स पटना फिलहाल बिहार और झारखंड का एकमात्र सरकारी संस्थान बन गया है जहां यह पूरी सुविधा किफायती दरों पर उपलब्ध है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को भी उच्चस्तरीय इलाज मिल सकेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि PET-CT जैसी आधुनिक तकनीक को गामा कैमरा के साथ जोड़ने से कैंसर के निदान और इलाज में सटीकता कई गुना बढ़ जाएगी।

बिहार का एग्जीक्यूटिव इंजीनियर निकला करोड़पति

लोकतंत्र की शान, पटना

❑ **राजीव के करीबी ने जांच एंजेसी को दिया इनपुट, 3 ठिकानों पर 7 घंटे चली रेड**

नगर विकास एवं आवास विभाग के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर राजीव कुमार के घर से 7.70 लाख कैश मिला है। इसके साथ ही जमीन से जुड़े कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और कीमती गहने मिले हैं। जांच में सामने आया है कि राजीव कुमार ने एक करोड़ 10 लाख 24 हजार 271 रुपए की अवैध संपत्ति बनाई है। स्पेशल विजिलेंस यूनिट (SVU) ने शनिवार को राजीव कुमार के ठिकानों पर 7 घंटे तक रेड की थी। यह छापेमारी आशियाना के रामनगरी स्थित सुमित चंद्रम गृहम अपार्टमेंट में उनके फ्लैट, दानापुर के खगौल रोड स्थित लैंडमार्क गोल्ड स्थित फ्लैट और पंत भवन स्थित उनके ऑफिस में की गई। बताया जाता है कि राजीव के करीबी ने ही जांच एजेंसी को पूरी जानकारी दी है। निगरानी की 8 सदस्यीय टीम रामनगरी स्थित सुमित चंद्र गृहम अपार्टमेंट के वेस्ट ब्लॉक में फ्लैट नंबर- B 202 में पहुंची थी। एसवीयू के डीएसपी चंद्र भूषण श्रीवास्तव के नेतृत्व में घर में छानबीन की गई। बताया जाता है कि राजीव कुमार अपने परिवार के सदस्यों के साथ इसी अपार्टमेंट में रहते हैं। दूसरा ठिकाना दानापुर के खगौल रोड में लैंडमार्क गोल्ड का फ्लैट नंबर 807 है। वहीं, तीसरा ठिकाना पंत भवन के 6वें फ्लोर स्थित इनका सरकारी ऑफिस था।

घरों से निकले गंदे पानी को लेकर बनेगी पॉलिसी

लोकतंत्र की शान, पटना

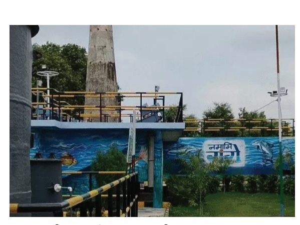

बिहार के घरों, दुकानों से निकलने वाले गंदे पानी का इस्तेमाल अब खेती-बागवानी में किए जाएंगे। दरअसल, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) के ट्रीटेड पानी के लिए नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा पॉलिसी बनाई जा रही है। इससे अब यह पानी न केवल नदियों में छोड़े जाएंगे, बल्कि पार्कों, सड़क किनारे पौधों, सरकारी परिसर के बगीचों में सिंचाई के लिए भी इस्तेमाल किए जाएंगे। वहीं, सड़क सफाई, निर्माण कार्य, कार वाशिंग, आदि में भी इसे यूज किया जा सकता है।

फैक्ट्री को निर्धारित दर में उपलब्ध होगा STP का पानी: बुडको द्वारा बिहार के सभी STP संचालित होते हैं। बुडको प्रशासन के अनुसार पाटलिपुत्र इंडस्ट्रियल एरिया में कई फैक्ट्रियां हैं, जहां पर बड़ी मात्रा में पानी का इस्तेमाल एक्सटर्नल वर्क के लिए किया जाता है। ऐसे में ट्रीटेड वॉटर का इस्तेमाल करने से जो टैप वॉटर है, उसकी बचत होगी। इस पहल से भूजल पर दबाव घटेगा और उद्योगों को पानी की आसान उपलब्धता होगी। कारखानों और उद्योगों को सस्ते में पानी उपलब्ध कराने के लिए दर को तय किया जाएगा। इसके लिए बुडको कंपनियों से कांटेक्ट करेगी और जरूरत होने पर उन्हें STP का पानी उपलब्ध कराएगी। अभी फिलहाल पटना में STP का पानी ट्रीट करके गंगा या फिर पुनपुन में छोड़ा जा रहा है।

बिहार को पहली 'सेंगर सीक्वेंसिंग मशीन' मिली

महावीर कैंसर संस्थान पटना में कैंसर जीन की होगी सटीक पहचान, मरीजों को मिलेगा बेहतर इलाज

लोकतंत्र की शान, पटना

बिहार में कैंसर के इलाज और अनुसंधान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। पटना के फुलवारीशरीफ स्थित महावीर कैंसर संस्थान में अत्याधुनिक 'सेंगर सीक्वेंसिंग मशीन' स्थापित की गई है। यह मशीन राज्य की पहली ऐसी सुविधा है, जो कैंसर से जुड़े जीन की सटीक पहचान करने में सहायक होगी। इस मशीन की लागत लगभग 63 लाख रुपये है, जिसके लिए इंडियन ऑयल ने महावीर कैंसर संस्थान को वित्तीय सहायता प्रदान की है। इस नई तकनीक से कैंसर जीन पर शोध करना अब और भी आसान हो जाएगा। महावीर कैंसर संस्थान के शोध विभाग के डॉक्टर मोहम्मद अली ने बताया कि यह मशीन संस्थान के शोध विभाग को कैंसर के जीन की पहचान और अनुसंधान में काफी मदद करेगी।

नोबेल विजेता तकनीक पर आधारित: सेंगर सीक्वेंसिंग तकनीक की मूल खोज वर्ष 1977 में ब्रिटेन के प्रसिद्ध बायोकेमिस्ट फ्रेडरिक सेंगर और उनके सहयोगियों ने इंग्लैंड में की थी। इस महत्वपूर्ण वैज्ञानिक उपलब्धि के लिए सेंगर को वर्ष 1980 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। यह तकनीक आज भी डीएनए विश्लेषण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण आधार मानी जाती है। संस्थान की मेडिकल निदेशक डॉ. मनीषा सिंह के अनुसार, यह मशीन कैंसर के जीन की गहराई से जांच संभव बनाती है। प्रक्रिया के तहत, सबसे पहले मरीज के ट्यूमर या रक्त के नमूने से डीएनए निकाला जाता है। इसके बाद पीसीआर तकनीक का उपयोग करके डीएनए को कई गुना बढ़ाया जाता है। फिर सेंगर सीक्वेंसिंग मशीन के माध्यम से जीन की संरचना का विश्लेषण कर यह पता लगाया जाता है कि कैंसर किस प्रकार का है और उसमें कौन से जेनेटिक बदलाव मौजूद हैं।

डॉ. मनीषा सिंह का मानना है कि इस मशीन से न केवल कैंसर की जल्दी और सटीक पहचान संभव होगी, बल्कि मरीजों के लिए 'पर्सनलाइज्ड ट्रीटमेंट' यानी उनकी जेनेटिक प्रोफाइल के अनुसार इलाज भी तय किया जा सकेगा। इससे उपचार की सफलता दर बढ़ने की उम्मीद है।

अब तक इस तरह की उन्नत जांच के लिए मरीजों को दिल्ली, मुंबई या अन्य बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था, जिससे समय और खर्च दोनों अधिक होता था। लेकिन इस नई सुविधा के शुरू होने से बिहार और आसपास के राज्यों के मरीजों को स्थानीय स्तर पर ही उच्च गुणवत्ता की जांच उपलब्ध हो सकेगी। विशेषज्ञों ने इसे राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए मील का पत्थर बताया है। उनका मानना है कि यह पहल न केवल इलाज को बेहतर बनाएगी, बल्कि कैंसर अनुसंधान को भी नई दिशा देगी।

संक्षिप्त समाचार

गुरुग्रामः मोटापा व शुगर के 70 लाख के इंजेक्शन बरामद, अवैध सप्लाई का शक

लोकतंत्र की शान : गुरुग्राम। यहां डीलएफ फेज-4 में ड्रग कंट्रोल विभाग की छापेमारी में एक गाड़ी से 70 लाख रुपये के इंजेक्शन बरामद हुए हैं। बताया जा रहा है कि ये इंजेक्शन मोटापा और शुगर की बीमारी में लगाए जाते हैं। इनका उपयोग किस रूप में किया जा रहा था और इतनी भारी मात्रा में इनको रखने की पीछे क्या मंशा रही। विभाग इसकी जांच कर रहा है। माना जा रहा है कि इनकी अवैध सप्लाई भी हो रही हो। ड्रग विभाग को पहले से सूचना मिली थी कि एक कंपनी का कर्मचारी इन इंजेक्शनों की अवैध सप्लाई में शामिल है। इसी सूचना के आधार पर टीम ने जाल बिछाकर गाड़ी को पकड़ा। बरामद इंजेक्शनों में मोनजारो नामक दवा भी शामिल बताई जा रही है। यह दवा इटली की एक कंपनी द्वारा बनाई जाती है। बाजार में एक इंजेक्शन की कीमत 13 हजार से 25 हजार रुपये के बीच बताई जा रही है, जिससे जब्त इंजेक्शनों की कुल कीमत लगभग 70 लाख रुपये आंकी गई है। प्राथमिक जांच में पता चला है कि इंजेक्शनों की यह खेप दिल्ली के भागीरथ मार्केट से लायी गयी थी। इसकी बिलिंग गुरुग्राम के एक पते पर की गई है। इससे ड्रग कंट्रोल विभाग का संदेह हुआ कि कहीं इनकी अवैध सप्लाई तो नहीं हो रही। पुलिस अब सप्लाई चेन की कड़ियां जोडऩे में जुटी है। ड्रग इंस्पेक्टर अमनदीप चौहान ने रविवार को बताया कि फिलहाल गाड़ी के ड्राइवर को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह भी जांच का विषय है कि बरामद इंजेक्शन असली हैं या नकली। यह भी पता लगाया जा रहा है कि इस अवैध सप्लाई के पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस और ड्रग विभाग की टीम संयुक्त रूप से पूरे नेटवर्क को खत्म करने की दिशा में काम कर रही है।

पानीपतः ईरान-इजराइल-अमेरिका युद्ध से पानीपत के उद्योगों को करोड़ो का झटका

लोकतंत्र की शान : पानीपत। ईरान-इजराइल-अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध के कारण पानीपत में कंबल व्यवसाय के निर्यात को झटका दिया है, जो पहले से ही डोनाल्ड ट्रम्प के द्वारा लागू किए गए टैरिफ के कारण दबाव में है। पानीपत के निर्यातक डायमंड एक्सपोर्ट के डायरेक्टर सुनील वर्मा का कहना है कि यहां वार्षिक कंबल निर्यात कारोबार लगभग 600 करोड़ रुपये है और जो मुख्य रूप से मध्य-पूर्वी बाजारों की जरूरतों को पूरा करता है, लेकिन अब युद्ध के चलते परेशानियों का सामना कर रहा है। मिंक कंबल और अन्य उत्पादों से भरे 160 के करीब कंटेनर समुद्र में फंसे हुए हैं, जबकि 450 के करीब कंटेनर विभिन्न बंदरगाहों पर अटके हुए हैं। पानीपत का कुल वार्षिक कारोबार लगभग 60से 80 हजार करोड़ रुपये है, जिसमें से लगभग 20 हजार करोड़ का निर्यात होता है। पानीपत मध्य-पूर्व देशों को मिंक कंबल और नमाज की चटाई, तौलिए निर्यात करता है। इसका वार्षिक कारोबार लगभग 650 करोड़ रुपये है। युद्ध के कारण न केवल कंबलों का कारोबार बुरी तरह पीटा है, बल्कि खरीदारों के भुगतान भी अटके हुए हैं। साथ ही खरीदारों ने ऑर्डर भी रद्द कर दिए हैं। पानीपत चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रधान विनोद धमीजा ने बताया कि इस युद्ध ने पानीपत के निर्यात को पूरी तरह बाधित कर दिया है। क्योंकि पानीपत के डाई हाउस जो तेल और गैस पर चलते थे ज्यादातर बंद होने की कगार पर है। कारण युद्ध के चलते तेल और गैस के आयात पर असर पड़ा है। जिससे निर्यात पर 20 से 30 प्रतिशत की लागत में बढ़ोतरी हुई है। लेकिन बायर पुराने दम पर ही माल की मांग कर रहे है। गुप्ता एक्सपोर्ट के डायरेक्टर राम निवास गुप्ता ने कहा कि पानीपत से होने वाले अधिकांश निर्यात ईरान, इराक, यमन, जॉर्डन और सीरिया सहित मध्य-पूर्वी बाजारों के लिए होते हैं। लेकिन युद्ध की स्थिति के कारण खरीदार ऑर्डर रद्द कर रहे हैं, पुराने ऑर्डर रोक दिए गए हैं साथ ही भुगतान भी रुका हुआ है। कच्चे तेल और गैस की लागत में हुई वृद्धि के कारण उत्पादन खर्च भी बढ़ गया है।

हिसार के आरटीए पर पक्षपात व निजी ऑपरेटरों को लाभ पहुंचाने का आरोप

लोकतंत्र की शान : हिसार। हरियाणा रोडवेज सांझा संघर्ष समिति ने हिसार आरटीए कार्यालय की ओर से जारी की गई समय सारिणी को रद्द करने की मांग की है। समिति ने चेताया है कि यदि समय सारिणी रद्द नहीं की गई तो रोडवेज सांझा संघर्ष समिति आंदोलन से गुरेज नहीं करेगी। इस संबंध में हरियाणा रोडवेज, हिसार डिपो की सांझा संघर्ष समिति की ओर से रोडवेज कार्यशाला में रविवार को बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में हिसार के आरटीए द्वारा हिसार-दिल्ली मार्ग पर निजी बस ऑपरेटरों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, रोहतक, झज्जर एवं गुरुग्राम डिपो के महाप्रबंधकों को बिना जानकारी दिए जारी की गई नई समय सारणी पर गहरा रोष व्यक्त किया गया। सांझा संघर्ष समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों ने एकमत होकर कहा कि यह समय सारणी पूरी तरह से पक्षपातपूर्ण है, जिससे सरकारी बसों के संचालन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा और विभाग को राजस्व की हानि होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि यह निर्णय निजी बस ऑपरेटरों को अनुचित लाभ देने के लिए लिया गया है। बैठक में सभी रोडवेज नेताओं व कर्मचारियों ने आरटीएम कार्यालय के इस गैर जिम्मेदाराना रवैए पर गहरा रोष प्रकट करते हुए निर्णय लिया लिया कि आरटीए कार्यालय द्वारा जारी इस पक्षपातपूर्ण समय सारणी को तुरंत रद्द करते हुए राज्य परिवहन के हितों को मध्यनजर रखते हुए नई समय सारणी जारी की जाए। यही नहीं, नई समय सारिणी जारी करते समय सभी डिपुओ जिनमें हिसार, फतेहाबाद, सिरसा, रोहतक, झज्जर व गुरुग्राम के महाप्रबंधकों को भी शामिल किया जाए सांझा संघर्ष समिति ने ऐलान किया इस दमनकारी नीति के खिलाफ संघर्ष पुरजोर जारी रहेगा। यदि प्रशासन द्वारा शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो सांझा संघर्ष समिति द्वारा आंदोलनात्मक कदम उठाए जाएंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। समिति ने संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि इस समय सारणी को तुरंत निरस्त किया जाए तथा भविष्य में इस प्रकार के निर्णय लेने से पहले संबंधित डिपो के महाप्रबंधकों एवं कर्मचारियों से विचार-विमर्श किया जाए। सांझा संघर्ष समिति की बैठक में मुख्य रूप से रोडवेज की सभी यूनियनों के प्रधान अजय दुहन, प्रधान कर्मबीर मसूदपुर, प्रधान जितेंद्र शर्मा, नरेंद्र खरड़, प्रधान बजरंग लाखा, प्रधान राजकुमार चौहान, प्रधान अमित जुगलान, प्रधान संदीप जैनावास सहित अन्य पदाधिकारी व कर्मचारी शामिल रहे।

सिहावल में सामूहिक विवाह-निकाह समारोहः 83 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे, 6 निकाह संपन्न

- » नए जीवन की शुरुआत संस्कार और जिम्मेदारी के साथ करें-सांसद डॉ. मिश्रा
- » अब बेटियों के विवाह की चिंता नहीं, सरकार बनी सहारा- विधायक श्री पाठक

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के अंतर्गत जनपद पंचायत प्रांगण सिहावल में आयोजित भव्य सामूहिक विवाह एवं निकाह समारोह सांसद डॉ. राजेश मिश्रा के मुख्य आतिथ्य, विधायक सिहावल विश्वामित्र पाठक की अध्यक्षता एवं जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह की विशेष उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में 83 जोड़ों का विवाह एवं 6 जोड़ों का निकाह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं आमजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री गणेश जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। आचार्यों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ विवाह संपन्न कराए गए। पूरे आयोजन में पारंपरिक उल्लास, सांस्कृतिक गरिमा एवं सामाजिक समरसता का अद्भुत संगम देखने को मिला। सभी नवदंपत्तियों को शासन द्वारा प्रदान की जाने वाली 49-49 हजार रुपए की सहायता राशि के चेक वितरित किए गए। सांसद डॉ. मिश्रा ने नवविवाहित जोड़ों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह योजना समाज के कमजोर एवं आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि विवाह जैसे महत्वपूर्ण संस्कार को सम्मानजनक और सहज बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने नवदंपत्तियों से आह्वान किया कि वे नशामुक्त जीवन अपनाएं, परिवार की जिम्मेदारियों को समझें और आपसी प्रेम, विश्वास एवं संस्कारों के साथ अपने जीवन की नई शुरुआत करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में चलाई जा रही योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं, जिससे सामाजिक न्याय और समावेशी विकास को बल मिल रहा है।

नारनौल में ट्रेन की चपेट में आने से जेबीटी शिक्षक की मौत

लोकतंत्र की शान

नारनौल। नारनौल शहर में शनिवार देर शाम एक जेबीटी शिक्षक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक की पहचान जिला महेंद्रगढ़ के गांव सरेली निवासी 43 वर्षीय महेश बोहरा के रूप में हुई है। वह नारनौल स्थित एक प्राथमिक पाठशाला में जेबीटी शिक्षक के पद पर कार्यरत थे और नौकरी के चलते शहर में किराए के मकान में रह रहे थे। सूत्रों के अनुसार, महेश बोहरा किसी निजी कार्य से बहरोड़ रोड क्षेत्र में गए हुए थे। देर शाम जब वह वापस लौट रहे थे, उसी दौरान रेलवे लाइन पार करते समय अचानक एक तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वह गंभीर रूप से घायल होकर ट्रैक के पास गिर पड़े। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत घटना की सूचना रेलवे पुलिस को दी। सूचना मिलते ही जीआरपी चौकी नारनौल की टीम मौके पर पहुंची और घायल शिक्षक को तत्काल नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया। हालांकि, अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस को मृतक के पास मिले दस्तावेजों के आधार पर उनकी पहचान की गई, जिसके बाद परिजनों को सूचना दी गई। पोस्टमार्टम की औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। बताया जा रहा है कि महेश बोहरा विवाहित थे, लेकिन उनकी कोई संतान नहीं थी। उनकी अचानक मौत से गांव सरेली में मातम छा गया है। वहीं, शिक्षा विभाग में भी शोक की लहर है। सहकर्मियों ने उन्हें एक समर्पित और मिलनसार शिक्षक बताया, जिनकी कमी लंबे समय तक महसूस की जाएगी।

भालू के हमले से एक की मौत, दो घायल

- » संजय टाइगर रिजर्व क्षेत्र के नवनगर गांव की घटना
- » आर्थिक सहायताः तत्काल मदद, 8 लाख की अनुग्रह सहायता राशि स्वीकृत

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। संजय टाइगर रिजर्व के मड़वास रेंज अंतर्गत भजिगांव बीट के ग्राम नवनगर में भालू के हमले की हृदयविदारक घटना सामने आई है। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम नवनगर निवासी चंद्रबली सिंह (58 वर्ष), पिता लखपति सिंह की भालू के हमले में मृत्यु हो गई। वहीं, शंकर सिंह (50 वर्ष), पिता धरमजीत सिंह एवं रामदास सिंह (35 वर्ष), पिता बृजभान सिंह हमले में घायल हो गए। दोनों घायलों को तत्काल उपचार के लिए पोंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। वन विभाग एवं राजस्व विभाग की टीम द्वारा घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया गया तथा क्षेत्र में सतर्कता बढ़ा दी गई है। ग्रामीणों को जंगल क्षेत्र में जाने के दौरान विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। घटना के पश्चात वन विभाग द्वारा मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए मृतक की पत्नी को उपसंचालक टाइगर रिजर्व श्री राजेश कन्ना टी द्वारा 20,000 की तत्काल सहायता राशि प्रदान की गई है। साथ ही शासन के प्रावधानों के अनुसार 8 लाख की अनुग्रह राशि स्वीकृत की गई है, जिसका भुगतान नियमानुसार शीघ्र किया जाएगा। इस दौरान उपखंड अधिकारी मझौली आरपी त्रिपाठी भी उपस्थित रहे। जिला प्रशासन एवं वन विभाग ने इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है। प्रशासन ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की है।

भीषण गर्मी में दम तोड़ती कटनी नदीः पानी गायब, हरियाली का कब्ज़ा, जल गंगा सफाई अभियान पर उठे सवाल

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी। भीषण गर्मी के इस दौर में कटनी शहर की जीवनदायिनी मानी जाने वाली कटनी नदी की हालत बेहद चिंताजनक हो गई है। जहां कभी पानी की धार बहती थी, वहां आज गंदे नालों का पानी बहता नजर आ रहा है, चारों ओर केवल हरियाली और झाड़-झंखाड़ नजर आ रहे हैं। नदी का अस्तित्व मानो खत्म होने की कगार पर पहुंच गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जल गंगा सफाई अभियान के नाम पर केवल औपचारिकताएं निभाई गईं, जबकि जमीनी स्तर पर कोई ठोस कार्य नहीं किया गया। नतीजा यह है कि नदी में पानी की जगह काई, घास और गंदगी ने कब्ज़ा जमा लिया है। नगर निगम द्वारा समय-समय पर नदी सफाई के दावे तो किए जाते रहे, लेकिन हकीकत इससे बिल्कुल उलट दिखाई दे रही है। भीषण गर्मी में जहां जल स्रोतों का संरक्षण सबसे बड़ी प्राथमिकता होना चाहिए, वहीं कटनी नदी की यह बदहाल स्थिति प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रही है। पर्यावरण प्रेमियों और नागरिकों ने भी चिंता जताते हुए कहा है कि यदि जल्द ही ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले समय में जल संकट और गहरा सकता है। अब देखना होगा कि नगर निगम और प्रशासन इस गंभीर समस्या को लेकर कितनी तत्परता दिखाता है और क्या कटनी नदी को फिर से उसकी पुरानी धारा मिल पाएगी या नहीं।

सुरेश सोनी ऋतुराज के काव्य संग्रह अनुभूति का हुआ विमोचन, सभी वर्गों के गणमान्य जनों की उपस्थिति से यादगार बना अनुभूति का विमोचन समारोह

लोकतंत्र कि शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी। अगर आपमें काम करने का जज्बा है, तो आप किसी भी लक्ष्य का सहजता के साथ साध सकते हैं। जीवन में ध्येय महत्वपूर्ण होता है। आपका जज्बा आपको हारने नहीं देता। मन में कोई मिशन हो तो उम्र भी हार जाती है। यह बात रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो राजेश वर्मा ने होटल अरिंदम सभागार में आयोजित वरिष्ठ पत्रकार और कवि सुरेश सोनी ऋतुराज के काव्य संग्रह अनुभूति के विमोचन समारोह में मुख्य अतिथि की आसंदी से कही। अध्यक्षता विधायक संदीप जायसवाल ने की। विशिष्ठ अतिथि के रूप में यशभारत के संस्थापक आशीष शुक्ला की मौजूदगी रही। अन्य अतिथियों में जनपरिषद भोपाल के संयोजक रामजी श्रीवास्तव, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा, वरिष्ठ कवि मनोहर मनोज, पूर्व मिसेज यूनिवर्स डॉ प्रगति सेठ और जनपरिषद के प्रांतीय सचिव नितिन श्रीवास्तव की उपस्थिति रही। साहित्य संध्या को बनारस के युवा गीतकार वैभव अवस्थी और लखनऊ के युवा कवि दावर रजा की काव्य प्रस्तुतियों ने यादगार बना दिया। समारोह में शहर के सभी वर्गों के प्रतिष्ठित लोगों, राजनेताओं, प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ कटनी के काव्य जगत से जुड़े लोगों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर आयोजन को बेजोड़ बना दिया। लोगों की यही प्रतिक्रिया थी कि अरसे बाद साहित्य का ऐसा गुलशन सजा, जिसकी खुशबू से पूरा परिसर महक उठा। समारोह में काव्य संग्रह अनुभूति की समीक्षा कन्या महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ चित्रा प्रभात ने प्रस्तुत की। शहर के युवा रचनाकार तुषार तपन ने अपने काव्यमयी संचालन से सभागार में मौजूद हर साहित्य और कविता प्रेमी का ध्यान अपनी ओर खींचा। रचनाकारों ने एक से बढक़र एक रचनाओं की लाजवाब प्रस्तुति से समारोह को ऊंचाइयां प्रदान की। कार्यक्रम संयोजक यशभारत के स्थानीय संपादक आशीष सोनी ने आभार व्यक्त किया। समारोह में विधायक संदीप जायसवाल का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया। इस मौके पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती स्मिता जायसवाल एवं अरिंदम के संचालक मनीष गेई की पत्नी ऋचा गेई भी मौजूद रही। इसके पहले अतिथियों ने रिबन खोलकर काव्य संग्रह अनुभूति का विमोचन किया।

चीन के तिब्बत कानून के खिलाफ ब्लैक हैट मार्च पानीपत पहुंचा

लोकतंत्र की शान

पानीपत। चीन के नए 'जातीय एकता और प्रगति संवर्धन कानून' के विरोध में तिब्बती युवा कांग्रेस द्वारा शुरू की गई 'ब्लैक हैट' पैदल यात्रा पानीपत पहुंच गई। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने यात्रा प्रतिभागियों का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर निर्वासित तिब्बती संसद के पूर्व डिप्टी स्पीकर आचार्य येशी फुंटसोक ने कहा कि इस पैदल यात्रा का उद्देश्य चाइना द्वारा तिब्बत में लाए गए नए कानून जातीय एकता और प्रगति संवर्धन का विरोध करना है। क्योंकि इस कानून से तिब्बती संस्कृति खत्म हो जाएगी उन्होंने कहा कि यह कानून तिब्बतियों के मौलिक पहचान व अधिकारों से पूर्णतः वंचित कर देगी। यात्रा की अगुआई कर रहे तिब्बती युवा कॉन्ग्रेस के अध्यक्ष त्सेरिंग चोम्फेल ने कहा कि हमें अपने देश तिब्बत को चीन से आजाद कराने के लिए 70 साल से अधिक समय से लड़ाई लड़ रहे हैं और हम अपने देश को आजाद कराकर ही दम लेंगे चाहे हमें कितनी ही कुर्बानियां देनी पड़े। उन्होंने कहा कि दस लाख से अधिक तिब्बतियों को मनगढंत राजनीतिक आरोपों के तहत गिरफ्तार कर जेल में डाला गया और उनका नरसंहार किया गया। वर्तमान में, चीन की 'चीनीकरण की नीति के माध्यम से ज़बरदस्ती आत्मसातीकरण को आक्रामक रूप से बढ़ाया जा रहा है। हाल ही में पारित तथाकथित "जातीय एकता और प्रगति संवर्धन कानून" तिब्बती पहचान को मिटाने की एक और सोची-समझी साजिश है। 'ब्लैक हैट मार्च इन्हीं गंभीर अन्यायों के खिलाफ प्रतिरोध का एक शक्तिशाली प्रतीक है। तिब्बती युवा कॉन्ग्रेस के उपाध्यक्ष ताशी तारग्याल ने कहा कि तिब्बत एक प्राचीन सभ्यता और एक अनोखा राष्ट्र है, जो अपनी भौगोलिक संरचना के कारण अपने सभी पड़ोसियों से मौलिक रूप से भिन्न रहा है। विशाल और बर्फीले पहाड़ों से घिरा होने के कारण इसे "दुनिया का तीसरा ध्रुव" और "दुनिया की छत" कहा जाता है।

सोन घड़ियाल अभ्यारण्य ने की बड़ी कार्रवाईः मैहर जिले कुबरी घाट से 9 हाइवा जब्त, समाचार लिखे जाने तक कार्रवाई जारी

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। सोन घड़ियाल अभ्यारण्य के अधिकारियों ने अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ एक बड़ी और सख्त कार्रवाई की है। मैहर जिले के कुबरी घाट के पास सोन नदी से अवैध रूप से रेत का उत्खनन कर परिवहन कर रहे 9 हाईवा वाहनों को टीम ने पकड़ लिया है। सोन घड़ियाल अभ्यारण्य के अधिकारियों ने बड़ी कार्रवाई की है लम्बे समय से चल रहे मैहर जिले के रामनगर थाना के कुबरी, बूढाबाऊर चरकी घाट सहित दर्जनों स्थानों से रेत उत्खनन परिवहन करने की शिकायत मिलने के अलावा शहडोल जिले के सुखाड़ गोपालपुर के पास सोन नदी से रेत उत्खनन कर परिवहन की शिकायते मिल रही थी जिसको लेकर सोन घड़ियाल अभ्यारण्य के अधिकारियों ने पुलिस व वन विभाग की टीम बनाकर धरपकड़ की रणनीति तैयार की और शनिवार को रात में टीमों को उत्खनन क्षेत्र में भेजकर पकड़ने के निर्देश जारी किए सभी टीमें रेत माफियाओं को बेनकाब करने में जुट गई थी लेकिन प्रशासन के एलर्ट होने की भनक माफियाओं को हो गई जिसके कारण शहडोल जिले के माफियाओ पर नकेल नहीं कसा जा सका है माफियाओं ने अपने अपने वाहनों को उत्खनन क्षेत्र से निकाल कर भाग गए लेकिन मैहर जिले के कुबरी गांव में रेत उत्खनन कर रहे माफियाओं को टीम के सक्रिय होने की भनक जब तक में लगी तब तक में टीम उत्खनन क्षेत्र को घेर लिया था टीम जब धरपकड़ करना शुरू किया तो पूरी सोन नदी में वाहनों के भगदड़ की गड़गड़ाहट गूंजने लगी, माफियाओं ने अधिक तर वाहनो को लेकर भागने में कामयाब हो गए,कुबरी घाट में लगे केवल नौ वाहन सोन घड़ियाल अभ्यारण्य टीम के हाथ लग सके हैं जिन्हे पकड़कर सीधी ले आया या गया है जहां कार्यवाही की जा रही है । मामले के सम्बन्ध में सोन घड़ियाल अभ्यारण्य के एस डी ओ से जानने का प्रयास किया तो उन्होंने नौ वाहन पकड़े जाने की पुष्टि तो किये पर विवरण उपलब्ध नहीं होने की बात कहकर मामले को उलझा दिया है।

राजेश उर्फ लाला कोल चंदिया ससुराल गया था लेवाने घर खबर आई लड़का फांसी लगा लिया मामला जांच के घेरे

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनीः प्राप्तजानकारी अनुसार ग्राम देवरा कला निवासी राजेश उर्फ लाला कोल गत दिनांक 17/4/.26 को अपनी पत्नी सीमा कोल लेवाने चदिया गयाथा दूसरे दिन 18/ 4 /26 को शनिवार के दिन खबर आई सुबह के आपके लड़के ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया है। आप तुरंत आइये हम लोग चंदिया पहुंचे तब तक वहां पोस्ट मार्टम हो चुका था और उसकी बाडी हमें सौंप दी गई थी? इस विषय में हम जानकारी चाहिए यह घटना कैसे हुई है तो पुलिस वालों हमें लेजाने को और वहां से भगा दिया गया यह कहकर की पोस्टमार्टम आनेके बाद आपको रिपोर्ट मिलेगी जब हमने बाडी ऐसा लगता है कि उसकी हत्या की गई है और उसके मरनेक पश्चात उसकीबा पेड़ से लटका दी गई है हम इस मामले की जांच चाहते हैं यह घटना कैसे घटी बॉडी को हम लोग घर वापस लाएं और दाह संस्कार के तैयारी करने लगे जानकारी अनुसार लड़का पक्ष का कहना है इसका निष्पक्ष जाच किया जाए ताकि हमें इंसाफ मिल सके कोटवारके द्वारा और ग्राम देवरा कला सरपंच ललिता पति विनोद तिवारी सरपंच पति के दारा राजेश कोल के परिवार के साथ संवेदना पूर्व उनके साथ रहे एनकेजी थाने में एक लिखित शिकायत की गई और इंसाफ के लिए थाना प्रभारी से चर्चा हुई उनके आश्वासन था कि हम सूचना रखले रहे एफ आई आर चंदिया थाने से होगा बाकी करवाई हम करेंगे आप अंतिम संस्कार करें राजेशकोल की पत्नी और उसकी माता अंतिम संस्कारमे शामिल चंदिया से कटनी आई उनसे भी पूछा गया यह घटना कैसे घाटी तो उनका कहना था हमें नहीं पता यह 17 तारीख को शाम चंदिया आए लेनेके लिए तो हमने तबीयत खराब होने का बताया कि हम बाद में आएंगे रातको घर में रहे खाना खाया और शादी वगैरा के बाद चली दूसरे दिन कटनी केलिए रवाना हो गए हमेंबाद में थाने से फोन आता है आप लोग जल्दी लिए लड़के ने आत्म हत्या कर लिया है फांसी लगाकर इतना हम जानते हैं यह सब कैसा हुआ हमें नहीं पता लड़के पक्ष पक्ष है का कहना है उसकी हत्या की गई है ,और उसे पेड़ पर लटका दिया गया है फांसी तो एक बहाना किया गया इसकी जांच हो सही तथ्य सामने आए, अब पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

पहलगाम हमले की बरसी से पहले कश्मीर में सुरक्षा बढ़ी, 22 अप्रैल को लश्कर के आतंकियों ने 26 लोगों की हत्या की थी

पहलगाम। पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी से पहले कश्मीर भर के टूरिस्ट स्पॉट्स पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सभी सुरक्षा एजेंसियों को निर्देश दिया गया है कि वे पहलगाम हमले की बरसी पर टूरिस्ट स्पॉट्स के आस-पास, किसी भी संभावित आतंकी हमले को लेकर सतर्क रहें। पहलगाम आने वाले टूरिस्टों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। हर सर्विस प्रोवाइडर की जांच-पड़ताल की गई है। उन्हें रजिस्टर्ड किया है। उन्हें यूनीक QR कोड दिया गया है। इसमें व्यक्ति की निजी जानकारी और दूसरी डिटेल्स हैं। दरअसल, पिछले साल 22 अप्रैल को लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों ने पहलगाम की बायसरन वैली में 26 लोगों को गोली मारकर हत्या कर दी थी। इनमें 25 टूरिस्ट और एक पोनी राइडर शामिल था। हमले के कारण जम्मू-कश्मीर से टूरिस्ट ने आना बंद कर दिया था। लगभग 50 टूरिस्ट स्पॉट बंद कर दिए गए थे। बाद में सिक्योरिटी ऑडिट के बाद कुछ स्पॉट दोबारा खोले गए। जम्मू-कश्मीर के बाहर से आकर यहां काम करने वाले वेंडरों का भी पुलिस ने पूरा वेरिफिकेशन किया है, ताकि सुरक्षा में कोई कमी न रहे। इसी वजह से उन्हें अलग-अलग QR कोड दिए गए हैं। इन QR कोड में व्यक्ति का नाम, पिता का नाम, पूरा पता, मोबाइल नंबर, आधार नंबर, रजिस्ट्रेशन नंबर, काम का क्षेत्र दर्ज होती है। साथ ही यह जानकारी भी होती है कि उसका पुलिस वेरिफिकेशन हुआ है या नहीं। पहलगाम में काम करने वाले सभी लोग जैसे पोनी राइड चलाने वाले, फोटोग्राफर, वेंडर और अन्य को जांच के बाद ही QR कोड दिए गए हैं। अमेरिका में भारतीय दूतावास कैपिटल हिल पर मंगलवार को एक प्रदर्शनी लगाएगा, जिसमें पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर फोकस होगा। भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा 'द ह्यूमन कॉस्ट ऑफ टेररिज्म' प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। इसका उद्देश्य आतंकवाद से होने वाले नुकसान और उसके असर को सामने रखना है। यह एक डिजिटल प्रदर्शनी होगी, जिसमें 1993 के मुंबई बम धमाके, 2008 के मुंबई हमले और पहलगाम हमले जैसे मामलों को दिखाया जाएगा। साथ ही इन हमलों के पीछे रहे संगठनों और उनसे जुड़े लोगों की जानकारी भी दी जाएगी।

उज्जैन में मॉडल हर्षा रिछारिया ने लिया संन्यास, अब स्वामी हर्षानंद गिरि के नाम से जानी जाएंगी

उज्जैन। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, कंटेंट क्रिएटर और मॉडल हर्षा रिछारिया ने रविवार को अक्षय तृतीया पर संन्यास ले लिया। उन्हें उज्जैन के मौनी तीर्थ आश्रम में पंचायती निरंजनी अखाड़ा के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी सुमनानंद गिरि महाराज ने संन्यास दीक्षा दी। संन्यास परंपरा के अनुसार, उन्हें शिखा और दंड त्याग की विधि कराई गई। साथ ही तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध कर्म भी कराए गए, जो पूर्व जीवन के त्याग और नए आध्यात्मिक जीवन की शुरुआत का प्रतीक माने जाते हैं। धार्मिक अनुष्ठानों के बाद हर्षा रिछारिया ने संन्यास ग्रहण किया और उन्हें नया नाम स्वामी हर्षानंद गिरि दिया गया। इस मौके पर स्वामी हर्षानंद गिरि ने कहा कि यह उनके जीवन का नया अध्याय है। उन्होंने गुरुदेव के मार्गदर्शन में संन्यास का मार्ग अपनाया है और संकल्प लिया है कि वे अपना जीवन धर्म, संस्कृति और समाज की सेवा में समर्पित करेंगी और संन्यास की मर्यादा का पालन करेंगी। महामंडलेश्वर स्वामी सुमनानंद गिरि महाराज ने कहा- संन्यास दीक्षा एक गहन और अनुशासित प्रक्रिया है। इसमें व्यक्ति अपने पूर्व जीवन का त्याग कर आध्यात्मिक पथ पर चलता है। मेरा सभी संन्यासियों से यही आग्रह रहता है कि वे संन्यास की गरिमा को कभी कलंकित नहीं होने दें। एक संन्यासी के आचरण का प्रभाव पूरे समाज और संन्यास परंपरा पर पड़ता है, इसलिए विधि-विधान और मर्यादा का पालन अत्यंत आवश्यक है।

बलबीर पुंज के निधन पर आरएसएस ने जताया शोक, सरकार्यवाह ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। प्रख्यात चिंतक, लेखक एवं पूर्व सांसद बलबीर पुंज के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। संघ ने कहा कि उनके निधन से देश के सार्वजनिक जीवन को अपूरणीय क्षति पहुंची है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि बलबीर पुंज ने अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में गंभीर अध्ययन, स्पष्ट विचार और जिम्मेदारीपूर्ण अभिव्यक्ति के माध्यम से समाज को दिशा देने का कार्य किया। समसामयिक विषयों पर उनके लेखन को सदैव गंभीरता और प्रामाणिकता के साथ देखा जाता रहा। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिजनों, मित्रों और शुभचिंतकों को इस कठिन समय में धैर्य और शक्ति प्रदान करने की कामना की। उल्लेखनीय है कि बलबीर पुंज भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, प्रख्यात पत्रकार और स्तंभकार थे। भाजपा के दिग्गज नेताओं में शामिल रहे बलबीर पुंज पार्टी के उपाध्यक्ष भी रहे। युवावस्था में वह आरएसएस से जुड़ गए थे। उन्होंने साल 1971 में अपने पत्रकारिता कैरियर की शुरुआत की थी और पत्रकारिता में उनका करियर बेहद प्रभावशाली रहा। पुंज दो बार राज्यसभा के सदस्य रहे। पहली बार (2000 से 2006) उत्तर प्रदेश और दूसरी बार (2008 से 2014) तक ओडिशा से राज्यसभा के सदस्य रहे। इसके अलावा उन्होंने नेशनल यूथ कमिशन फॉर यूथ के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया, जिसे केंद्र सरकार में राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त होता है।

मां गंगा के जयकारों के बीच खुले गंगोत्री मंदिर के कपाट

देहरादून। अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर रविवार को मां गंगा के जयकारों के बीच गंगोत्री मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए। कपाटोद्घाटन के साक्षी बने सैकड़ों लोगों ने मंदिर में अखंड ज्योति के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। गंगोत्री मंदिर समिति के सचिव सुरेश सेमवाल ने बताया कि रविवार सुबह सात बजे भैरव घाटी स्थित प्राचीन भैरव मंदिर से मां गंगा की डोली यात्रा गंगोत्री धाम के लिए रवाना हुई। गंगोत्री मुख्य द्वार से मंदिर तक आर्मी के पाइप बैंड और पारंपरिक ढोल-दमाऊं एवं रणसिंघे की धुन पर झूमते श्रद्धालुओं के बीच मां गंगा की डोली यात्रा 9 बजे अपने धाम गंगोत्री पहुंची। जहां डोली का भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर तीर्थ पुरोहितों और यात्रा कारोबारियों ने गंगा जी की डोली पर फूलों की बरसात की। इसके बाद यहां गंगा पूजन, गंगा सहस्त्रनाम, गंगा लहरी, श्रीशुक्त आदि के पाठ के साथ ही वैदिक मंत्रोच्चार के साथ धार्मिक अनुष्ठान किया गया। जिसके बाद 12 बजकर 15 मिनट पर गंगोत्री मंदिर के कपाट देश विदेश के श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए। जिकसे बाद सैकड़ों श्रद्धालु मंदिर के भीतर जल रही अखंड ज्योति के साक्षी बने। मंदिर के कपाट खुलने के साथ ही गंगा जी के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगने लगा। हजारों श्रद्धालुओं ने अक्षय तृतीया पर गंगा में डुबकी लगाने के साथ ही गंगोत्री धाम में दान कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी इस मौके पर धाम पहुंचे और पूजा में भाग लिया। पहली पूजा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम से संपन्न कराई गई। इसके साथ ही चारधाम यात्रा 2026 का औपचारिक शुभारंभ हो गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने यात्रा को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। साथ ही प्लास्टिक मुक्त यात्रा के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया है। इस मौके पर गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान, पूर्व विधायक विजयपाल सजवान, डीएम प्रशांत आर्य, एसपी कमलेश उपाध्याय, गंगोत्री मंदिर समिति के अध्यक्ष धर्मानंद सेमवाल, सचिव सुरेश सेमवाल, ब्लाक प्रमुख ममता पंवार, किशोर भट्ट, अरूण कुमार, राजेश सेमवाल, समेत करीब दो हजार श्रद्धालु मौजूद रहे।

तमिलनाडु में पटाखा फैक्ट्री में धमाका, 16 की मौत, 6 घायल

कई मलबे में दबे, 30 मजदूर काम कर रहे थे

एजेंसी, विरुधुनगर

तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में एक पटाखा फैक्ट्री में रविवार को धमाका हुआ। फायर एंड रेस्क्यू विभाग के मुताबिक, हादसे में अब तक 16 लोगों के शव बरामद किए गए हैं। हादसे के समय फैक्ट्री में 30 लोग काम कर रहे थे। 6 लोगों को गंभीर घायल होने के कारण अस्पताल ले जाया गया, जबकि कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। दमकल, पुलिस और राहत टीमें मौके पर पहुंचकर मलबा हटाने और फंसे लोगों को निकालने में जुटी हैं। फिलहाल विस्फोट की वजह साफ नहीं है। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने X पर लिखा- इस हादसे में कई लोगों की मौत की खबर बेहद दुखद है। मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। सीएम ने मंत्रियों को तुरंत घटनास्थल पर जाने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने जिला कलेक्टर से बात कर सभी जरूरी सहायता पहुंचाने के लिए सभी व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए।

6 दिन पहले भी धमाके में दो लोगों की मौत हुई थी: इससे पहले 13 अप्रैल को विरुधुनगर सत्तूर के पास सथिरापट्टी इलाके में एक पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट हुआ था। इसमें दो मजदूर की मौत हो गई थी। पांडी नाम के मजदूर की मौके पर झुलसने से मौत हो गई थी। वहीं अस्पताल में इलाज के दौरान करुप्पासामी (33) की मौत हो गई।

200-फीट गहरी खाई में गिरी बस, दो महिलाओं की मौत

एजेंसी, अजमेर

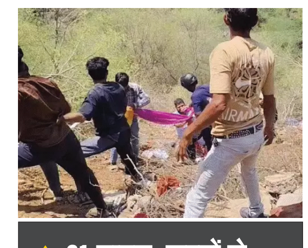

♦ 31 घायल, कपड़ों से रस्सी बनाकर बाहर निकाला, बिना इंश्योरेंस-फिटनेस के दौड़ रही थी गाड़ी

अजमेर में सवारियों से भरी बस 200 फीट नीचे खाई में गिर गई। हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई। 31 लोग घायल हो गए। पुष्कर जा रही बस में 33 लोग सवार थे। वे पीसांगन (अजमेर) में मायरा भरने जा रहे थे। इस दौरान पुष्कर घाटी में बस बेकाबू हो गई। हादसा पुष्कर से करीब 3 किलोमीटर पहले रविवार दोपहर करीब 12 बजे हुआ। मौके से गुजर रहे लोगों ने कपड़ों से रस्सी बनाकर घायलों को खाई से बाहर निकाला। सभी यात्रियों को पहले पुष्कर के सरकारी अस्पताल लेकर गए। वहां से उन्हें अजमेर के जेएलएन हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। एक्सीडेंट के बाद पुष्कर घाटी में लंबा जाम लग गया।

200 फीट नीचे पेड़ और झाड़ियों में फंसी बस: सीओ ग्रामीण रामचंद्र चौधरी ने बताया- अजमेर से पुष्कर की ओर जाते समय सांझीसर से थोड़ा आगे यह हादसा हुआ है। बस अचानक मेन रोड से खाई में उतर गई। करीब 200 फीट नीचे आकर पेड़ और झाड़ियों में फंस गई। लोगों की मदद से 33 यात्रियों को हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया। इनमें से पूजा (28) पत्नी विजय सिंह गुर्जर और विमला देवी (50) पत्नी ओम प्रकाश गुर्जर की मौत हो गई। दोनों अजमेर की रहने वाली थीं। वहीं एक घायल को हॉस्पिटल से छुट्टी दे दी गई।

तृणमूल का अर्थ है तोलाबाजी, तानाशाही और तुष्टीकरण : जेपी नड्डा

एजेंसी, कूचबिहार

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच रविवार को कूचबिहार के शीतलकूची में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने ममता बनर्जी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने प्रदेश की सत्तारुढ़ तृणमूल कांग्रेस सरकार की आलोचना कहा है कि तृणमूल का अर्थ है तोलाबाजी, तानाशाही (अत्याचार) और तुष्टीकरण। बंगाल में ममता सरकार ने आम आदमी को मुसीबत में डाल दिया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अब भी, अगर कोई अपने घर के लिए दीवार बनाना चाहता है, तो तृणमूल सिंडिकेट को इसके लिए भुगतान करना होगा। बंगाल की लड़की ॠतु प्रामाणिक, जो अपना छोटा सा घर बना रही थी, उसे एक लाख रुपये देने के लिए मजबूर किया गया। जब तक पैसे नहीं दिये गए तब तक मजदूर भी उनके घर पर काम करने नहीं आए। आखिरकार उन्होंने अपने गहने बेच दिए और अपने हिस्से का भुगतान किया, तभी वे अपना घर बनाने में सक्षम हुईं।

उन्होंने कहा कि तृणमूल का अर्थ है तोलाबाजी, तानाशाही (अत्याचार) और तुष्टीकरण। घर बनाने के लिए लोगों को पहले सिंडिकेट को रिश्वत देनी होती है। ऐसी सरकार को सत्ता से बाहर कर दिया जाना चाहिए। नड्डा ने आगे कहा, "मेरी बात सुनो, टीएमसी के गुंडों, 5 मई के बाद आपके दिन खत्म हो जाएगा। टीएमसी के गुंडों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी और हम राम राज्य की ओर बढ़ेंगे। उन्होंने कहा, "ममता सरकार का उत्तर बंगाल के प्रति शत्रुतापूर्ण रवैया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तेनकासी में किया रोड शो, द्रमुक सरकार पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

तमिलनाडु चुनाव

एजेंसी, तेनकासी

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के मद्देनज़र तेनकासी जिले के वासुदेवनल्लूर विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार आनंदन अय्यासामी के समर्थन में रोड शो किया। पुलियंगुडी सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय से चिंतामणि बस स्टैंड तक निकले इस रोड शो में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए। रोड शो के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि द्रमुक ने तमिलनाडु के लोगों के साथ विश्वासघात किया है और राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ चुकी है। अपराध, बच्चों के खिलाफ हिंसा और दलितों पर अत्याचार में वृद्धि हुई है, जिसके लिए मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन और उदयनिधि स्टालिन जिम्मेदार हैं।

राजनाथ सिंह ने आरोप लगाया कि द्रमुक सरकार भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य के मंत्री और विधायक विभिन्न घोटालों में लिप्त हैं, जिनमें आय से अधिक संपत्ति, अवैध रेत खनन और अन्य गंभीर आरोप शामिल हैं। उन्होंने दावा किया कि अवैध रेत खनन से हजारों करोड़ रुपये की लूट हुई है और राज्य के संसाधनों का दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कल्लाकुरिची में अवैध शराब से हुई मौतों का जिक्र करते हुए कहा कि यह सरकार की लापरवाही का नतीजा है। राज्य में अवैध शराब का कारोबार खुलेआम चल रहा है, जिससे लोगों की जान खतरे में है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बनने पर शराब माफिया पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

धार्मिक मुद्दों पर भी उन्होंने द्रमुक पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि पार्टी आस्थाओं का अपमान करती रही है। उन्होंने कहा कि उदयनिधि स्टालिन के बयानों से सनातन धर्म के प्रति उनकी सोच स्पष्ट होती है। साथ ही उन्होंने तिरुप्परनकुंद्रम मंदिर में भक्तों को पूजा से रोकने के मामले को उठाते हुए कहा कि राजग की सरकार बनने पर श्रद्धालुओं के अधिकार सुनिश्चित किए जाएंगे। महिला आरक्षण विधेयक का जिक्र करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि संसद में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाले बिल को द्रमुक और उसके सहयोगियों ने रोक दिया। उन्होंने तमिलनाडु की आर्थिक स्थिति पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि राज्य पर कर्ज 10.27 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जबकि विकास कार्यों का लाभ जनता तक नहीं पहुंचा। केंद्र सरकार पर लगाए जा रहे आरोपों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में केंद्र ने तमिलनाडु को 11 लाख करोड़ रुपये दिए हैं, लेकिन यह राशि जनता तक नहीं पहुंची। उन्होंने कहा कि राजग सरकार बनने पर जनता के पैसे का सही उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा। अंत में उन्होंने कहा कि 'डीएमके' का मतलब दुरुपयोग, अनियमितता और अपराध है, जबकि 'एनडीए' न्याय, विकास और शांति का प्रतीक है। उन्होंने विश्वास जताया कि तमिलनाडु की जनता बदलाव चाहती है और आने वाला समय राजग के पक्ष में होगा।

कीव को बंदूकधारी ने दहलाया पांच लोगों को भूना, 15 घायल

एजेंसी, कीव

यूक्रेन की राजधानी कीव में शनिवार को स्वचालित हथियार से लैस एक व्यक्ति ने जमकर खूनखराबा किया। सड़क पर जो भी दिखाई दिया, उसे गोलियों से भून दिया। इसके बाद बंदूक लहराता हुआ सुपर मार्केट में घुस गया और कुछ लोगों को बंधक बना लिया। विरोध करने पर एक व्यक्ति को गोली मार दी। इस व्यक्ति ने करीब एक घंटे तक पुलिस को छकाया। इस गोलीबारी में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने सभी बंधकों को छुड़ा लिया है। इस अभियान में यह नरभक्षी भी मारा गया।

अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेन के अटॉर्नी जनरल रुस्लान क्रावचेंको ने इस घटना की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि मॉस्को में जन्मे इस व्यक्ति की आयु 58 वर्ष थी। पुलिस ने सुपर मार्केट में उसे मार गिराने में सफलता हासिल की। सभी बंधकों को रिहा करा लिया गया। क्रावचेंको ने बताया कि अधिकारी इस अपराध के हालात और इसके पीछे के मकसद का पता लगाने में जुटे हैं। वह इसे एक आतंकवादी घटना के तौर पर भी देख रहे हैं। क्रावचेंको ने बताया कि इस व्यक्ति ने कीव के होलोसीव्स्की जिले की एक सड़क पर गोलीबारी की। इस गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई। इसके बाद वह सुपर मार्केट में घुस गया। कुछ लोगों को बंधक बनाकर एक व्यक्ति की हत्या कर दी। क्रावचेंको ने बताया कि बंदकूधारी ने एक स्वचालित हथियार का इस्तेमाल किया।

कीव के मेयर विटाली क्लित्स्को के अनुसार, 15 घायलों में नौ का अस्पतालों में इलाज चल रहा है। छह लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। यूक्रेन के आंतरिक मामलों के मंत्री इहोर क्लिमेंको ने बताया कि बंधकों को छुड़ाने के लिए नेशनल पुलिस की रैपिड रिस्पॉन्स यूनिट की मदद लेनी पड़ी। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि जांचकर्ता फिलहाल उसके बारे में हर मुमकिन जानकारी जुटाने और यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि उसने ऐसा क्यों किया। जेलेंस्की ने बताया कि बंदूकधारी यूक्रेन के दोनेत्स्क इलाके में काफी समय से रह रहा था। जिस अपार्टमेंट में शूटर के रहने का पता दर्ज था, हमले के लगभग उसी समय उसमें भीड़ ने आग लगा दी।

मप्र के अनूपपुर में ट्रैक्टर पलटने से 4 दोस्तों की मौत

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में रविवार सुबह एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलट गया, जिससे सभी युवक उसके नीचे दब गए। बताया गया कि डिंडौरी जिले के रहने वाले चार दोस्त ट्रैक्टर से गिट्टी लेने जा रहे थे, तभी रास्ते में उनका वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया और सभी की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार डिंडौरी जिले के करंजिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भीमकुंडी के रहने वाले चार युवक ट्रैक्टर लेकर अनूपपुर के पौनी गांव की ओर जा रहे थे। उनका उद्देश्य क्रेशर से गिट्टी लाना था। सुबह करीब छह बजे करन पठार थाना क्षेत्र के ठाड़ पाथर के पास अचानक ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया। देखते ही देखते ट्रैक्टर सड़क से नीचे उतरकर गहरे गड्ढे में जा पलटा। हादसा इतना भीषण था कि ट्रैक्टर और ट्रॉली के नीचे दबते ही सभी युवकों की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची, लेकिन स्थिति बेहद गंभीर थी। ट्रैक्टर का इंजन और भारी हिस्सा युवकों के ऊपर ही था, जिससे उन्हें निकालना बेहद मुश्किल हो रहा था।

उत्तर कोरिया ने कर दिया फिर मिसाइल परीक्षण, एशिया में बढ़ा तनाव

एजेंसी, प्योंगयांग

♦ किम जोंग उन का शक्ति प्रदर्शन, अमेरिका और सहयोगियों के लिए बढ़ी चिंता

एशियाई क्षेत्र में एक बार फिर तनाव बढ़ गया है, जबकि उत्तर कोरिया ने रविवार सुबह कई बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया। इस कार्रवाई को क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती माना जा रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, ये मिसाइलें पूर्वी तट पर स्थित सिनपो के पास से सुबह करीब 6:10 बजे दागी गईं और समुद्र की ओर गिराई गईं हैं।

दक्षिण कोरिया की सेना ने पुष्टि की है कि यह इस वर्ष का सातवां मिसाइल परीक्षण है, जबकि अप्रैल महीने में ही चौथी बार ऐसी गतिविधि हुई है। इस घटनाक्रम के बाद दक्षिण कोरिया ने तुरंत आपात सुरक्षा बैठक बुलाई और अमेरिका तथा जापान के साथ निगरानी और खुफिया सहयोग बढ़ा दिया है। जापान ने भी पुष्टि की है कि मिसाइलें कोरियाई प्रायद्वीप के पूर्वी समुद्र में गिरीं, हालांकि उसके विशेष आर्थिक क्षेत्र में कोई नुकसान नहीं हुआ। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद पहले ही उत्तर कोरिया के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर प्रतिबंध लगा चुका है, लेकिन प्योंगयांग लगातार इन नियमों को नजरअंदाज करता रहा है और अपने कदमों को आत्मरक्षा का अधिकार बताता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, इस मिसाइल परीक्षण का समय बेहद महत्वपूर्ण है। मई के मध्य में अमेरिका और चीन के बीच प्रस्तावित बैठक में उत्तर कोरिया का मुद्दा प्रमुख रहने वाला है। ऐसे में यह परीक्षण एक स्पष्ट शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने भी चेतावनी दी थी कि उत्तर कोरिया तेजी से अपने परमाणु कार्यक्रम को विस्तार दे रहा है।

ईरान का रुख साफ, अमेरिका उसके बंदरगाहों से हटे तभी खुलेगा होर्मुज

एजेंसी, तेहरान/वाशिंगटन/बेरूत

होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर गहराया संकट निकट भविष्य में हल होता नहीं दिख रहा। दुनिया ईरान और अमेरिका से जल्द ही इस मसले को सुलझाने की अपील करते-करते हार चुकी है। दूसरे दौर की बातचीत के करीब आए दोनों देशों के बीच अविश्वास और मतभेदों का दायरा और बढ़ गया है। ईरान ने काफी हद तक अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। ईरान ने बिना लाग लपेट के कहा कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य को तभी खोलेगा, जब अमेरिका की सेना उसके बंदरगाहों की घेराबंदी खत्म कर लौट जाएगी। अल जजीराऔर सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के उप विदेशमंत्री सईद खतीबजादेह ने कहा कि अमेरिका के साथ आमने-सामने की बातचीत के नए दौर के लिए अभी कोई तारीख तय नहीं की गई है। उन्होंने हठधर्मिता के लिए वाशिंगटन की कड़ी आलोचना की। उन्होंने साफ किया कि अगर अमेरिका चाहता है कि होर्मुज जलडमरूमध्य खुले तो उसे सबसे पहले हमारे बंदरगाहों की घेराबंदी खत्मकर सेना को लौटने का आदेश देना होगा।

इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि जब तक समझौता नहीं होगा, तब तक ईरानी बंदरगाहों पर नौसैनिक घेराबंदी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन तेहरान के किसी भी तरह के दबाव में नहीं आएगा। खतीबजादेह ने तुर्किये के अंताल्या डिप्लोमेसी फोरम में पत्रकारों से कहा है कि तेहरान और वाशिंगटन के बीच अगले दौर की बातचीत के लिए कोई भी तारीख तय नहीं की गई है। उन्होंने कहा, ''अभी तक हम आपसी समझ का ढांचा तय करने पर ध्यान दे रहे हैं। इस पर सफलता मिलने पर अगले कदमों की घोषणा होगी। अगर अमेरिका अतिवादी रवैया न अपनाता तो समझौता काफी पहले हो जाता।'' उन्होंने कहा, ''ईरान अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे में ही अमेरिका से कोई समझौता करेगा। परमाणु अप्रसार संधि और अंतरराष्ट्रीय परमाणु एजेंसी सदस्य होने के नाते ईरान की कुछ जिम्मेदारियां हैं और कुछ अधिकार भी हैं। ईरान अपने अधिकारों का हकदार है। लेबनान में संघर्ष विराम के बाद हमने कहा कि होर्मुज से अब सुरक्षित आवाजाही होगी। मगर इसमें अमेरिका ने बाधा डाल दी। उसने कहा दिया यह मार्ग खुला तो है, लेकिन ईरानियों के लिए नहीं। यही बात हमें चुभ गई। और दुर्भाग्य से वह अभी भी बातचीत के जरिए कूटनीतिक तमाशे कोशिश कर रहा है।'' ईरानी संसद के अध्यक्ष ने शनिवार रात कहा कि अमेरिका के साथ शांति वार्ता में कुछ प्रगति हुई है, लेकिन दोनों पक्ष अभी भी समझौते से कोसों दूर हैं। मोहम्मद बाघर ग़ालिबफ ने राष्ट्रीय संबोधन में कहा, "हम अभी भी अंतिम चर्चा से काफी दूर हैं।" ईरान की सेना शनिवार को घोषणा कर चुकी है उसने होर्मुज जलडमरूमध्य पर फिर से नियंत्रण हासिल कर लिया है। उसने चेतावनी दी कि जब तक ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिका की नाकेबंदी जारी रहेगी, तब तक वह इस जलमार्ग से आवाजाही को रोकता रहेगा। ब्रिटिश सेना ने इस दौरान कहा कि दो ईरानी गनबोटों ने जलडमरूमध्य में एक टैंकर पर गोलीबारी की। भारत ने भी पुष्टि की कि ईरान के हमलों में उसके दो जहाजों को निशाना बनाया गया।

इस बीच इजराइली सेना ने कहा कि दक्षिणी लेबनान में लड़ाई के दौरान उसके एक सैनिक की मौत हो गई। साथ ही घायल नौ सैनिकों में से एक की हालत गंभीर है। मारे गए इजराइली सैनिक की पहचान सार्जेंट फर्स्ट क्लास लिडोर पोरात के रूप में हुई। इसके साथ ही लेबनान में चल रहे ताजा युद्ध में मारे गए इजराइली सैनिकों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। कहा जा रहा है कि इजराइल ने संघर्ष विराम के बावजूद दक्षिणी लेबनान पर हमले किए। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने लेबनान में हुए उस हमले के लिए हिज्बुल्लाहको जिम्मेदार ठहराया है, जिसमें फ्रांस का एक शांति-रक्षक सैनिक मारा गया। इस सशस्त्र समूह ने इस आरोप से इनकार किया है।

बदलता मतदाता,बदलती राजनीति- लोकतांत्रिक संघर्ष, नीतिगत अनिश्चितता व जनता क़ा मनोविज्ञान -16-17 अप्रैल 2026 के संसदीय घटनाक्रम का समग्र वैश्विक विश्लेषण

लोकतंत्र की शान

» आज का नागरिक व मतदाता सरकार के कार्यों का मूल्यांकन, उनके पीछे की नीतिगत मंशा, समय -निर्धारण और प्रक्रियागत पारदर्शिता पर भी प्रश्न उठाता है?

» जनता अब केवल "क्या हुआ" पर नहीं,बल्कि "कैसे और क्यों हुआ" पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है, यही बदलती सोच राजनीतिक दलों की विश्वसनीयता के लिए एक नई चुनौती बनती जा रही है- एडवोकेट किशन सनमुदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर डिजिटल युग में भारतीय मतदाता का व्यवहार अब केवल भावनात्मक या परंपरागत नहीं रह गया है, बल्कि अत्यंत विश्लेषणात्मक और परिणाम- आधारित हो चुका है।आज का नागरिक न केवल सरकार के कार्यों का मूल्यांकन करता है,बल्कि उनके पीछे की नीतिगत मंशा,समय-निर्धारण और प्रक्रियागत पारदर्शिता पर भी प्रश्न उठाता है।यही कारण है कि यदि कोई सरकार दस अच्छे काम करती है और एक निर्णय जनता की अपेक्षाओं के विपरीत जाता है, तो उस एक निर्णय का प्रभाव शेष उपलब्धियों पर भारी पड़ सकता है।16-17 अप्रैल 2026 के संसदीय घटनाक्रम ने इसी नई राजनीतिक चेतना को उजागर किया है,जहाँ जनता केवल परिणाम नहीं बल्कि प्रक्रिया की वैधताऔर पारदर्शिता को भी परख रही है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क्रि 16-17 अप्रैल 2026 के दो दिन भारतीय संसदीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में दर्ज हो गए।एक ओर नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 जिसपर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर होकर पहले अधिनियम बन चुका था उसको 16 अप्रैल 2026 कोआधी रात में लागू करने की अधिसूचना जारी की गई,वहीं दूसरी ओर संसदीय प्रक्रिया के तहत रूल 66 को निलंबित कर तीन महत्वपूर्ण विधेयकों को एक साथ जोड़कर पारित करने का प्रयास किया गया।लोकसभा में कुल 528 सांसदों ने मतदान किया, जिसमें पक्ष में 298 और विपक्ष में 230 वोट पड़े, लेकिन दो- तिहाई बहुमत की आवश्यकता के कारण यह विधेयक 54 मतों से गिर गया। यह केवल एक विधायी असफलता नहीं थी,बल्कि यह राजनीतिक

रणनीति,संवैधानिक प्रक्रिया और वैचारिक मतभेदों के बीच गहरे संघर्ष का प्रतीक बन गया। साथियों बात अगर हम जनता के मन में उठते सवालः पारदर्शिता बनाम राजनीतिक रणनीति को समझने की करें तो, इस घटनाक्रम के बाद जनता के मन में कई महत्वपूर्ण प्रश्न उभर कर सामने आए। यदि 2023 में ही राष्ट्रपति की स्वीकृति मिल चुकी थी,तो इसे तत्काल लागू क्यों नहीं किया गया?इन प्रश्नों ने यह संकेत दिया कि जनता अब केवल "क्या हुआ" पर नहीं, बल्कि "कैसे और क्यों हुआ" पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है। यही बदली सोच राजनीतिक दलों की विश्वसनीयता के लिए एक सटीक रूप से नई चुनौती बनती जा रही है। साथियों बात अगर हम इस पूरे प्रकरण को भारत क्री आर्थिक प्रतिष्ठा और दृष्टिकोण से वैश्विक निवेशकों की दृष्टि: नीतिगत निरंतरता का संकट के रूप में समझने की करें तो अंतरराष्ट्रीय निवेशक और संस्थागत निवेशक किसी भी देश में निवेश करते समय केवल आर्थिक आंकड़ों को नहीं देखते, बल्कि वे राजनीतिक स्थिरता और नीतिगत निरंतरता को भी समान महत्व देते हैं। जब संसद में कोई प्रमुख संवैधानिक संशोधन विधेयक विफल होता है, तो यह संकेत देता है कि सरकार के पास पर्याप्त संख्या बल या राजनीतिक सहमति नहीं है।इस संदर्भ में इंटरनेशनल मोनेटरी फंड और वर्ल्ड बैंक जैसे संस्थान भी ऐसे घटनाक्रमों को गंभीरता से देखते हैं। इससे देश की जोखिम प्रोफ़ाइल (रिस्क परसेप्शन) प्रभावित होती है, जो विदेशी पूंजी प्रवाह (कैपिटल इन्फ्लोज)पर तत्काल प्रभाव डाल सकती है।शेयर बाजार की मनोविज्ञानः अनिश्चितता का तात्कालिक प्रभाव पर आधारित होता है,शेयर बाजार मूलतः अपेक्षाओं और विश्वास पर आधारित होता है। जब संसद के बड़े विधेयक विफल होते हैं,तो निवेशकों में अनिश्चितता बढ़ जाती है। इसका परिणाम अल्पकालिक गिरावट या अस्थिरता के रूप में सामने आ सकता है।विशेष रूप से जब बाजार पहले से गिरावट के दौर में हो, तब

इस प्रकार की राजनीतिक घटनाएँ निवेशकों की चिंता को और बढ़ा देती हैं। विदेशी संस्थागत निवेशक अक्सर ऐसी स्थितियों में अपने निवेश को अस्थायी रूप से कम कर देते हैं, जिससे बाजार में बहुत तेजी से गिरावट तेज हो सकती है। साथियों बात अगर हम राजनीतिक निर्णयों की विश्वसनीयता पर प्रश्न इसको समझने की करें तो सरकार द्वारा आधी रात में अधिनियम लागू करना, संसदीय नियमों को निलंबित करना और कई विधेयकों को एक साथ जोड़ना ये सभी कदम विपक्ष के लिए सीमित विकल्प छोड़ते हैं। हालांकि यह रणनीतिक दृष्टिकोण से प्रभावी हो सकता है,लेकिन इससे सरकार की नीतिगत पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न भी लग सकता है?वैश्विक निवेशक ऐसे संकेतों को "नीतिगत जोखिम" (पॉलिसी रिस्क) के रूप में देखते हैं,जो दीर्घकालिक निवेश निर्णयों को प्रभावित कर सकता है। साथियों बात अगर हम महिला सशक्तिकरण और आर्थिक विकास का संबंध इसको समझने की करें तो जमीनी स्तरपर यह स्पष्ट रूप से देखा गया है कि राजनीतिक सशक्तिकरण से सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है। महिला प्रतिनिधित्व बढ़ने से शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण के क्षेत्रों में सुधार होता है, जिससे समग्र आर्थिक विकास को गति मिलती है। साथियों बात अगर हम भारत में महिला श्रम भागीदारी दर के दृष्टिकोण से देखें तो इसमें वृद्धि हुई है,लेकिन यह अभी भी पुरुषों की तुलना में काफी कम है। यदि इस अंतर को कम किया जाए,तो आर्थिक विकास दर में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है।वर्ल्ड बैंक के अनुसार यदि महिला श्रम भागीदारी में 50 प्रतिशत तक सुधार किया जाए, तो भारत की जीडीपी वृद्धि दर में प्रति वर्ष लगभग 1 प्रतिशत अंक की वृद्धि हो सकती है। वर्तमान में लगभग 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के संदर्भ में यह लगभग 40 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त आर्थिक मूल्य है।यह आँकड़ा यह दर्शाता है कि महिला सशक्तिकरण केवल सामाजिक न्याय का विषय नहीं, बल्कि एक ठोस आर्थिक रणनीति भी है। साथियों बात अगर हम राजनीतिक अस्थिरता और निवेशक विश्वास को समझने की करें तो भारत विजन 2047 की तरफ कदम बढ़ा चुका है, 17 अप्रैल 2026 को विधेयक का गिरना विदेशी निवेशकों के लिए एक चेतावनी संकेत के रूप में देखा जा सकता है।आमतौर पर निवेशक स्थिर और मजबूत सरकारों को प्राथमिकता देते हैं, जहाँ नीतिगत निर्णय तेजी से और स्पष्ट रूप से लागू किए जा सकें।हालांकि, यदि सरकार अन्य आर्थिक सुधारों को जारी रखती है, तो यह नकारात्मक प्रभाव दीर्घकाल में सीमित भी रह सकता है। साथियों बात अगर हम क्विक-कॉमर्स बनाम पारंपरिक अर्थव्यवस्थाः नया आर्थिक संघर्ष इसको समझने की करें तो, भारत की अर्थव्यवस्था इस समय एक दिलचस्प द्वंद्व से गुजर रही है, एक ओर तेजी से बढ़ता स्टार्टअप इकोसिस्टम है,और दूसरी ओर पारंपरिक किराना और खुदरा नेटवर्क।जेप्टो , ब्लाइंकिट और स्विग्गी इंस्टामार्ट जैसे प्लेटफॉर्म्स ने बाजार में तेज प्रतिस्पर्धा पैदा कर दी है।वहीं आल इंडिया कंस्यूमर प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूटर्स फेडरेशन ने इन कंपनियों के खिलाफ चिंता जताई है कि उनकी आक्रामक मूल्य निर्धारण रणनीति पारंपरिक व्यवसायों को नुकसान पहुँचा रही है।आईपीओ और निवेशकों के लिए जोखिम की स्थिति यह है कि यदि घाटे में चल रही कंपनियाँ उच्च वैल्यूएशन पर आईपीओ लाती हैं, तो यह खुदरा निवेशकों के लिए जोखिम पैदा कर सकता है। बाजार में यदि बबल बनता है और वह फूटता है, तो इसका प्रभाव व्यापक हो सकता है।इससे न केवल निवेशकों का विश्वास प्रभावित होगा, बल्कि भारत की नियामक साख पर भी प्रश्न उठ सकते हैं। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क्रि लोकतंत्र, अर्थव्यवस्था और भविष्य की दिशा,16-17 अप्रैल 2026 की घटनाएँ यह स्पष्ट करती हैं कि भारत केवल आर्थिक नहीं,बल्किलोकतांत्रिक संक्रमण के दौर से गुजर रहा है। यहाँ एक ओर तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है, तो दूसरी ओर जटिल राजनीतिक और सामाजिक चुनौतियाँ भी हैं।यदि सरकार पारदर्शिता, सहमति और स्थिरता को प्राथमिकता देती है, तो यह स्थिति भारत के लिए एक अवसर बन सकती है। अन्यथा, नीतिगत अनिश्चितता और राजनीतिक अस्थिरता निवेशकों के विश्वास को कमजोर कर सकती है।इसलिए, भारत की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वहलोकतांत्रिक मूल्यों और आर्थिक विकास के बीच संतुलन कैसे स्थापित करता है,क्योंकि आज का मतदाता और निवेशक दोनों ही अधिक जागरूक,अधिक विश्लेषणात्मक और अधिक मांग करने वाले हो चुके हैं।

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यम सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र 9284141425

महिला आरक्षणः राजनीति बनाम वास्तविक सशक्तिकरण

रमेश कृष्णराव लांजेवार

प्रति, माननीय संपादक जी,

विषयः महिला आरक्षण पर पक्ष-विपक्ष की स्वार्थी राजनीति; यदि सच में महिलाओंको सम्मान देना है तो,33% टिकट महिलाओं को क्यों नहीं देती ?

सरकार ने महिला आरक्षण के नाम पर तीन दिन तक संसद का विशेष सत्र चलाया, जिसमें विस्तृत चर्चा भी हुई। इन तीन दिनों में देश के करोड़ों रुपये खर्च हुए। महिला आरक्षण विधेयक पश्चिम बंगाल के चुनावों के बाद लाया जाना चाहिए था।लेकीन विशेष सत्र बुलाके 17 अप्रैल 2026 तक लोकसभा में इस विषय पर तीखी बहस हुई और मतदान कराया गया। कुल 543 सांसदों में से 528 ने मतदान में भाग लिया। बहुमत के लिए 352 मतों की आवश्यकता थी, लेकिन विधेयक के पक्ष में केवल 298 मत पड़े, जिससे सरकार दो-तिहाई बहुमत हासिल करने में असफल रही। वहीं, 230 मत विरोध में पड़े और विधेयक लोकसभा में खारिज हो गया।इससे साफ होता है कि पक्ष और विपक्ष दोनों ही महिलाओं और देश की 140 करोड़ जनता को भ्रमित कर रहे हैं। आज तक देश में महिला प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष, मुख्यमंत्री आदि पदों पर महिलाएं बिना आरक्षण के अपने दम पर पहुंची हैं।वर्तमान में राजनीति, समाजसेवा से ज्यादा स्वार्थी राजनीती हावी होती दिख रही है। 16 से 18 अप्रैल के बीच बुलाए गए इस विशेष सत्र में महिला आरक्षण, निर्वाचन क्षेत्र पुनर्गठन और आयोग से जुड़े विधेयक पेश किए गए। तीन दिन की चर्चा के बाद भी यह विधेयक पास नहीं हो सका।अब विधेयक खारिज होने के बाद पक्ष-विपक्ष मीडिया के सामने एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं और अपनी राजनीतिक रोटियां सेक रहे हैं। कुछ दल आंदोलन की बात कर रहे हैं।सभी राजनीतिक दल कहते हैं कि वे महिला आरक्षण के खिलाफ नहीं हैं—यह स्वागत योग्य है। लेकिन यदि वास्तव में महिलाओं को सम्मान देना है, तो हर पार्टी लोकसभा और विधानसभा चुनावों में 33% टिकट महिलाओं को क्यों नहीं देती ?यदि हर पार्टी स्वयं 33% सीटें महिलाओं को दे, तो बिना कानून के ही संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की संख्या बढ़ जाएगी। आज भी कई महिलाएं बिना आरक्षण के पुरुषों को हराकर सांसद और विधायक बनती हैं—यह उनकी क्षमता का और नारी शक्ती का प्रमाण है।इससे स्पष्ट है कि महिलाओं को आरक्षण से ज्यादा अवसर और समर्थन की आवश्यकता है। असल समस्या राजनीतिक इच्छाशक्ति की है, जो किसी भी दल में दिखाई नहीं देती।महिला आरक्षण केवल एक राजनीतिक दिखावा बनकर रह गया है। कई नेताओं को डर है कि यदि महिला आरक्षण लागू हो गया तो उनकी राजनीतिक स्थिति कमजोर हो सकती है।131वां संविधान संशोधन विधेयक 2026 में लोकसभा की सीटें 543 से बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव है, लेकिन इसके लिए जनगणना जरूरी है, जो अभी तक नहीं हुई है।यदि सांसदों की संख्या बढ़ती है, तो राज्यसभा, विधानसभा और अन्य संस्थाओं में भी संख्या बढ़ेगी, जिससे देश पर अरबों रुपये का आर्थिक बोझ पड़ेगा।आज देश में पहले से ही सांसद, विधायक, नगरसेवक, पंचायत सदस्य आदि बड़ी संख्या में जनता की सेवा के लिए मौजूद हैं। ऐसे में सांसदों की संख्या बढ़ाने की आवश्यकता नहीं है।इसके बजाय सरकार को यह पैसा देश के विकास के काम मे लाये, बेरोजगारी कम करे और महंगाई कम करने में लगाना चाहिए।आज भी ईपीएस-95 पेंशनधारकों का मुद्दा 12 वर्षों से लंबित है। उन्हें न्युनतम पेन्शन 1000 रुपये मिलती है,उसे बढ़ाकर 7500 रुपये न्यूनतम पेंशन देने का निर्णय नहीं लिया गया है, जिससे उनकी स्थिति अत्यंत दयनीय बनी हुई है।इससे स्पष्ट होता है कि जिन मुद्दों पर सहमति है, उन पर भी सरकार कार्रवाई नहीं करती, लेकिन राजनीतिक मुद्दों को हवा दी जाती है।अतः सबसे पहले हर राजनीतिक दल को अपनी सोच बदलनी चाहिए और स्वयं 33% या उससे अधिक टिकट महिलाओं को देना चाहिए। इसके बाद ही कानून बनाने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

जय हिंद।

लेखक
रमेश कृष्णराव लांजेवार
(स्वतंत्र पत्रकार)
मो. नं. 9921690779, नागपुर

बंगाल का सूर्यास्त और भारतीय औद्योगिक मानचित्र का पुनर्गठन

राजेश कुमार सिंह ,राजनीतिक संपादक

नई दिल्लीः पश्चिम बंगाल की राजनीति वर्तमान में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और जटिल मोड़ पर खड़ी है। 2026 के विधानसभा चुनाव (23 और 29 अप्रैल) के करीब आते ही राज्य में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। बंगाल का यह चुनाव न केवल राज्य की सत्ता का भविष्य तय करेगा, बल्कि भारतीय राजनीति के क्षेत्रीय बनाम राष्ट्रीय विमर्श को भी एक नई दिशा देगा।सही मायने में बंगाल की राजनीति अब स्पष्ट रूप से द्विध्रुवीय (Bipolar) हो चुकी है। एक ओर ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (TMC) है, जो अपने 'बंगाली अस्मिता' और कल्याणकारी योजनाओं (जैसे लक्ष्मी भंडार) के भरोसे सत्ता की हैट्रिक के बाद चौथी बार जीत की उम्मीद कर रही है। दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी (BJP) है, जिसने पिछले कुछ वर्षों में मुख्य विपक्षी दल के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की है। हालांकि, वाममोर्चा और कांग्रेस का गठबंधन अभी भी कुछ पॉकेट्स में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है, लेकिन मुख्य मुकाबला TMC और BJP के बीच ही सिमटा नजर आता है। कल्याणकारी योजनाएं बनाम भ्रष्टाचार के आरोपः ममता सरकार की 'लक्ष्मी भंडार', 'कन्याश्री' और 'स्वास्थ्य साथी' जैसी योजनाओं ने ग्रामीण महिलाओं और गरीब वर्ग में एक मजबूत वोट बैंक तैयार किया है। लेकिन इसके समानांतर, शिक्षक भर्ती घोटाला और संदेशखली जैसी घटनाओं ने सरकार की छवि पर भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था के सवाल खड़े किए हैं। अस्मिता की राजनीतिः TMC लगातार खुद को 'बंगाल की बेटी' और BJP को 'बाहरी' बताकर बंगाली संस्कृति और भाषा के कार्ड को मजबूती से खेलती रही है। यह रणनीति 2021 में काफी सफल रही थी। ध्रुवीकरण और जनसांख्यिकीः बंगाल के चुनावों में धार्मिक ध्रुवीकरण एक बड़ा कारक रहा है। मुस्लिम मतदाताओं का (लगभग 30%) झुकाव TMC की जीत सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। वहीं, BJP मतुआ समुदाय और उत्तर बंगाल के राजबंशी वोटों के सहारे हिंदू मतों के समेकन की कोशिश कर रही है। संगठनात्मक चुनौतीः BJP के लिए सबसे बड़ी चुनौती एक सशक्त स्थानीय चेहरे और बूथ स्तर पर TMC जैसे मजबूत कैडर की कमी है। हालांकि शुभेंदु अधिकारी जैसे नेता आक्रामक रुख अपनाए हुए हैं, लेकिन पार्टी के भीतर अंतर्कलह अक्सर सतह पर आ जाती है। बंगाल के गौरवशाली अतीत और वर्तमान की औद्योगिक रिक्तियाँ के बीच आज जो फर्क है, वह किसी भी अर्थशास्त्री या समाजशास्त्री के लिए शोध का विषय हो सकती है।लेकिन तथ्यों और भावनाओं को समाहित करते हैं तो स्वर्ण युग से विस्थापन तक पश्चिम बंगाल की तस्वीरें कुछ और ही है। "आज जो बंगाल सोचता है, भारत कल सोचता है" – गोपाल कृष्ण गोखले का यह कथन कभी बंगाल की बौद्धिक और औद्योगिक श्रेष्ठता का प्रमाण था। लेकिन आज की परिस्थिति इस कथन को एक कड़वे मजाक की तरह प्रस्तुत करती है। जिस बंगाल ने भारत को उसका पहला औद्योगिक ढांचा दिया, जहाँ जूट मिलों की चिमनियों से निकलता धुआं समृद्धि का प्रतीक था, आज वही बंगाल अपने युवाओं को श्रमिक के रूप में दूसरे राज्यों में भेजने के लिए विवश है। बंगाल का औद्योगिक सूर्यास्त केवल एक राज्य की कहानी नहीं है, बल्कि यह इस बात का सबक है कि कैसे राजनीतिक हठधर्मिता और गलत प्राथमिकताएं एक समृद्ध सभ्यता को पतन की ओर ले जा सकती हैं।

औद्योगिक पलायन की लंबी फेहरिस्त-बंगाल के पतन की कहानी रातों-रात नहीं लिखी गई। यह दशकों की उपेक्षा और शत्रुतापूर्ण व्यावसायिक वातावरण का परिणाम है।

साइकिल और केमिकल इंडस्ट्रीः कभी कोलकाता के आसपास साइकिल निर्माण की विशाल इकाइयां थीं। नीतियों की जटिलता और श्रमिक अशांति के कारण यह पूरा उद्योग पंजाब के लुधियाना में स्थानांतरित हो गया। आज लुधियाना विश्व का साइकिल हब है, जबकि बंगाल में केवल खंडहर बचे हैं। यही हाल केमिकल सेक्टर का रहा; रायपुर और गुजरात ने लाल कालीन बिछाकर उन निवेशकों का स्वागत किया जिन्हें बंगाल में 'पूंजीवादी शत्रु' माना गया।

बैटरी और ऑटोमोबाइलः एक्साइड जैसी दिग्गज कंपनियों का आधार बंगाल था। मालदा और आसपास के क्षेत्रों में बैटरी निर्माण की अपार संभावनाएं थीं, जो अब महाराष्ट्र और गुजरात की नीतियों के कारण वहां शिफ्ट हो गई हैं।

हिंदुस्तान मोटर्स का अंतः 'एम्बेसडर' कार भारत की पहचान थी, जिसका दिल उत्तरपारा (बंगाल) में धड़कता था। लेकिन राजनीतिक हस्तक्षेप और आधुनिकीकरण के प्रति उदासीनता ने इस दिग्गज कंपनी को इतिहास के पन्नों में दफन कर दिया।

ऐतिहासिक भूलः बिरला से टाटा तक का सफर-बंगाल के औद्योगिक इतिहास में दो घटनाएं ऐसी हैं जिन्होंने निवेशकों के आत्मविश्वास को पूरी तरह तोड़ दिया।

बिरला प्रकरणः कम्युनिस्ट शासन के दौरान जब उद्योगपति बी.के. बिरला को उनकी कार से खींचकर अपमानित करने का प्रयास किया गया, तो वह केवल एक व्यक्ति पर हमला नहीं था, बल्कि वह बंगाल की 'बिज़नेस एथिक्स' पर हमला था। इसके बाद बिरला समूह सहित कई बड़े मारवाड़ी परिवारों (जैसे खेतान, गोयनका, बजाज) ने बंगाल से अपना मोहभंग कर लिया और महाराष्ट्र, गुजरात व राजस्थान को अपनी कर्मभूमि बनाया।

सिंगूर और टाटा नैनो का संघर्षः २१वीं सदी में बंगाल के पास वापसी का एक सुनहरा मौका था—'टाटा नैनो'। रतन टाटा बंगाल में निवेश करना चाहते थे, लेकिन ममता बनर्जी के नेतृत्व में हुए हिंसक आंदोलन ने इसे राजनीति की भेंट चढ़ा दिया। नैनो को "माचिस की डिब्बी" कहना उस तकनीकी और औद्योगिक क्रांति का अपमान था, जो बंगाल की तस्वीर बदल सकती थी।

साणंद बनाम सिंगूरः एक एसएमएस का करिश्मा-जहां बंगाल ने टाटा को 'टाटा' (बाय-बाय) कहा, वहीं तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक एसएमएस के जरिए उन्हें गुजरात आमंत्रित किया। आज परिणाम दुनिया के सामने हैः

साणंद (गुजरात)ः आज यह वैश्विक ऑटोमोबाइल हब है। न केवल टाटा की गाड़ियां (EV और SUV) वहां बन रही हैं, बल्कि उनकी वजह से वहां एक पूरा 'वेंडर इकोसिस्टम' तैयार हो गया है। पैनासोनिक, सैमसंग और सुजुकी जैसी कंपनियां वहां बैटरी प्लांट लगा रही हैं।

सिंगूर (बंगाल)ः वहां आज भी उजाड़ जमीन और कानूनी लड़ाइयां शेष हैं। जो क्षेत्र 'भारत का डेट्रॉइट' बन सकता था, वह आज राजनीतिक हठधर्मिता का स्मारक बन कर रह गया है।

प्रतिभा का पलायनः लेखक से मजदूर तक बंगाल की सबसे बड़ी पूंजी उसका 'मानव संसाधन' था। एक समय था जब बंगाल से नोबेल विजेता, अर्थशास्त्री और फिल्मकार निकलते थे। आज भी निकलते हैं, लेकिन वे बंगाल में नहीं टिकते।

अकुशल श्रम का निर्यातः यह बेहद विचलित करने वाला तथ्य है कि आज उत्तर प्रदेश और बिहार से भी अधिक मजदूर बंगाल से निकलकर गुजरात के अलंग या दक्षिण भारत के निर्माण स्थलों पर जा रहे हैं।

पहचान का संकटः जब यही बंगाली मजदूर दूसरे राज्यों में जाते हैं, तो उन्हें 'बांग्लादेशी' होने के संदेह का सामना करना पड़ता है। यह उन लोगों के लिए सबसे बड़ी त्रासदी है जिनके पूर्वजों ने भारतीय पुनर्जागरण (Bengal Renaissance) की नींव रखी थी।

मारवाड़ी समाज और सांस्कृतिक द्वेष-बंगाल की अर्थव्यवस्था में मारवाड़ी समाज की भूमिका रीढ़ की हड्डी के समान थी। लेकिन राजनीतिक लाभ के लिए 'बंगाली बनाम बाहरी' का जो नैरेटिव बुना गया, उसने मारवाड़ी व्यापारियों को असुरक्षित महसूस कराया। झुनझुनवाला, नेवटिया और लोढ़ा जैसे समूहों ने जब निवेश के लिए मुंबई और अहमदाबाद को चुना, तो बंगाल ने केवल पैसा नहीं, बल्कि 'बिज़नेस एक्यूमेन' (व्यापारिक सूझबूझ) भी खो दी।

क्या वापसी संभव है? बंगाल आज एक चौराहे पर खड़ा है। एक तरफ उसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत है, तो दूसरी तरफ एक ढहता हुआ औद्योगिक ढांचा। राज्य को यह समझना होगा कि उद्योग केवल 'मशीनें' नहीं होते, वे 'रोजगार' और 'आत्मसम्मान' होते हैं। जब तक बंगाल में उद्योगपतियों को 'शोषक' की जगह 'साझेदार' नहीं माना जाएगा, तब तक यह सूर्यास्त समाप्त नहीं होगा।ममता बनर्जी और वर्तमान नेतृत्व को यह स्वीकार करना होगा कि कार के मॉडल बदलते हैं, तकनीक बदलती है, लेकिन निवेश का वातावरण एक बार नष्ट हो जाए तो उसे बनाने में सदियां लग जाती हैं। बंगाल के युवाओं को अगर 'कबाड़ बीनने' या 'मजदूरी' से बचाना है, तो राज्य को फिर से 'व्यापार-हितैषी' बनाना ही एकमात्र विकल्प है।अन्यथा, इतिहास गवाह रहेगा कि एक महान राज्य ने अपनी ही गलतियों से अपना भविष्य अँधेरे में झोंक दिया। हालाँकि 2024 के लोकसभा चुनावों के नतीजों ने दिखाया कि TMC का आधार अब भी मजबूत है, लेकिन BJP ने अपने वोट शेयर को बनाए रखने में सफलता पाई है। 2026 की लड़ाई 'गवर्नेंस' बनाम 'लोकप्रियता' की होगी। ऐसे में बंगाल का चुनाव केवल वोट की गिनती नहीं, बल्कि विचारधाराओं का टकराव है। यदि विपक्षी दल शहरी क्षेत्रों में एंटी-इंकंबेंसी (सत्ता विरोधी लहर) को भुनाने में सफल होते हैं, तो मुकाबला कड़ा हो सकता है।

नफरत की राजनीति का नया हथियार : पालतू सूअर

लेखक - राम पुनियानी

दिल्ली के त्रिनगर के निवासी कुछ हिन्दू परिवारों ने पूजा-अर्चना का एक नया तरीका ईजाद किया है। इसका एक लाभ यह है कि इससे उनके मुसलमान पड़ोसी परेशान और दुखी होते हैं। इस इलाके के कुछ परिवार इन दिनों अपने घरों में सुअरों को पिंजरों में रखते हैं और बाहरी दीवारों पर गहने पहने हुए सूअर जैसे चेहरे वाले देवता के पोस्टर लगाते है। यह मुस्लिम बसाहटों के नजदीक स्थित बस्तियों में हो रहा है। पिंजरों में कैद सूअरों का अब्दुल या रहमान या ऐसा ही कोई नाम रखा जाता है और जब भी कोई मुस्लिम वहां से निकलता है तो जोर-जोर से उन्हें इन नामों से पुकारा जाता है। इसके साथ ही रहती है सजी-धजी, आभूषणों से सुसज्जित भगवान वराह की तस्वीर, जिन्हें विष्णु का तीसरा अवतार माना जाता है। कुछ लोगों का कहना है कि यह चलन एक साल पहले शुरू हुआ। वहीं कुछ कहते हैं कि यह सिलसिला कुछ ही महीनों पुराना है। मुसलमानों की सूअरों के प्रति नापसंदगी जानी-मानी है। जाहिर है कि यह मुसलमानों को भड़काने का एक नया तरीका है। इस तरह की चालें अक्सर समुदायों के बीच नफरत की दीवारें खड़ी करने के लिए चली जाती हैं। हमें यह पता नहीं है कि किस उर्वर और नफरत से भरे दिमाग मे यह तरकीब खोजी और ना ही हमें यह पता है कि यह सब केवल दिल्ली की एक बस्ती तक सीमित है या और कही भी यह हो रहा है। लेकिन इस बात का पूरा-पूरा खतरा है कि समाज को बांटने वाले इस ताजे औजार का नए-नए इलाकों में इस्तेमाल किया जाएगा और यह नफरत और उसके ज़रिये हिंसा फैलाने वालों के शस्त्रागार में एक नए हथियार के रूप में शामिल हो जाएगा। 9/11 के बाद से इस्लामोफोबिया एक वैश्विक प्रवृत्ति बन गया है। अमरीकी मीडिया ने इस्लामिक आतंकवाद जैसे जुमले गढ़ कर इसे हवा दी। यह दिलचस्प और आंखें खोलने वाली बात है कि ऐसा ही कुछ न्यूयार्क में मेयर जोहरान ममदानी के घर के सामने हुआ। पिछले महीने मागा समर्थकों ने ममदानी के दफ्तर के सामने एक सूअर भूना। लेकिन इन घटनाओं के संबंध में सबसे मजेदार बात यह है यह नासमझी और गलतफहमी पर आधारित है। हिंदू और ईसाई जितना जी चाहे उतना सूअर का मांस खा सकते हैं और सूअरों को पालतू पशु के रूप में रख सकते हैं - इससे मुसलमानों को कोई परेशानी नहीं होती है। पिछले कुछ सालों से माहौल ख़राब करने के लिए सूअरों का इस्तेमाल कुछ कम हो गया था। गाय मुख्य मुद्दा बनी हुई थी। सूअर का इस्तेमाल साम्प्रदायिक ताकतों ने आजादी की लड़ाई के दौरान किया। उस समय गाय और सुअर दोनों का इस्तेमाल हिंसा भड़काने के लिए बढ़-चढ़कर किया जाता था। हमें गोविंद निहलानी का सीरियल 'तमस' याद है, जो भीष्म साहनी की पुस्तक पर आधारित था। उसमें एक अछूत नाथू को एक मुस्लिम राजनीतिज्ञ कुछ रकम देता है और उसे एक सूअर मारकर एक मस्जिद में फेंकने का काम सौंपता है। इस फिरकापरस्त नेता को पूरा भरोसा रहता है कि इसके नतीजे में हिंसा होगी और उसका सामाजिक-राजनैतिक कद बढ़ेगा। वर्तमान दौर में ऐसी इक्का-दुक्का घटनाएं होती रहती हैं जिनमें हिंसा भड़काने के लिए मंदिर में गौमांस रख दिया जाता है। इनमें से ज्यादातर मामलों में आखिर में यह पता लगता कि गौमांस रखने वाले बजरंग दल से जुड़े हुए लोग थे। पुलिस ने बजरंग दल के मुरादाबाद जिलाध्यक्ष मोनू विश्वनोई सहित चार लोगों को गौवध कर एक मुस्लिम व्यक्ति को इसका दोषी बताकर झूठे मामले फसांने की कोशिश करने के आरोप में गिरफ्तार किया। उन पर पुलिस के खिलाफ साजिश रचने का भी आरोप लगाया गया। मवेशी ले जा रहे लोगों पर हमले के दोषी गौरक्षकों के गिरफ़्तारी के कई मामले सामने आए हैं।

धोनी की चोट पर सीएसके के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने कहा जल्दी वापसी करेंगे

हैदराबाद (तेलंगाना) (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने चल रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सीजन के दौरान महेंद्र सिंह धोनी की वापसी को लेकर उम्मीद जताई है। यह पूर्व भारतीय क्रिकेटर अभी तक आईपीएल 2026 में नहीं खेल पाए है, क्योंकि वह पिंडली की चोट से उबर रहे हैं। हालांकि यह दाएं हाथ का बल्लेबाज नेट सेशन कर रहा है, लेकिन यह साफ नहीं है कि वह सीएसके की प्लेइंग 11 में कब वापसी करेंगे। शनिवार को सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों 10 रन से हारने के बाद सीएसके के बैटिंग कोच हसी ने मैच के बाद हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि धोनी रिहैब में अच्छी प्रगति कर रहे हैं और एक कोच के तौर पर वह उनकी बल्लेबाजी से संतुष्ट हैं। हसी ने कहा, वह अपने रिहैब में अच्छी प्रगति कर रहे हैं। और देखिए, मैं एक बैटिंग कोच हूं और मैं खुश हूं कि वह किस तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं। हसी ने कहा कि धोनी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं और वह उनकी फॉर्म से संतुष्ट हैं। हसी ने बताया कि धोनी के ठीक होने का मुख्य मकसद दौड़ने की फिटनेस और गति को बेहतर बनाना है, खासकर पारी के आखिरी ओवरों में विकेटों के बीच तेजी से रन बनाने के लिए। हसी ने कहा कि उन्हें धोनी की वापसी की सही तारीख तो नहीं पता, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि वह जल्द ही वापसी करेंगे। सीएसके के बैटिंग कोच ने कहा, जैसा कि आपने कल ट्रेनिंग में देखा, वह अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। वह अपनी बल्लेबाजी के मौजूदा स्तर से काफी खुश थे।

वह अभी बस अपनी दौड़ने की क्षमता पर काम कर रहे हैं, क्योंकि अगर उन्हें पारी के आखिरी ओवरों में बल्लेबाजी करनी है, तो उन्हें दो रन और इस तरह के अन्य रन लेने के लिए तेजी से दौड़ना होगा। उन्हें बस अपनी दौड़ने की क्षमता पर भरोसा जगाने और अपनी गति बढ़ाने की जरूरत है। मुझे नहीं पता कि वह कब खेलेंगे, लेकिन मुझे उम्मीद है कि सभी फैंस की तरह मैं भी चाहता हूं कि वह जल्द से जल्द वापसी करें।

आज मुंबई इंडियंस पर बने दबाव का फायदा उठाने की कोशिश करेगा गुजरात टाइटंस

अहमदाबाद (एजेंसी)। पिछले तीन मैच में जीत हासिल करके आत्मविश्वास से भारी गुजरात टाइटंस की टीम सोमवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में लगातार हार से दबाव में चल रही मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपनी जीत का सिलसिला जारी रखने की कोशिश करेगी। पिछले कुछ सप्ताह में इन दोनों टीमों का प्रदर्शन बिल्कुल विपरीत रहा है। गुजरात टाइटंस ने अपने अभियान की शुरुआत लगातार दो हार के साथ की थी, लेकिन उसके बाद उसने लगातार तीन मैच जीत कर लय हासिल कर ली है और वह तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई है।

इसके बिल्कुल विपरीत मुंबई ने अपने पहले मैच में जीत के साथ शुरुआत की, लेकिन उसके बाद से उसका प्रदर्शन खराब होता चला गया है। उसे लगातार चार हार का सामना करना पड़ा है और उनकी हार का अंतर बहुत बड़ा रहा है, जिससे वह नौवें स्थान पर खिसक गया है। पांच बार की चैंपियन टीम मुंबई पर खराब प्रदर्शन के कारण काफी दबाव है और उसे अगर अपनी उम्मीदों को जीवंत रखना है तो अब हर हाल में जीत हासिल करनी होगी। उसकी टीम पावरप्ले में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है। इसके अलावा मध्यक्रम के बल्लेबाजों के अनियमित प्रदर्शन और गेंदबाजी आक्रमण में धार की कमी ने उसे बुरी तरह प्रभावित किया है।

सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा मुंबई इंडियंस के मध्यक्रम के मुख्य आधार रहे हैं लेकिन यह दोनों ही अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। सूर्यकुमार ने भले ही एक अर्धशतक लगाया है लेकिन उनके प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव है। दूसरी तरफ तिलक बेहद खराब फॉर्म में हैं और पांच पारियों में सिर्फ 43 रन ही बना पाए हैं। कप्तान हार्दिक पंड्या का प्रदर्शन भी कुछ खास अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने चार मैचों में सिर्फ 81 रन बनाए हैं, जिससे मुंबई की बल्लेबाजी की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

मुंबई की समस्या केवल बल्लेबाजी तक ही सीमित नहीं है बल्कि उसके गेंदबाज भी नहीं चल पा रहे हैं। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अभी तक विकेट नहीं ले पाना उसके लिए बड़ी चिंता का विषय है। उन्होंने भले ही किफायती गेंदबाजी की है लेकिन बल्लेबाज उनके सामने जोखिम लेने से बचते हुए उन्हें आसानी से खेल रहे हैं। अन्य गेंदबाज भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। शार्दुल ठाकुर और दीपक चाहर महत्वपूर्ण मौकों पर विकेट नहीं ले पाए हैं जबकि हार्दिक भी गेंदबाजी में कोई कमाल नहीं दिखा पाए हैं। उनके स्पिनरों के प्रदर्शन में भी निरंतरता नहीं है।

हर बल्लेबाज रोहित शर्मा के चोटिल होने से मुंबई की समस्या और बढ़ गई है। वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मैच में चोटिल हो गए थे और पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछला मैच नहीं खेल पाए थे। इसके विपरीत गुजरात टाइटन्स ने अपनी समस्याओं के बावजूद जीत हासिल करने के तरीके खोज लिए हैं। उसकी बल्लेबाजी अभी भी शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर काफी हद तक निर्भर है, जिसमें कप्तान शुभमन गिल, साई सुदर्शन और जोस बटलर ही अधिकतर रन बनाने का जिम्मा संभालते हैं।

ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर और राहुल तेवतिया जैसे मध्यक्रम के बल्लेबाज अभी तक विश्वसनीय प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। गेंदबाजी की बात करें तो गुजरात टाइटंस के गेंदबाजों ने टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया है। मोहम्मद सिराज और कागिसो रबाडा कई बार महंगे साबित हुए हैं, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा और राशिद खान का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव वाला रहा है।

टीमें

गुजरात टाइटंस – शुभमन गिल (कप्तान), अनुज रावत, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, ग्लेन फिलिप्स, राशिद खान, मानव सुथार, निशांत सिंधु, राहुल तेवतिया, वॉशिंगटन सुंदर, गुरनूर बराड़, अरशद खान, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कगिसो रबाडा, आर साई किशोर, इशांत शर्मा, अशोक शर्मा, जेसन होल्डर, टॉम बैंटन, ल्यूक वुड, साई सुदर्शन, एम शाहरुख खान, जयंत यादव, कुलवंत खेजरोलिया।

मुंबई इंडियंस – हार्दिक पंड्या (कप्तान), क्विंटन डीकॉक (विकेटकीपर), दानिश मालेवार, रॉबिन मिंज (विकेटकीपर), रयान रिकेलटन (विकेटकीपर), शेरफेन रदरफोर्ड, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, अथर्व अंकोलेकर, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, विल जैक्स, मयंक रावत, नमन धीर, मिचेल सेंटनर, शार्दुल ठाकुर, अश्विनी कुमार, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर, एएम गजनफर, मयंक मार्कंडेय, मो. इज़हार, रघु शर्मा।

समय – शाम 7-30 बजे

अगरकर का कार्यकाल बढ़ा, 2027 वनडे वर्ल्डकप तक टीम चुनेंगे

इनके रहते में भारत ने 3 आईसीसी खिताब जीते; रोहित-कोहली जैसे दिग्गजों का संन्यास

मुंबई (एजेंसी)। बीसीसीआईमने चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर का कार्यकाल एक साल बढ़ा दिया है। अब वे 2027 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप तक इस पद पर बने रहेंगे। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मीडिया को बताया कि अगरकर का कार्यकाल रिन्यू किया गया है, एक्सटेंड नहीं। वे अपनी परफॉर्मेंस के आधार पर चौथे साल के लिए पद पर बने रहेंगे। बीसीसीआई के नियमों के मुताबिक, सिलेक्टर अधिकतम चार साल तक पद पर रह सकता है। इससे पहले मीडिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया था कि अगरकर ने खुद बीसीसीआई से अपना कार्यकाल 2027 वनडे वर्ल्ड कप बढ़ाने की मांग की थी। बोर्ड ने 2023 में दो साल के लिए अगरकर को चीफ सिलेक्टर बनाया था। 2025 में उन्हें पहले ही एक साल का एक्सटेंशन मिल चुका था। अब उनका कार्यकाल 2027 तक के लिए रिन्यू किया जा रहा है। इस तरह अगरकर कुल चार साल चीफ सिलेक्टर रहेंगे।

कार्यकाल में भारत के नाम दो टी-20 वर्ल्ड कप और एक चैंपियंस ट्रॉफी

अजित अगरकर का अब तक का कार्यकाल बेहद सफल रहा। अक्टूबर 2023 से मार्च 2026 के बीच उनके द्वारा चुनी गई भारतीय टीमों ने चार आईसीसी टूर्नामेंट्स के फाइनल में जगह बनाई। इनमें से भारत ने तीन खिताब अपने नाम किए। 2024 और 2026 में दो टी-20 वर्ल्ड कप और 2025 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी। इसके अलावा, टीम इंडिया 2023 के वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में भी पहुंची थी, जहां उसे ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा।

कोहली-रोहित के संन्यास और शमी को बाहर करने जैसे कड़े फैसले – अगरकर की अगुवाई वाली कमेटी ने कई कड़े और बड़े फैसले लिए। इसमें सबसे प्रमुख विराट कोहली और रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की प्रक्रिया को संभालना और सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को धीरे-धीरे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर करना था। वहीं 2026 टी-20 वर्ल्ड कप टीम से टेस्ट और वनडे कैप्टन शुभमन गिल को ड्रॉप करके ईशान किशन जैसे इन-फॉर्म खिलाड़ी को मौका देने जैसे बड़े फैसले भी लिए।

2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए कंटिन्यूटी पर फोकस – अगला वनडे वर्ल्ड कप 2027 में होना है। बीसीसीआई चाहता है कि टीम की कोर और चयन प्रक्रिया में स्थिरता बनी रहे। अगरकर का कार्यकाल बढ़ने का मतलब है कि वे अगले वर्ल्ड कप के लिए टीम तैयार करने के मिशन पर काम जारी रखेंगे। बोर्ड का मानना है कि इस समय चयन समिति के नेतृत्व में बदलाव करना टीम की लय को बिगाड़ सकता है।

आयुष म्हात्रे के हैमस्ट्रिंग चोट की पुष्टि

सीएसके कोच ने कहा – यह काफी गंभीर लग रही है

हैदराबाद (तेलंगाना) (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बैटिंग कोच माइकल हसी ने बताया कि आयुष म्हात्रे को हैमस्ट्रिंग में खिंचाव (आ गया है और यह काफी गंभीर लग रही है। शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ सीएसके के मैच के दौरान 18 साल के इस दाएं हाथ के बल्लेबाज को विकेटों के बीच दौड़ते समय परेशानी का सामना करते देखा गया था।

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में माइकल हसी ने पुष्टि की कि आयुष म्हात्रे को हैमस्ट्रिंग में खिंचाव है। उन्होंने कहा कि स्कैन होने तक चोट की गंभीरता के बारे में ठीक-ठीक कुछ नहीं कहा जा सकता, लेकिन उन्होंने माना कि यह गंभीर लग रही है और खिलाड़ी की अच्छी फॉर्म को देखते हुए यह टीम के लिए एक बड़ा झटका हो सकता है। माइकल हसी ने कहा, यह हैमस्ट्रिंग में खिंचाव है। पता नहीं यह कितना गंभीर है। हम शायद कल या परसों उसका स्कैन करवाएंगे। मुझे पक्का नहीं पता, लेकिन हां, यह काफी गंभीर लग रही है। बदकिस्मती से, उसका बाहर होना टीम के लिए एक बड़ा नुकसान होगा क्योंकि वह बहुत अच्छी फॉर्म में था। सीएसके यह मैच एसआरएच से 10 रनों से हार गई, लेकिन आयुष म्हात्रे ने सिर्फ 13 गेंदों में 30 रनों की तेज पारी खेलकर सबको प्रभावित किया। वह इससे पहले भी शानदार फॉर्म में थे; उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 17 गेंदों में 38 रन बनाए थे और इसके अलावा दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 59 और पंजाब किंग्स के खिलाफ 73 रनों की यादगार पारियां भी खेली थीं। माइकल हसी ने आगे कहा कि आयुष म्हात्रे एक होनहार युवा खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा कि अगर वह कुछ मैच नहीं खेल पाते हैं तो यह निराशाजनक होगा, लेकिन इससे टीम में मौजूद किसी अन्य खिलाड़ी को आगे आकर अपनी छाप छोड़ने का मौका भी मिल सकता है।

उन्होंने कहा, वह एक बेहतरीन युवा खिलाड़ी है, लेकिन उसकी गैरमौजूदगी किसी और खिलाड़ी को अपनी काबिलियत साबित करने का मौका देगी और यह भी अपने आप में काफी रोमांचक है। हमारी टीम में कुछ ऐसे बेहतरीन खिलाड़ी मौजूद हैं जिन्हें अभी तक खेलने का मौका नहीं मिला है, इसलिए उनमें से किसी एक के लिए यह एक शानदार अवसर होगा। आयुष के बाहर होने से हम बेशक बहुत निराश हैं—हालांकि हमें यह नहीं पता कि वह कितने समय के लिए बाहर रहेगा—लेकिन किसी नए खिलाड़ी को टीम में आकर खेलने का मौका मिलना भी अपने आप में एक रोमांचक बात है।

भारत ने चीन को दिया बड़ा झटका, अमेरिका के 40 प्रतिशत स्मार्टफोन बाजार पर अब हमारा कब्जा, रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स व्यापार में भारत तेजी से अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है। अमेरिका जिन स्मार्टफोन्स का आयात पहले चीन से करता था, उनमें से करीब 40 प्रतिशत सप्लाई अब भारत से हो रही है। यह बड़ा खुलासा मैकिन्से एंड कंपनी की एक रिपोर्ट में हुआ है। यह बदलाव भारत के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है, क्योंकि इससे देश की मैन्युफैक्चरिंग ताकत और वैश्विक सप्लाई चेन में बढ़ती भूमिका साफ दिखाई देती है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने अपनी आयात निर्भरता को चीन से हटाकर दूसरे देशों की ओर मोड़ना शुरू कर दिया है। अमेरिका ने चीन से मंगवाए जाने वाले लगभग 80 अरब डॉलर से अधिक मूल्य के सामान का विकल्प खोज लिया है, जिसमें भारत और आसियान देशों की

भूमिका सबसे अहम रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने अमेरिका को स्मार्टफोन निर्यात में इतनी बड़ी वृद्धि की है जो चीन द्वारा की जाने वाली सप्लाई के 40 प्रतिशत के बराबर पहुंच गई है। भारत और अमेरिका के बीच लगभग 13,000 किलोमीटर की भौगोलिक दूरी होने के बावजूद, निर्यात में यह भारी उछाल भारत की मजबूत होती मैन्युफैक्चरिंग क्षमता को दर्शाता है। स्मार्टफोन अब भारतीय निर्यात की पहचान बन चुके हैं और वैश्विक सप्लाई चेन में भारत की स्थिति को मजबूत कर रहे हैं।

स्मार्टफोन सेक्टर बना गेमचेंजर: भारत के कुल निर्यात में भले बहुत बड़ा बदलाव न दिखा हो, लेकिन स्मार्टफोन निर्यात सबसे बड़ा अपवाद रहा और इसी ने निर्यात वृद्धि को गति दी। विशेषज्ञ मानते हैं कि एप्पल जैसी कंपनियों की भारत में बढ़ती मैन्युफैक्चरिंग ने इसमें अहम भूमिका निभाई है। भू-राजनीतिक बदलावों के कारण अमेरिका अपनी सप्लाई चेन में विविधता ला रहा है। आसियान देशों ने अमेरिका के उन दो-तिहाई लैपटॉप आयात की जगह ले ली है जो पहले चीन से आते थे। साल 2025 में मंदी की चिंताओं के बावजूद वैश्विक व्यापार मजबूत रहा।

ईरान युद्ध से दुनिया को 4.63 लाख करोड़ की चपत, बहाली में लगेंगे कई साल

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान युद्ध को शुरू हुए करीब 50 दिन बीत चुके हैं। इस दौरान दुनिया को जो आर्थिक चोट लगी है, उसकी भरपाई में कई साल लग सकते हैं। विश्लेषकों और रॉयटर्स के अनुसार, युद्ध के कारण अब तक 50 करोड़ बैरल कच्चे तेल का उत्पादन नहीं हो सका है। इसकी कीमत करीब 50 अरब डॉलर (करीब 4.63 लाख करोड़ रुपये) आंकी गई है। यानी दुनिया को इन 50 दिनों में करीब 4.63 लाख करोड़ रुपये का झटका लग चुका है। ईरान पर अमेरिका और इजरायल ने 28 फरवरी को हमला किया था। केप्लर के आंकड़ों के अनुसार, फरवरी के अंत में संकट शुरू होने के बाद से वैश्विक बाजार से 50 करोड़ बैरल से अधिक कच्चा तेल और कंडेनसेट बाहर हो गया है। इसे ऊर्जा आपूर्ति का अब तक का सबसे बड़ा वैश्विक संकट माना जा रहा है। इन 50 दिनों में 50 करोड़ बैरल कच्चे तेल का प्रोडक्शन नहीं हुआ है। एक्सपर्ट के अनुसार यह नुकसान कितना बड़ा है, इसका अंदाजा इस प्रकार लगाया जा सकता है: पूरी दुनिया की 5 दिन की तेल की जरूरत के बराबर है। यह वैश्विक स्तर पर 10 हफ्तों की एविएशन फ्यूल मांग के बराबर है। पूरी दुनिया में 11 दिनों तक चलने वाले वाहनों के ईंधन के बराबर है। अकेले अमेरिका की एक महीने की तेल मांग के बराबर है। अमेरिकी सेना के 6 साल के कुल ईंधन खपत के बराबर है। इतने तेल से यूरोप की एक महीने से ज्यादा की जरूरत पूरी हो सकती है। अंतरराष्ट्रीय शिपिंग इंडस्ट्री को 4 महीने चलाने लायक ईंधन के बराबर है। युद्ध के दौरान कच्चे तेल की औसत कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल रही है। केप्लर के वरिष्ठ विश्लेषक जोहान्स राउबल के अनुसार, बाजार से गायब हुए तेल का मूल्य करीब 50 अरब डॉलर है। यह रकम जर्मनी की वार्षिक जीडीपी के 1 प्रतिशत के बराबर है।

3 बार फेल होने पर भी सुधा ने हिम्मत नहीं हारी, 2000 से शुरू किया बिजनेस

नई दिल्ली, एजेंसी। कहते हैं कि अगर इरादे मजबूत हों और कुछ कर गुजरने का जज्बा हो, तो गरीबी और असफलता की बेड़ियां भी रास्ता नहीं रोक सकतीं। तमिलनाडु के नमक्कल जिले की रहने वाली सुधा की कहानी इसका जीता-जागता उदाहरण है। महज 2,000 रुपये की मामूली पूंजी से अपना स्टार्टअप शुरू करने वाली सुधा आज एक सफल बिजनेसवुमन हैं और लाखों रुपये कमा रही हैं। सुधा का बचपन बेहद अभावों में बीता। गरीबी के कारण उन्हें और उनकी बहन को दादा-दादी के पास रहने के लिए भेज दिया गया था। पढ़ाई में शुरुआती मार्गदर्शक न होने के कारण सुधा 5वीं कक्षा में ही फेल हो गईं। इसके बाद वह 6वीं कक्षा में पहुंची तो वहां भी फेल हो गईं। सिलसिला यहीं नहीं रुका। वह 7वीं कक्षा में भी फेल हो गई थीं। उनके भाई-बहनों ने हार मानकर पढ़ाई छोड़ दी, वहीं सुधा ने अपनी मां से प्रेरणा लेकर हार नहीं मानी। उन्होंने स्कूल बदला, कड़ी मेहनत की और न केवल 10वीं पास की, बल्कि क्रस्र्. कर अपने परिवार की पहली ग्रेजुएट बनीं। यही नहीं, इसके बाद उन्होंने रूस्र्. की डिग्री भी हासिल की।

कैसे आया बिजनेस का आइडिया

सुधा के बिजनेस की शुरुआत एक मां की

अपनी बेटी के प्रति चिंता से हुई। साल 2011 में कोयंबटूर शिफ्ट होने के बाद उनकी 4 साल की बेटी खाने में बहुत नखरे करती थी। सुधा चाहती थीं कि उनकी बेटी को पूरा पोषण मिले। सुधा ने मोरिंगा (सहजन), पुदीना और करी पत्ते को सुखाकर पाउडर बनाया और उसे इडली-डोसा के साथ मिलाकर अपनी बेटी को खिलाना शुरू किया। उनकी बेटी को यह स्वाद पसंद आया। यहीं से सुधा को अहसास हुआ कि यह समस्या हर मां की है और उनके पास एक बेहतरीन प्रोडक्ट है।

साल 2016 में अपनी नौकरी की सैलरी से बचाए हुए 2,000 रुपये के साथ सुधा ने घर से ही पाउडर बनाकर बेचना शुरू किया। साल 2018 में उन्होंने अपनी कंपनी इनिया ऑर्गेनिक्स रजिस्टर्ड की। वह स्थानीय किसानों से ताजी पालक, मोरिंगा पत्ते, पुदीना और धनिया खरीदती थीं। उन्हें धूप में सुखाकर अपनी खास रेसिपी से पीसकर बेचती थीं। जल्द ही ग्राहकों ने उनकी मां की रेसिपी वाले सांभर और रसम पाउडर की मांग शुरू कर दी, जिससे उनका कारोबार बढ़ता गया। अपने बिजनेस को पेशेवर बनाने के लिए सुधा ने तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय से ट्रेनिंग ली।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)